मुक्त चिन्तन
News Letter
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
01 सितम्बर, 2022

बेस माड्यूल से संबंधित सूचनाओं को अपलोड करने के संबंध में बैठक

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

Samarth eGov बेस माड्यूल से संबंधित सूचनाओं को अपलोड करने के संबंध में प्रोजेक्ट समर्थ इन्स्टीट्यूट आफ इनफारमैटिक्स एण्ड कम्युनिकेशन यूनिवर्सिटी आफ दिल्ली– साउथ कैम्पस द्वारा दिनांक 01 सितंबर, 2022 को (वेब मिटिंग) बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने की। विश्वविद्यालय की तरफ से बैठक में कुलसचिव प्रो0 पी0 पी0 दुबे, नोडल अधिकारी समर्थ, प्रो0 आशुतोष गुप्ता, डिप्टी नोडल अधिकारी प्रो0 जय प्रकाश यादव तथा इससे संबंधित शिक्षणेत्तर कर्मचारी पुनीत कुमार, राजेंद्र, एस.के. दुबे, दीपान्शु एवं टेक्निकल सपोर्ट के लिए शहबाज अहमद उपस्थित रहे।

Samarth eGov की तरफ से तुषार ने प्रतिभाग किया।

बैठक की अध्यक्षता करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी एवं उपस्थित अधिकारी एवं कर्मचारगण

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
02 सितम्बर, 2022
मुक्त चिन्तन

मुक्त विश्वविद्यालय में पीपीआर पर हुई कार्यशाला

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के शिक्षक प्रशिक्षण प्रकोष्ठ के तत्वावधान में शुक्रवार दिनांक 02 सितम्बर, 2022 को कार्यक्रम परियोजना प्रतिवेदन विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला के मुख्य वक्ता आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन प्रकोष्ठ सीका के निदेशक प्रो. आशुतोष गुप्ता रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक प्रबंधन अध्ययन विद्याशाखा प्रो. ओमजी गुप्ता

उक्त कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रो. पी. पी. दुबे, समन्वयक, शिक्षण प्रशिक्षण प्रकोष्ठ ने प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन डॉ श्रुति एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो. विनोद कुमार गुप्ता, संयोजक, शिक्षण प्रशिक्षण प्रकोष्ठ ने किया। इस अवसर पर कार्यशाला में प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल, प्रो. सत्यपाल तिवारी, प्रो. रुचि बाजपेई, प्रो. छत्रसाल सिंह, डॉ आनंदानंद त्रिपाठी, डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी आदि शिक्षक प्रतिभागी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन करती हुई एसोसिएट प्रोफेसर, विज्ञान विद्याशाखा डॉ0 श्रुति

कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए शिक्षण प्रशिक्षण प्रकोष्ठ के समन्वयक प्रो. पी. पी. दुबे

मुक्त चिन्तन

नैक ग्रेडिंग में टॉप रैंकिंग के लिए अच्छा प्रतिवेदन तैयार करें– प्रोफेसर गुप्ता

प्रो. आशुतोष गुप्ता

कार्यशाला के मुख्य वक्ता आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन प्रकोष्ठ सीका के निदेशक प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता ने प्रतिभागियों को प्रोग्राम प्रोजेक्ट रिपोर्ट पीपीआर की अवधारणा से अवगत कराया। उन्होंने पीपीआर में समाहित बिंदुओं की समझ विकसित करने के लिए पीपीटी के माध्यम से नई शिक्षा नीति के परिपेक्ष्य में जानकारी दी। उन्होंने नैक ग्रेडिंग में उच्च स्थान प्राप्त करने के लिए एक अच्छा प्रतिवेदन तैयार करने के विविध पक्षों के बारे में जानकारी दी।

अध्यक्षीय उद्‌बोधन देते हुए निदेशक प्रबंधन अध्ययन प्रो. ओमजी गुप्ता ने प्रोजेक्ट रिपोर्ट की विशेषताओं की अवधारणा पर प्रकाश डाला।

प्रो. ओमजी गुप्ता

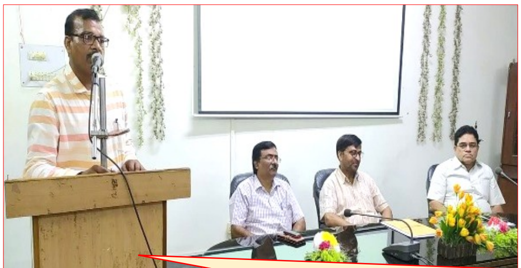

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए शिक्षण प्रशिक्षण प्रकोष्ठ के संयोजक प्रो. विनोद कुमार गुप्ता

मुक्त चिन्तन News Letter
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति ने उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री से की शिष्टाचार भेंट

माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी से शिष्टाचार भेंट करती हुई विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

दिनांक 2 सितंबर 2022 को उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी से उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने मुख्यमंत्री आवास, लखनऊ में शिष्टाचार भेंट की एवं विश्वविद्यालय की गतिविधियों से माननीय मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया।

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

मुक्त विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस के अवसर पर सम्मान समारोह का आयोजन

05 सितम्बर, 2022

विश्वविद्यालय के समस्त निदेशकों एवं आचार्यों द्वारा माननीया कुलपति का पुष्पगुच्छ से स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के समस्त निदेशकों एवं आचार्यगण तथा अंगवस्त्रम द्वारा माननीय कुलपति का सम्मान करती हुई विश्वविद्यालय की समस्त महिला शिक्षक

मुक्त चिन्तन

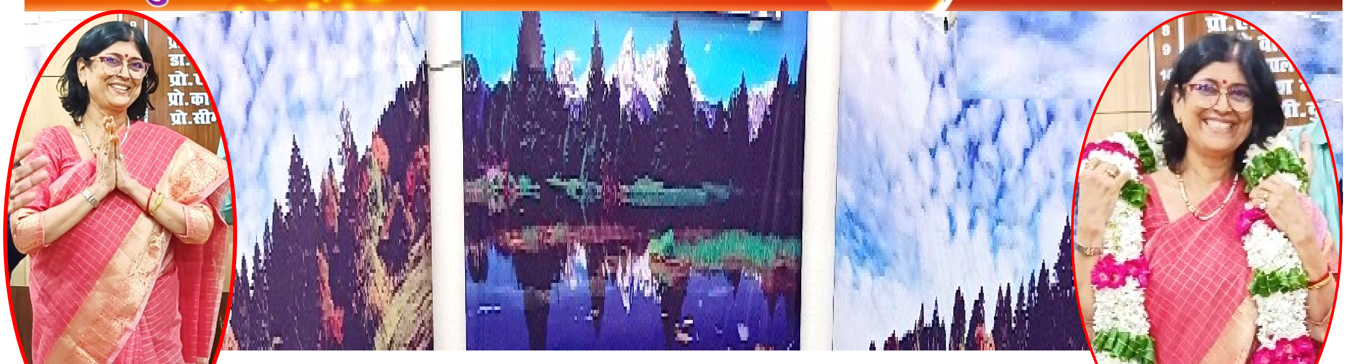

शिक्षक दिवस के अवसर पर मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने किया माननीया कुलपति का सम्मान

दिनांक 05 सितंबर 2022 को शिक्षक दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के गंगा परिषद के तत्वाधान में समस्त शिक्षकों द्वारा विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में विश्वविद्यालय के समस्त निदेशकों एवं आचार्यों द्वारा माननीया कुलपति का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। तत्पश्चात विश्वविद्यालय की समस्त महिला शिक्षकों ने अंगवस्त्रम द्वारा माननीय कुलपति का सम्मान किया।

सम्मान के इस क्रम में विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकों द्वारा एक विशाल और भव्य माला द्वारा माननीया कुलपति का माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। इसके बाद विश्वविद्यालय के समस्त सह–आचार्यों द्वारा माननीय कुलपति को स्मृति चिन्ह के रूप में वर्तमान में अयोध्या में निर्मित हो रहे श्री राम मंदिर का लघु रूप प्रदान किया गया।

इसी क्रम में विश्वविद्यालय के समस्त सहायक आचार्यों द्वारा माननीया कुलपति के सम्मान में प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। प्रशस्ति पत्र वाचन एवं कार्यक्रम संचालन डॉ. त्रिविक्रम तिवारी द्वारा किया गया। समस्त शिक्षकों द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम की समन्वयक डॉ श्रुति संयोजक डॉ आनंदानंद त्रिपाठी एवं आयोजन सचिव डॉ गौरव संकल्प रहे।

मुक्त चिन्तन

विशाल और भव्य माला द्वारा माननीया कुलपति का माल्यार्पण कर सम्मान करते हुए विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकगण

माननीया कुलपति जी को स्मृति चिन्ह के रूप में वर्तमान में अयोध्या में निर्मित हो रहे श्री राम मंदिर का लघु रूप प्रदान करते हुए विश्वविद्यालय के समस्त सह–आचार्यगण

प्रशस्ति पत्र वाचन करते हुए डॉ. त्रिविक्रम तिवारी

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को प्रशस्ति पत्र भेंट कर उनको सम्मानित करते हुए विश्वविद्यालय के समस्त सहायक आचार्यगण

मुक्त चिन्तन

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी के साथ ग्रुप फोटोग्राफी कराते हुए विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकगण

मुक्त चिन्तन

शिक्षक दिवस की कुछ अन्य झलकियां

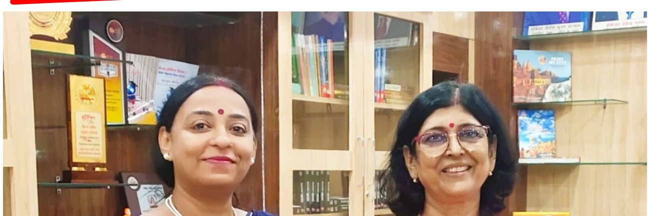

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी एवं मुख्य वक्ता प्रोफेसर एम.पी. तिवारी जी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों का अभिनंदन एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति में परिकल्पित शिक्षकों की भूमिका विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

आयोजित व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर एमपी तिवारी, पूर्व विभागाध्यक्ष विधि विभाग इलाहाबाद पीजी कॉलेज प्रयागराज रहे। विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की ।

पूर्व राष्ट्रपति और प्रकांड विद्वान एवं शिक्षाविद डॉ एस राधाकृष्णन की जयंती तथा शिक्षक पर्व के उपलक्ष्य में युवा मन के विकास एवं राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों के योगदान तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में इस कार्यक्रम का आयोजन मानविकी विद्या शाखा के तत्वाधान में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के संयोजक मानविकी विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने अतिथियों का स्वागत किया तथा विषय की जानकारी दी। संचालन डॉ अब्दुल रहमान तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्ता ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक एवं शिक्षक गण आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ अब्दुल रहमान एवं मंचासीन माननीय अतिथि

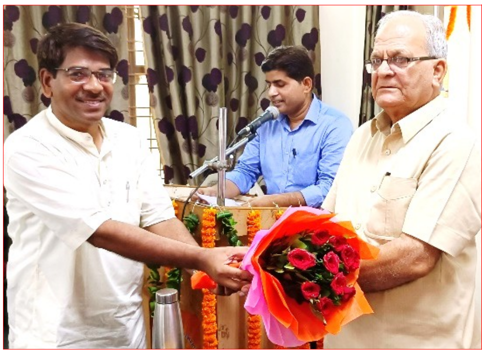

मुख्य वक्ता
प्रोफेसर एमपी तिवारी जी को
पुष्पगुच्छ
भेंट
कर
स्वागत
करते हुए
डॉ० सतीश चन्द्र जैसल

माननीया कुलपति
प्रोफेसर सीमा सिंह जी
को
पुष्पगुच्छ
भेंट
कर
स्वागत
करती हुई
डॉ० साधना श्रीवास्तव

प्रो. सत्यपाल तिवारी जी जी को पुष्पगुच्छ भेंट
कर स्वागत करते हुए
डॉ० शिवेन्द्र सिंह

मुक्त चिन्तन

माननीय अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के संयोजक मानविकी विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी

मुख्य वक्ता प्रोफेसर एमपी तिवारी जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित करते हुए प्रो. सत्यपाल तिवारी

प्रो. सत्यपाल तिवारी जी को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित करती हुई डॉ० स्मिता अग्रवाल

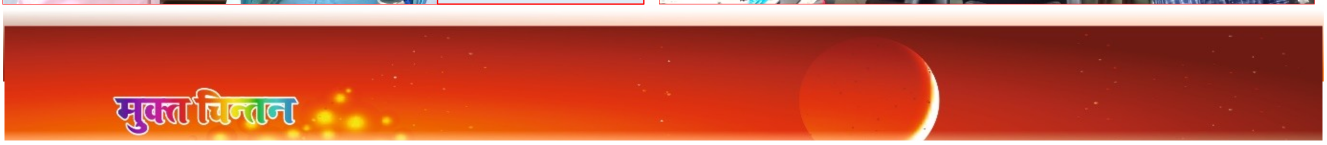

प्रोफेसर एम.पी. तिवारी

शिक्षक और शिक्षार्थी शिक्षण का जीवन बहुत महत्वपूर्ण है : प्रोफेसर तिवारी

मुख्य वक्ता प्रोफेसर एमपी तिवारी, पूर्व विभागाध्यक्ष, विधि विभाग, इलाहाबाद पीजी कॉलेज ने इस अवसर पर कहा कि शिक्षक और शिक्षार्थी शिक्षण का जीवन बहुत महत्वपूर्ण है। एक ऐसा ताना–बाना है जो जीवन में मार्गदर्शन देता है।

उन्होंने शिक्षार्थी और शिक्षक के आपसी संबंधों उदारता और मानवता के लक्ष्य के साथ ही नई शिक्षा नीति के संदर्भ में विस्तार पूर्वक चर्चा की। अध्यापन की बारीकियों को और जीवन की तकनीकी और वर्तमान चुनौतियों को जोड़ते हुए शिक्षा नीति को एक सार्थक पहल बताया।

मुक्त चिन्तन

शिक्षार्थी के जीवन में मानवीय मूल्यों का सृजन करें शिक्षक– प्रोफेसर सीमा सिंह

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने गुरु की महिमा का विस्तार से वर्णन किया। योग्य गुरु हमेशा शिष्यों को मार्गदर्शन देता रहता है। सीखना सिखाना जीवन पर्यंत प्रक्रिया है। जीवन के हर मोड़ पर कोई न कोई गुरु आपको मार्गदर्शन और हौसला देता रहता है।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि शिक्षक को अपने शिक्षार्थी के जीवन में हमेशा नवीनता एवं ज्ञान के साथ–साथ मानवीय मूल्यों का सृजन भी करना चाहिए।

शिक्षा नीति पर चर्चा करते हुए कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति कौशल और तकनीक पर आधारित है। यह निश्चय ही शिक्षार्थियों को भविष्य में रोजगार परक और अनुभवजन्य शिक्षा देने में कारगर सिद्ध होगी।

मुक्त चिन्तन

सम्मान समारोह

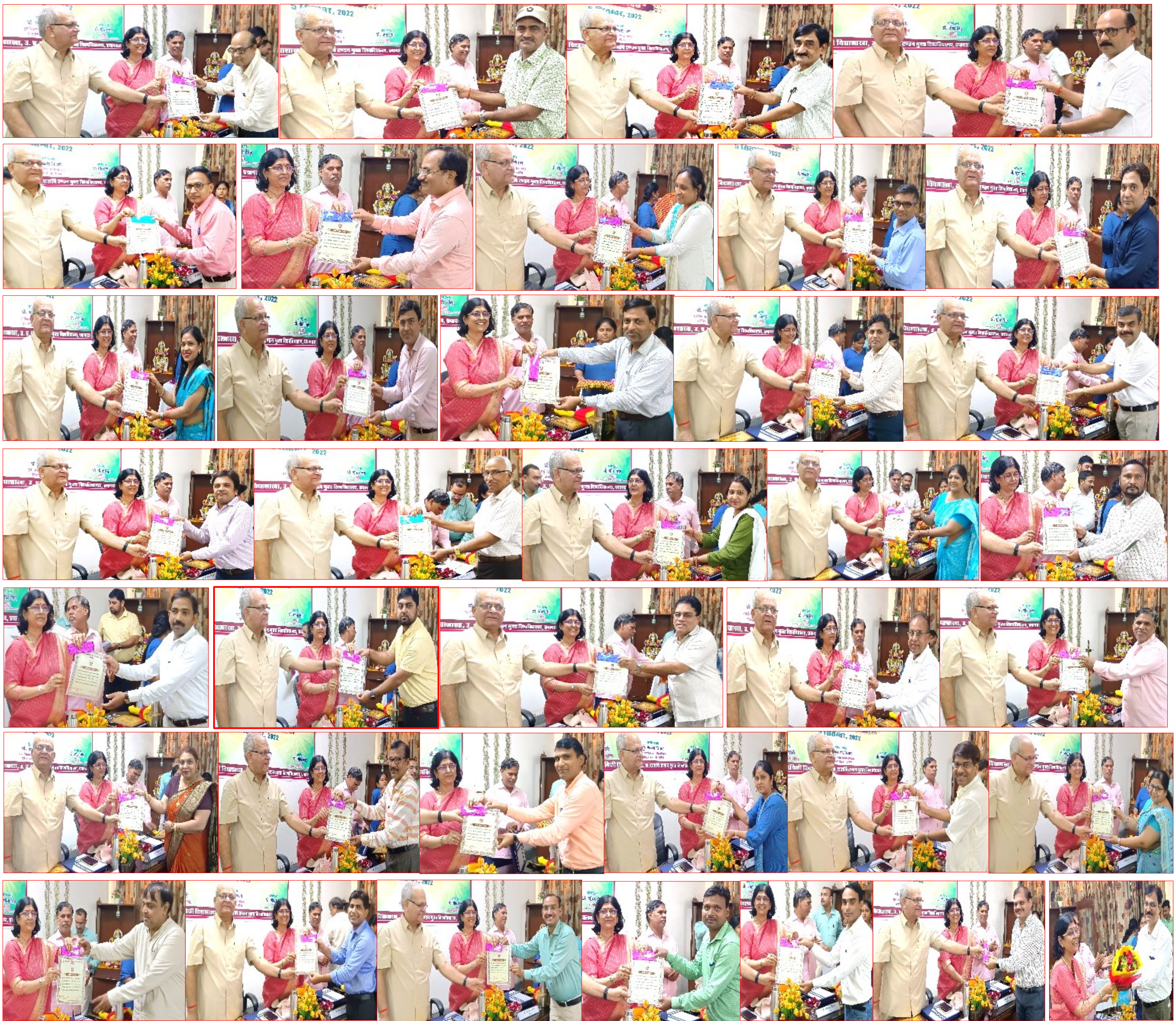

विश्वविद्यालय के शिक्षकों को सम्मानित करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी।

मुक्त चिन्तन

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्ता

राष्ट्रगान

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी के साथ ग्रुप फोटो में विश्वविद्यालय के शिक्षकगण

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

05 सितम्बर, 2022

मुक्त चिन्तन

क्षेत्रीय केन्द्र मेरठ

आज दिनांक 05 सितंबर 2022 को आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय की कुलपति महोदया माननीया प्रो. सीमा सिंह जी के निर्देशों के क्रम में **क्षेत्रीय केन्द्र मेरठ** पर शिक्षक दिवस मनाया गया। भारत में शिक्षक दिवस 5 सितंबर को डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। वह एक प्रसिद्ध विद्वान, भारत रत्न और देश के पहले उपराष्ट्रपति होने के साथ वह स्वतंत्र भारत के दूसरे राष्ट्रपति भी थे। उनका जन्म 5 सितंबर, 1888 को हुआ था। एक शिक्षाविद् के रूप में, वे संपादन के पैरोकार थे और एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद और सबसे बढ़कर एक महान शिक्षक थे। एक महान दार्शनिक और राजनेता, डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने भारत की शिक्षा प्रणाली को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर क्षेत्रीय केन्द्र मेरठ की क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 पूनम गर्ग, शिक्षक, गणमान्य नागरिक एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय केन्द्र मेरठ पर राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का आयोजन

आज दिनांक 05 सितंबर 2022 को आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में **क्षेत्रीय केन्द्र मेरठ** पर **'राष्ट्रीय पोषण सप्ताह'** के का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ क्षेत्रीय केन्द्र मेरठ की क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ. पूनम गर्ग ने किया। जिसमें डॉ निशा गुप्ता असिस्टेंट प्रोफ़ेसर गृह विज्ञान मुख्य वक्ता के रूप में छात्राओं को स्वास्थ्य और पोषण के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में डॉ मणि, श्री मिथिलेश कुमार, श्री आशीष पांडेय, श्री अमित जी एवं श्रीमती कविता जी आदि उपस्थित रही।

क्षेत्रीय केन्द्र आगरा

आज दिनांक 05 सितंबर 2022 को आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय की कुलपति महोदया माननीया प्रो. सीमा सिंह जी के निर्देशों के क्रम मे क्षेत्रीय केन्द्र आगरा में शिक्षक दिवस मनाया गया। भारत में शिक्षक दिवस 5 सितंबर को डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। कार्यक्रम ने क्षेत्रीय केन्द्र आगरा की क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ. रेखा सिंह एवं कर्मचारियों ने माल्यार्पण किया।

क्षेत्रीय केन्द्र प्रयागराज

आज दिनांक 05 सितंबर 2022 को आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय की कुलपति महोदया माननीया प्रो. सीमा सिंह जी के निर्देशों के क्रम मे क्षेत्रीय केन्द्र प्रयागराज में शिक्षक दिवस मनाया गया। भारत में शिक्षक दिवस 5 सितंबर को डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। कार्यक्रम ने क्षेत्रीय केन्द्र प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ. अभिषेक सिंह एवं कर्मचारियों ने माल्यार्पण किया।

क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या

आज दिनांक 05 सितंबर 2022 को आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय की कुलपति महोदया माननीया प्रो. सीमा सिंह जी के निर्देशों के क्रम मे क्षेत्रीय केन्द अयोध्या में शिक्षक दिवस मनाया गया। भारत में शिक्षक दिवस 5 सितंबर को डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। कार्यक्रम ने क्षेत्रीय केन्द अयोध्या के क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ. शशि भूषण राम त्रिपाठी एवं कर्मचारियों ने माल्यार्पण किया।

क्षेत्रीय केन्द्र वाराणसी

आज दिनांक 05 सितंबर 2022 को आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय की कुलपति महोदया माननीया प्रो. सीमा सिंह जी के निर्देशों के क्रम मे क्षेत्रीय केन्द वाराणसी में शिक्षक दिवस मनाया गया। भारत में शिक्षक दिवस 5 सितंबर को डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। कार्यक्रम ने क्षेत्रीय केन्द वाराणसी के क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ. एस.के. सिंह एवं कर्मचारियों ने माल्यार्पण किया।

क्षेत्रीय केंद्र नोएडा

दिनांक 05 सितंबर 2022 को को क्षेत्रीय कार्यालय नोएडा में डॉ0 सर्वपल्ली राधा कृष्णन जी का जन्म दिवस शिक्षक दिवस के रूप में मनाया गया। डॉ0 ज्योति एसोसिएट प्रोफेसर कॉमर्स एल आर कॉलिजएसाहिबाबाद ने दीप प्रज्वलन करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया।इस अवसर पर मुरलीधर सरस्वती विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य श्री रामकुमार जी ने मुख्य वक्ता के रूप में डॉ० सर्वपल्ली राधा कृष्णन जी के प्रेरणादायक अनुकरणीय विचारों को प्रस्तुत किया और जीवन में सभी को आगे बढ़ते रहने के लिए शुभकामनाएँ दी। क्षेत्रीय समन्वय डॉ० कविता त्यागी ने धन्यवाद ज्ञापन करके कार्यक्रम का समापन किया।

शिक्षार्थी के जीवन में मानवीय मूल्यों का सृजन करें शिक्षकः प्रो सीमा सिंह

मुक्त विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस समारोह आयोजित

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों का अभिनंदन एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति में परिकल्पित शिक्षकों की भूमिका विषय पर व्याख्यान हुआ। मुख्य वक्ता प्रोफेसर एम पी तिवारी पूर्व विभागाध्यक्ष विधि विभाग इलाहाबाद पीजी कॉलेज प्रयागराज रहे। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो सीमा सिंह ने की। पूर्व राष्ट्रपति और प्रकांड विद्वान एवं शिक्षाविद डा एस राधाकृष्णन की जयंती तथा शिक्षक पर्व के उपलक्ष्य में युवा मन के विकास एवं राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों के योगदान तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में कार्यक्रम का आयोजन मानविकी विद्या शाखा के तत्वावधान में आयोजित हुआ। प्रो एमपी तिवारी ने कहा कि शिक्षक और शिक्षार्थी शिक्षण का जीवन बहुत महत्वपूर्ण है। एक ऐसा ताना बाना है जो जीवन में मार्गदर्शन देता है। उन्होंने शिक्षार्थी और शिक्षक के आपसी संबंधों उदारता और मानवता के लक्ष्य के साथ ही नई शिक्षा नीति के संदर्भ में विस्तार पूर्वक चर्चा की। अध्यापन की बारीकियों को और जीवन की तकनीकी और वर्तमान चुनौतियों को जोड़ते हुए शिक्षा नीति को एक सार्थक पहल बताया। अध्यक्षता कर रहीं विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सीमा सिंह ने गुरु की महिमा का विस्तार से वर्णन किया। योग्य गुरु

traffic tail
आज ही बनवाए अपनी न्यूज़ वेबसाईट
STARTING @ RS. 3999
CALL NOW : 8770247277
KNOW MORE

शिक्षार्थी के जीवन में मानवीय मूल्यों का सृजन करें शिक्षक- प्रोफेसर सीमा सिंह।

atsamachar | September 5, 2022 | 6:16 pm

मुक्त विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस समारोह का हुआ आयोजन।

प्रयागराज,यूपी: उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों का अभिनंदन एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति में परिकल्पित शिक्षकों की भूमिका विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

शिक्षार्थी के जीवन में मानवीय मूल्यों का सृजन करें शिक्षक- प्रोफेसर सीमा

– मुक्त विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन

तालमेल एक्सप्रेस

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों का अभिनंदन एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति में परिकल्पित शिक्षकों की भूमिका विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। आयोजित व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर एमपी तिवारी, पूर्व विभागाध्यक्ष विधि विभाग इलाहाबाद पीजी कॉलेज प्रयागराज रहे। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की । पूर्व राष्ट्रपति और प्रकांड विद्वान एवं शिक्षाविद डॉ एस राधाकृष्णन की जयंती तथा शिक्षक पर्व के उपलक्ष्य में युवा मन के विकास एवं राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों के योगदान तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में इस कार्यक्रम का आयोजन मानविकी विद्या शाखा के तत्वाधान में आयोजित किया गया ।

मुख्य वक्ता प्रोफेसर एमपी तिवारी, पूर्व विभागाध्यक्ष, विधि विभाग, इलाहाबाद पीजी कॉलेज ने इस अवसर पर कहा कि शिक्षक और शिक्षार्थी शिक्षण का जीवन बहुत महत्वपूर्ण है। एक ऐसा ताना–बाना है जो जीवन में मार्गदर्शन देता है।

उन्होंने शिक्षार्थी और शिक्षक के आपसी संबंधों उदारता और मानवता के लक्ष्य के साथ ही नई शिक्षा नीति के संदर्भ में विस्तार पूर्वक चर्चा की। अध्यापन की बारीकियों को और जीवन की तकनीकी और वर्तमान चुनौतियों को जोड़ते हुए शिक्षा नीति को एक सार्थक पहल बताया। अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने गुरु की महिमा का विस्तार से वर्णन किया। योग्य गुरु हमेशा शिष्यों को मार्गदर्शन देता रहता है। सीखना सिखाना जीवन पर्यंत प्रक्रिया है। जीवन के हर मोड़ पर कोई न कोई गुरु आपको मार्गदर्शन और हौसला देता रहता है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि शिक्षक को अपने शिक्षार्थी के जीवन में हमेशा नवीनता एवं ज्ञान के साथ–साथ मानवीय मूल्यों का सृजन भी करना चाहिए।शिक्षा नीति पर चर्चा करते हुए कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति कौशल और तकनीक पर आधारित है। यह निश्चय ही शिक्षार्थियों को भविष्य में रोजगार परक और अनुभवजन्य शिक्षा देने में कारगर सिद्ध होगी। कार्यक्रम के संयोजक मानविकी विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने अतिथियों का स्वागत किया तथा विषय की जानकारी दी।संचालन डॉ अब्दुल रहमान तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्ता ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक एवं शिक्षक गण आदि उपस्थित रहे।

मुख्य वक्ता प्रोफेसर एमपी तिवारी, पूर्व विभागाध्यक्ष, विधि विभाग, इलाहाबाद पीजी कॉलेज ने इस अवसर पर कहा कि शिक्षक और शिक्षार्थी शिक्षण का जीवन बहुत महत्वपूर्ण है। एक ऐसा ताना-बाना है जो जीवन में मार्गदर्शन देता है।

उन्होंने शिक्षार्थी और शिक्षक के आपसी संबंधों उदारता और मानवता के लक्ष्य के साथ ही नई शिक्षा नीति के संदर्भ में विस्तार पूर्वक चर्चा की। अध्यापन की बारीकियों को और जीवन की तकनीकी और वर्तमान चुनौतियों को जोड़ते हुए शिक्षा नीति को एक सार्थक पहल बताया।

अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने गुरु की महिमा का विस्तार से वर्णन किया। योग्य गुरु हमेशा शिष्यों को मार्गदर्शन देता रहता है। सीखना सिखाना जीवन पर्यंत प्रक्रिया है। जीवन के हर मोड़ पर कोई न कोई गुरु आपको मार्गदर्शन और हौसला देता रहता है।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि शिक्षक को अपने शिक्षार्थी के जीवन में हमेशा नवीनता एवं ज्ञान के साथ-साथ मानवीय मूल्यों का सृजन भी करना चाहिए।

शिक्षा नीति पर चर्चा करते हुए कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति कौशल और तकनीक पर आधारित है। यह निश्चय ही शिक्षार्थियों को भविष्य में रोजगार परक और

छात्रों के जीवन में मानवीय मूल्यों का सृजन करें शिक्षक- प्रोफेसर सीमा सिंह

मुक्त विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन

सहज समाचार प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों का अभिनंदन एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति में परिकल्पित शिक्षकों की भूमिका विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

आयोजित व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर एमपी तिवारी, पूर्व विभागाध्यक्ष विधि विभाग इलाहाबाद पीजी कॉलेज प्रयागराज रहे। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की ।

पूर्व राष्ट्रपति और प्रकांड विद्वान एवं शिक्षाविद डॉ एस राधाकृष्णन की जयंती तथा शिक्षक पर्व के उपलक्ष्य में युवा मन के विकास एवं राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों के योगदान तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में इस कार्यक्रम का आयोजन मानविकी विद्या शाखा के तत्वाधान में आयोजित किया गया ।

मुख्य वक्ता प्रोफेसर एमपी तिवारी, पूर्व विभागाध्यक्ष, विधि विभाग, इलाहाबाद पीजी कॉलेज ने इस अवसर पर कहा कि शिक्षक और शिक्षार्थी शिक्षण का जीवन बहुत महत्वपूर्ण है। एक ऐसा ताना–बाना है जो जीवन में मार्गदर्शन देता है।

उन्होंने शिक्षार्थी और शिक्षक के आपसी संबंधों उदारता और पूर्वक चर्चा की। अध्यापन की बारीकियों को और जीवन की तकनीकी और वर्तमान चुनौतियों को जोड़ते हुए शिक्षा नीति को एक सार्थक पहल बताया।

अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने गुरु की महिमा का विस्तार से वर्णन किया। योग्य गुरु हमेशा शिष्यों को मार्गदर्शन देता रहता है। सीखना सिखाना जीवन पर्यंत प्रक्रिया है। जीवन के हर मोड़ पर कोई न कोई गुरु आपको मार्गदर्शन और हौसला देता रहता है।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि शिक्षक को अपने शिक्षार्थी के जीवन में हमेशा नवीनता एवं ज्ञान के साथ–साथ मानवीय मूल्यों का सृजन भी करना चाहिए।

शिक्षा नीति पर चर्चा करते हुए कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति कौशल और तकनीक पर आधारित है। यह निश्चय ही शिक्षार्थियों को भविष्य में रोजगार परक और अनुभवजन्य शिक्षा देने में कारगर सिद्ध होगी।

कार्यक्रम के संयोजक मानविकी विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने अतिथियों का स्वागत किया तथा विषय की जानकारी दी।

संचालन डॉ अब्दुल रहमान तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्ता ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक एवं शिक्षक गण आदि उपस्थित रहे।

शिक्षार्थी के जीवन में मानवीय मूल्यों का सृजन करें शिक्षक : प्रो0 सीमा सिंह

जनसंदेश न्यूज

शिक्षक दिवस पर प्रो0 सीमा सिंह को किया गया सम्मानित

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों का अभिनंदन एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति में परिकल्पित शिक्षकों की भूमिका विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। आयोजित व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर एमपी तिवारी, पूर्व विभागाध्यक्ष विधि विभाग इलाहाबाद पीजी कॉलेज प्रयागराज रहे। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की ।

पूर्व राष्ट्रपति और प्रकांड विद्वान एवं शिक्षाविद डॉ एस राधाकृष्णन की जयंती तथा शिक्षक पर्व के उपलक्ष्य में युवा मन के विकास एवं राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों के योगदान तथा राष्ट्रीय

एमपी तिवारी, पूर्व विभागाध्यक्ष, विधि विभाग, इलाहाबाद पीजी कॉलेज ने इस अवसर पर कहा कि शिक्षक और शिक्षार्थी शिक्षण का जीवन बहुत महत्वपूर्ण है। एक ऐसा ताना.बाना है जो जीवन में मार्गदर्शन देता है।

अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने

जीवन के हर मोड़ पर कोई न कोई गुरु आपको मार्गदर्शन और हौसला देता रहता है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि शिक्षक को अपने शिक्षार्थी के जीवन में हमेशा नवीनता एवं ज्ञान के साथ.साथ मानवीय मूल्यों का सृजन भी करना चाहिए।

संचालन डॉ अब्दुल रहमान तथा

प्रयागराज 3
अमृत प्रभात
प्रयागराज, मंगलवार 6 सितम्बर 2022

शिक्षक दिवसः राजेश शु

कौड़िहार (क्षेत्रीय संवाददाता)। विकास खण्ड कौड़ि विद्यालय दुबरा जगदीशपुर में प्रधानाध्यापिका मीनाक्षी प के अवसर पर सेवानिवृत्त सुखदेव प्रसाद मौर्य एवं उ बुदौना के स. अ. राजेश शुक्ला, उच्च प्राथमि स.अ. अनीता सोनकर प्राथमिक विद्यालय कुमारी, स. अ. राजेंद्र प्रसाद को सम्म क्रम में जगदीशपुर के समस्त स्ट स्तर खेल कूद कबड्डी प्रतिये को भी सम्मानित किय

ब्रीफ न्यूज

मेडिकल परीक्षण के लिये हों उपस्थित

प्रयागराज (नि.सं.)। शोध 2021 के ऐसे छात्र, छात्रायें जो दिव्यांग कोटे के अन्तर्गत प्रवेश लेना चाहते हैं और क्रेट 2021 में सफल घोषित किये गये हैं, उन छात्र, छात्राओं को विवि प्रशासन द्वारा अवगत कराया गया है कि वह 9 सितम्बर को अपरान्ह 2 बजे मेडिकल परीक्षण के लिये डीन विद्यार्थी कल्याण कार्यालय में मूल प्रमाण पत्रों के साथ मेडिकल बोर्ड के समक्ष उपस्थित हों।

10 तक जमा करें आवेदन फार्म

प्रयागराज (नि.सं.)। परीक्षा नियत्रंक, इ0वि0वि0 के मुताबिक बी0ए0एल0एल0बी0 आनर्स दशवां सेमेस्टर सत्र 2021-22 के छात्र, छात्राओं को सूचित किया गया है कि जो परीक्षार्थी द्वितीय परीक्षा के लिए अर्ह हैं, वह निर्धारित प्रक्रिया के तहत अपना शुल्क एवं आवेदन फार्म 5 से

मुक्त विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन

शिक्षार्थी के जीवन में मानवीय मूल्यों का सृजन करें शिक्षकः प्रो. सीमा सिंह

प्रयागराज (नि.सं.)

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों का अभिनंदन एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति में परिकल्पित शिक्षकों की भूमिका विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। आयोजित व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर एमपी तिवारी, पूर्व विभागाध्यक्ष विधि विभाग इलाहाबाद पीजी कॉलेज प्रयागराज रहे। कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। पूर्व राष्ट्रपति और प्रकांड विद्वान एवं शिक्षाविद डॉ. एस. राधाकृष्णन की जयंती तथा शिक्षक पर्व के

शिक्षार्थी शिक्षण का जीवन बहुत महत्वपूर्ण

मुख्य वक्ता प्रोफेसर एमपी तिवारी, पूर्व विभागाध्यक्ष, विधि विभाग, इलाहाबाद पीजी कॉलेज ने इस अवसर पर कहा कि शिक्षक और शिक्षार्थी शिक्षण का

गुरु हमेशा शिष्यों को मार्गदर्शन देता रहता है

योग्य गुरु हमेशा शिष्यों को मार्गदर्शन देता रहता है। सीखना सिखाना जीवन पर्यंत प्रक्रिया है। जीवन के हर मोड़ पर कोई न कोई गुरु आपको मार्गदर्शन और हौसला देता रहता है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि शिक्षक को अपने शिक्षार्थी के जीवन में हमेशा नवीनता एवं ज्ञान के साथ-साथ मानवीय मूल्यों का सृजन भी करना चाहिए। शिक्षा नीति पर चर्चा करते हुए कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति कौशल और तकनीक पर आधारित है। यह निश्चय ही शिक्षार्थियों को भविष्य में रोजगार परक और अनुभवजन्य शिक्षा देने में कारगर

लखनऊ, मंगलवार 6 सितंबर 2022 क्षेत्रीय/राज्यीय 2

शिक्षार्थी के जीवन में मानवीय मूल्यों का सृजन करें शिक्षक: प्रोफेसर सीमा सिंह

द टाइम्स संवाददाता

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों का अभिनंदन एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति में परिकल्पित शिक्षकों की भूमिका विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

आयोजित व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर एमपी तिवारी, पूर्व विभागाध्यक्ष विधि विभाग इलाहाबाद पीजी कॉलेज प्रयागराज रहे। कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।पूर्व राष्ट्रपति और प्रकांड विद्वान एवं शिक्षाविद डॉ एस राधाकृष्णन की जयंती तथा शिक्षक पर्व के उपलक्ष्य में युवा मन के विकास एवं राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों के योगदान तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में इस कार्यक्रम का आयोजन मानविकी विद्या शाखा के तत्वाधान में आयोजित किया गया ।

मुख्य वक्ता प्रोफेसर एमपी तिवारी, पूर्व विभागाध्यक्ष, विधि विभाग, इलाहाबाद पीजी कॉलेज ने इस अवसर पर कहा कि शिक्षक और शिक्षार्थी शिक्षण का जीवन बहुत महत्वपूर्ण है। एक ऐसा ताना-बाना है जो जीवन में मार्गदर्शन देता है।

उन्होंने शिक्षार्थी और शिक्षक के आपसी संबंधों उदारता और मानवता के लक्ष्य के साथ ही नई शिक्षा नीति के संदर्भ में विस्तार पूर्वक चर्चा की। अध्यापन की बारीकियों को और जीवन की तकनीकी और वर्तमान चुनौतियों को जोड़ते हुए शिक्षा नीति को एक सार्थक पहल बताया।

अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने गुरु की महिमा का विस्तार से वर्णन किया। योग्य गुरु हमेशा शिष्यों को मार्गदर्शन देता रहता है। सीखना सिखाना जीवन पर्यंत प्रक्रिया है। जीवन के हर मोड़ पर कोई न कोई गुरु आपको मार्गदर्शन और हौसला देता रहता है। प्रोफ़ेसर सिंह ने कहा कि शिक्षक को अपने शिक्षार्थी के जीवन में हमेशा नवीनता एवं ज्ञान के साथ-साथ मानवीय मूल्यों का सृजन भी करना चाहिए।

शिक्षा नीति पर चर्चा करते हुए कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति कौशल और तकनीक पर आधारित है। यह निश्चय ही शिक्षार्थियों को भविष्य में रोजगार परक और अनुभवजन्य शिक्षा देने में कारगर सिद्ध होगी।

कार्यक्रम के संयोजक मानविकी विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने अतिथियों का स्वागत किया तथा विषय की जानकारी दी।

संचालन डॉ अब्दुल रहमान तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रोफ़ेसर विनोद कुमार गुप्ता ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक एवं शिक्षक गण आदि उपस्थित रहे।

Fix file download er... Downloads

शिक्षार्थी के जीवन में मानवीय मूल्यों का सृजन करें शिक्षक: प्रोफेसर सीमा सिंह

By IPK Desk - September 5, 2022

ARSHA MADHAV RESIDENCY Khushiyon ka rasta.... 1&2 BHK FLATS POSSESSION SOON 24.15 Lac onwards Near Kisan Path, Chinhat, Lucknow LDA Approved Home Loan Available* 8795832590

प्रयागराज: उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों का अभिनंदन एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति में परिकल्पित शिक्षकों की भूमिका विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। आयोजित व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर एमपी तिवारी, पूर्व विभागाध्यक्ष विधि विभाग इलाहाबाद पीजी कॉलेज प्रयागराज रहे। कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

पूर्व राष्ट्रपति और प्रकांड विद्वान एवं शिक्षाविद डॉ एस राधाकृष्णन की जयंती तथा शिक्षक पर्व के उपलक्ष्य में युवा मन के विकास एवं राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों के योगदान तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में इस कार्यक्रम का आयोजन मानविकी विद्या शाखा के तत्वाधान में आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता प्रोफेसर एमपी तिवारी, पूर्व विभागाध्यक्ष, विधि विभाग, इलाहाबाद पीजी कॉलेज ने इस अवसर पर कहा कि शिक्षक और शिक्षार्थी शिक्षण का जीवन बहुत महत्वपूर्ण है। एक ऐसा ताना-बाना है जो जीवन में मार्गदर्शन देता है। उन्होंने शिक्षार्थी और शिक्षक के आपसी संबंधों उदारता और मानवता के लक्ष्य के साथ ही नई शिक्षा नीति के संदर्भ में विस्तार पूर्वक चर्चा की। अध्यापन की बारीकियों को और जीवन की तकनीकी और वर्तमान चुनौतियों को जोड़ते हुए शिक्षा नीति को एक सार्थक पहल बताया।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज
॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥
मुक्त चिन्तन
News Letter
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन
06 सितम्बर, 2022

मुक्त विश्वविद्यालय में हुई आभासीय संगोष्ठी

माननीय कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

मुख्य वक्ता प्रोफेसर प्रेम शंकर राम

मुख्य अतिथि प्रोफेसर धनंजय यादव

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के शिक्षा विद्या शाखा के तत्वावधान में मंगलवार दिनांक 06 सितम्बर, 2022 को **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं शिक्षा शिक्षक** विषय पर आभासीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उक्त वेबिनार के मुख्य वक्ता प्रोफेसर प्रेम शंकर राम, शिक्षा संकाय, बीएचयू, वाराणसी तथा मुख्य अतिथि प्रोफेसर धनंजय यादव, विभागाध्यक्ष शिक्षा विभाग, इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागराज रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने की।

इससे पूर्व प्रोफेसर पी के स्टालिन, निदेशक, शिक्षा विद्या शाखा ने अतिथियों का स्वागत तथा प्रोफेसर छत्रसाल सिंह ने विषय प्रवर्तन किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ दिनेश सिंह तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ गिरीश कुमार द्विवेदी ने किया। इस आभासीय संगोष्ठी में विश्वविद्यालय के सभी निदेशक, आचार्य, सह आचार्य, सहायक आचार्य, विश्वविद्यालय के सभी क्षेत्रीय कार्यालयों के समन्वयकों व विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

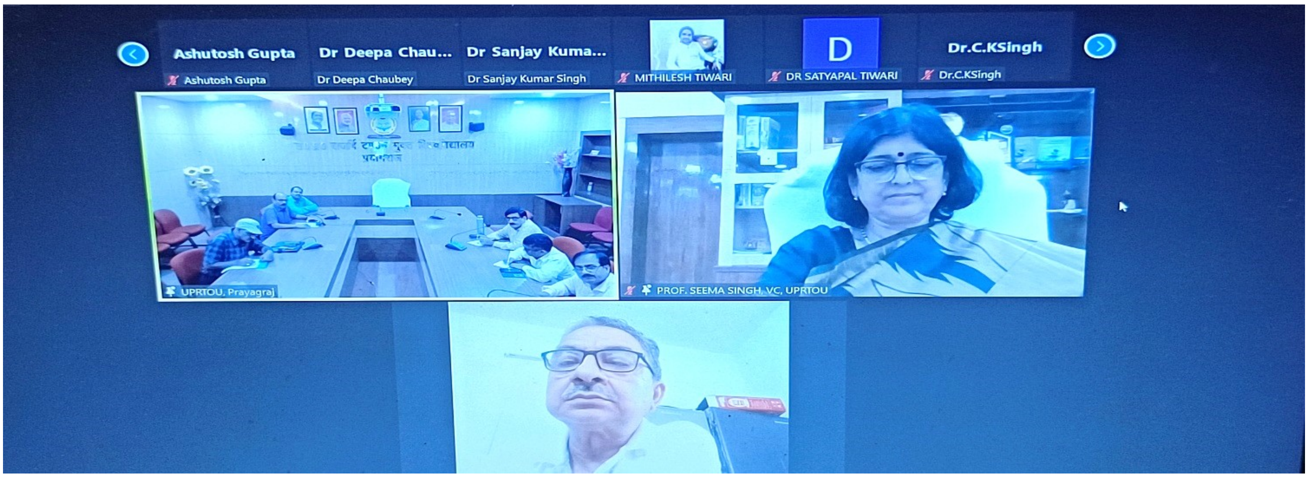

संचालन करते हुए एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा विद्याशाखा, डॉ0 दिनेश सिंह

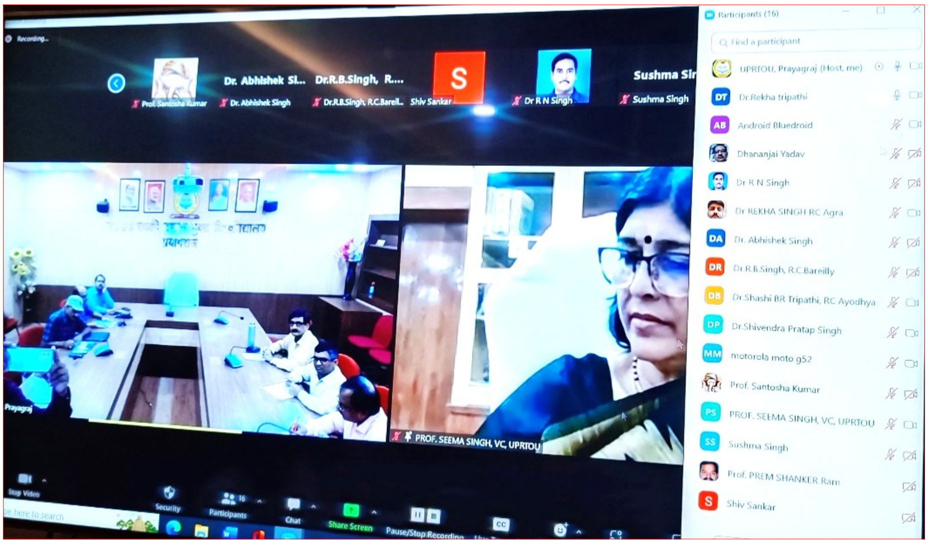

माननीय अतिथियों का स्वागत करते हुए निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा, प्रो0 प्रशांत कुमार स्टालिन

विषय प्रवर्तन करते हुए शिक्षा विद्याशाखा के प्रो0 छत्रसाल सिंह

मुक्त चिन्तन

समाज के निर्माण में शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका है : प्रोफेसर प्रेम शंकर

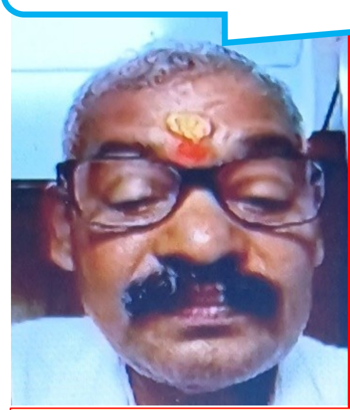

मुख्य वक्ता प्रोफेसर प्रेम शंकर राम

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रोफेसर प्रेम शंकर राम, शिक्षा संकाय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा सर्वश्रेष्ठ धन है। शिक्षा के द्वारा अच्छे राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। समाज के निर्माण की प्रक्रिया में शिक्षक की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जिस प्रकार कुम्हार बर्तन बनाते समय मिट्टी को गढ़ गढ़ कर उसको आकार देते हुए उसका अलंकरण करता है उसी प्रकार एक शिक्षक शिक्षार्थी के तमाम पहलुओं से अवगत होते हुए आवश्यकतानुसार बालक में सुधार एवं बदलाव लाने का प्रयास करता है। उन्होंने कहा कि आज प्राथमिक शिक्षा पर बल देने की आवश्यकता है।

समावेशी समाज से ही आएगी समानता– प्रोफेसर धनंजय यादवयादव

माननीय कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

छात्रों की अंतर्निहित शक्तियों को पहचानने वाला ही शिक्षक– प्रोफेसर सीमा सिंह

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि शिक्षा प्रक्रिया में शिक्षक का स्थान बहुत महत्वपूर्ण है। शिक्षक

समावेशी समाज से ही आएगी समानताः प्रो. धनंजय

- छात्रों की अंतर्निहित शक्तियों को पहचानने वाला ही शिक्षकरू प्रो सीमा सिंह
- मुक्त विश्वविद्यालय में हुई आभासीय संगोष्ठी

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के शिक्षा विद्या शाखा के तत्वावधान में मंगलवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं शिक्षा शिक्षक विषय पर आभासीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि प्रोफेसर धनंजय यादव विभागाध्यक्ष शिक्षाशास्त्र विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रयागराज ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं शिक्षा शिक्षक विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में सभी लोगों की आवश्यकता को देखते हुए समावेशी शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में राष्ट्रीयता की भावना के तहत मेक इन इंडिया को महत्व दिया गया है। उन्होंने कहा कि किसी देश का या समाज का विकास तभी माना जा सकता है। जब तक उसमें रहने वाले सभी लोगों को समान अवसर समानता के साथ प्रदान किया जाए। इसके लिए समाज का समावेशी होना अति आवश्यक है। प्रो यादव ने बालक केंद्रित शिक्षा पर बल देते हुए कहा कि बालकों के सभी पक्षों का आकलन करते हुए उनकी रुचि के अनुसार उन्हें अपने कार्य क्षेत्र का चुनाव करने का अवसर दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बालक बालिकाओं को कौशल युक्त व्यावसायिक शिक्षा दिए जाने की आवश्यकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो सीमा सिंह ने कहा कि शिक्षण प्रक्रिया में शिक्षक का स्थान बहुत महत्वपूर्ण है। शिक्षक ही वह व्यक्ति है जो अपने छात्र की अंतर्निहित शक्तियों को पहचानते हुए आकार देता है और उसको एक काबिल इंसान बनाता है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा अधिनियम 2020 शिक्षा के सभी तथ्यों का ध्यान रखते हुए बनाया गया है। इसमें शिक्षकों को जहां आधुनिक प्रणाली से अवगत होने का मौका मिलेगा वहीं तकनीकी शिक्षा का प्रयोग करते हुए शिक्षा प्रदान की जाएगी।

संगोष्ठी में हिस्सा लेते अतिथि और कुलपति प्रो सीमा सिंह।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो प्रेम शंकर राम शिक्षा संकाय बनारस हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी ने डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा सर्वश्रेष्ठ धन है। शिक्षा द्वारा अच्छे राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। समाज के निर्माण की प्रक्रिया में शिक्षक की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जिस प्रकार कुम्हार बर्तन बनाते समय मिट्टी को गढ़ गढ़ कर उसको आकार देते हुए उसका अलंकरण करता है। उसी प्रकार एक शिक्षक शिक्षार्थी के तमाम पहलुओं से अवगत होते हुए आवश्यकतानुसार बालक में सुधार एवं बदलाव लाने का प्रयास करता है। उन्होंने कहा कि आज प्राथमिक शिक्षा पर बल देने की आवश्यकता है। इससे पूर्व प्रोफेसर पी के स्टालिन निदेशक शिक्षा विद्या शाखा ने अतिथियों का स्वागत तथा प्रो छत्रसाल सिंह ने विषय प्रवर्तन किया। कार्यक्रम का संचालन डा दिनेश सिंह तथा धन्यवाद ज्ञापन डा गिरीश कुमार द्विवेदी ने किया। आभासीय संगोष्ठी में विश्वविद्यालय के सभी निदेशक आचार्य सह आचार्य सहायक आचार्य विश्वविद्यालय के सभी क्षेत्रीय कार्यालयों के समन्वयकों और विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

दैनिक जागरण

समावेशी समाज से ही आएगी समानता : प्रो. धनंजय

जासं, प्रयागराज: उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में मंगलवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं शिक्षा शिक्षक विषय पर आभासीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इवि के शिक्षाशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. धनंजय यादव ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में सभी लोगों की आवश्यकता को देखते हुए समावेशी शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया है। किसी देश या समाज का विकास तभी माना जा सकता है, जब उसमें रहने वाले सभी लोगों को समान अवसर समानता के साथ प्रदान किए जाएं। इसके लिए समाज का समावेशी होना अति आवश्यक है। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि शिक्षण प्रक्रिया में शिक्षक का स्थान बहुत महत्वपूर्ण है। मुख्य वक्ता बीएचयू के प्रो. प्रेम शंकर राम ने कहा कि शिक्षा सर्वश्रेष्ठ धन है। शिक्षा के द्वारा अच्छे राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है।

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

06 एवं 07 सितम्बर, 2022

मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्रों पर राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का आयोजन

दिनॉक 06 सितम्बर, 2022 को **क्षेत्रीय केन्द्र नोएडा में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह** का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सहभागियों को बताया गया कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। शरीर स्वस्थ तभी हो सकता है, जब शरीर को पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्वों की आपूर्ति हो पाए। शरीर और मस्तिष्क को स्वस्थ रखने के लिए पोषक तत्वों और पुष्ट आहार का महत्व विस्तार से बताया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय केन्द्र नोएडा की समन्वयक डॉ0 कविता त्यागी, छात्रायें आदि उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ

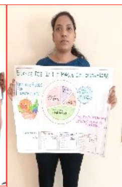

प्रो यू. वी. किरण को पौधा भेंट करती हुई डॉ0 निराजंली सिन्हा

कार्यक्रम में बोलती हुई प्रो यू. वी. किरण

धन्यवाद ज्ञापित करती हुई डॉ0 अलका वर्मा

क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ में **राष्ट्रीय पोषण सप्ताह** 01सितंबर से 07 सितंबर, 2022 तक मनाए जाने के संदर्भ में छात्रों द्वारा पोस्टर और स्लोगन बनाये गए। एवम आज 07 सितंबर, 2022 को बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय की गृह विज्ञान विभाग की प्रो यू. वी. किरण ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया जिसका विषय था Eat right for a healthy body and mind. कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती जी प्रतिमा पर माल्यार्पण एवम दीप प्रज्वलन कर किया गया।
प्रो किरण ने अपने व्याख्यान को रोचक बनाने के लिए पोस्टर्स के माध्यम से शरीर के लिए आवश्यक विटामिन्स, प्रोटीन आदि के बारे में अहम जानकारी दी। छात्रों द्वारा पोषण से संबंधित प्रश्न भी पूछे गए। क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ की समन्वयक डॉ0 निराजंली सिन्हा ने स्वागत किया तथा डॉ अलका वर्मा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। श्री संजय कुमार आयोजक रहे। क्षेत्रीय केंद्र के समस्त कर्मचारियो ने इस कार्यक्रम में प्रतिभागिता की।

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥
07 सितम्बर, 2022
मुक्त चिन्तन

भारतीय ज्ञान प्रणाली शिक्षकों की भूमिका पर भव्य प्रदर्शनी का आयोजन

फीता खोलकर प्रदर्शनी का उद्घाटन करती हुई विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

मुक्त विश्वविद्यालय में शोध छात्रों ने लगाई प्रदर्शनी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में बुधवार दिनांक 07 सितम्बर, 2022 को समाज विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में **'शिक्षक पर्व'** के अनुक्रम में **'भारतीय ज्ञान प्रणाली में शिक्षकों की भूमिका'** विषय पर भव्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने किया। यह प्रदर्शनी समाज विज्ञान विद्याशाखा के शोध छात्रों द्वारा लगाई गई। माननीया कुलपति प्रोफेसर सिंह ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। अवलोकन के दौरान शोध छात्रों द्वारा प्रदर्शनी के विषय में निरंतरता से बताया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. पी. पी. दुबे सहित विभिन्न विद्याशाखाओं के निदेशकगण, आचार्यगण, सह–आचार्यगण, सहायक आचार्यगण के साथ विश्वविद्यालय के कर्मचारी एवं शोध छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम के निदेशक प्रो. एस. कुमार, संयोजक डॉ संजय कुमार सिंह तथा आयोजन सचिव डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने इस अवसर पर माननीया कुलपति प्रोफेसर सिंह जी का स्वागत किया। कार्यक्रम में डॉ सुनील कुमार, डॉ दीपशिखा श्रीवास्तव एवं डॉ अभिषेक सिंह आदि उपस्थित रहे।

प्रदर्शनी

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत करते हुए समाज विज्ञान विद्याशाखा के प्रभारी निदेशक प्रो. सन्तोषा कुमार, डॉ0 संजय सिंह एवं आयोजन सचिव डॉ त्रिविक्रम तिवारी

मुक्त चिन्तन

ईश्वर चन्द विद्यासागर
रवीन्द्रनाथ टैगोर
महामना मदन मोहन मालवीय
आचार्य विनोबा भावे

डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन
डाक्टर जाकिर हुसैन
डॉ एपीजे0 अब्दुल कलाम

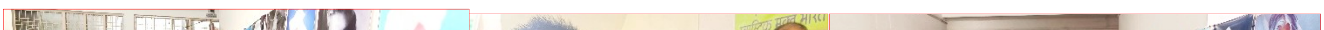

मुक्त चिन्तन

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

07 सितम्बर, 2022

मुविवि में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के अंतर्गत व्याख्यान का आयोजन

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी एवं मुख्य वक्ता प्रोफेसर राजेन्द्र तिवारी जी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में बुधवार दिनांक 07 सितम्बर, 2022 को स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में **तनाव एवं प्रतिरक्षा में पोषण की भूमिका** विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय पोषण सप्ताह कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित इस व्याख्यान के मुख्य वक्ता प्रोफेसर राजेंद्र तिवारी, कृषि वैज्ञानिक, आईसीएआर भारत सरकार तथा विशिष्ट वक्ता स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर गिरिजा शंकर शुक्ला रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने की।

व्याख्यान का संचालन डॉ दीप्ति श्रीवास्तव ने एवं धन्यवाद ज्ञापन संयोजक डॉ मीरा पाल ने किया। अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक, शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र छात्राएं आदि उपस्थित रहे।

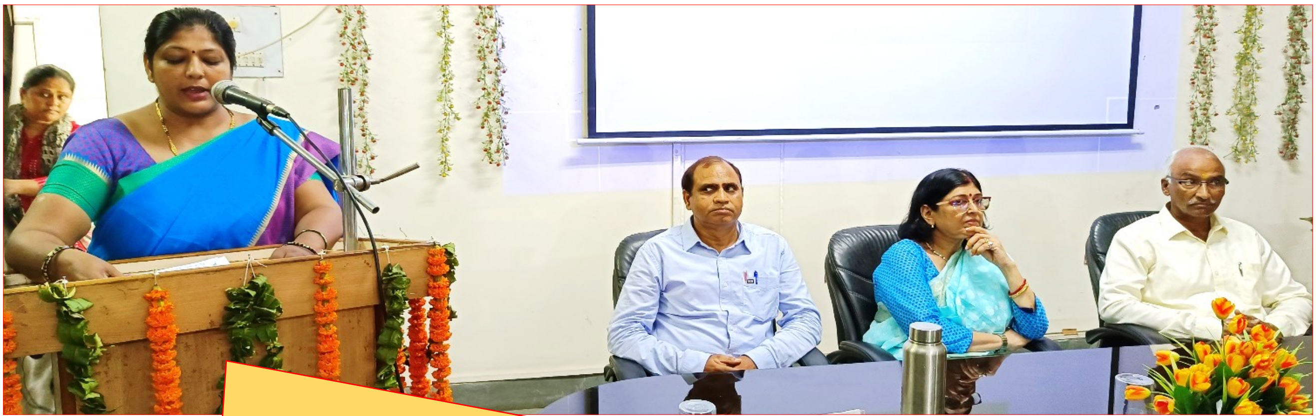

कार्यक्रम का संचालन करती हुई डॉ0 दीप्ति श्रीवास्तव एवं मंचासीन माननीय अतिथिगण

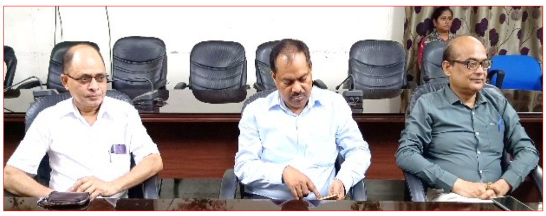

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. राजेन्द्र तिवारी जी, माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी एवं विशिष्ट अतिथि प्रो. जी.एस. शुक्ल जी को पुष्पगुच्छ भेंट करती हुई डॉ0 मीरा पाल

मुक्त चिन्तन

विशिष्ट वक्ता स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रोफेसर गिरिजा शंकर शुक्ला ने दैनिक जीवन में आने वाले तनाव के नकारात्मक एवं सकारात्मक पक्षों को इंगित करते हुए बताया कि सात्विक आहार के माध्यम से हम नकारात्मक तनाव को दूर करके स्वस्थ जीवन शैली को प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने पोषण युक्त भोजन के महत्व को बताते हुए कहा कि इसके माध्यम से शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत होती है और हम एक स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. राजेन्द्र तिवारी जी को स्मृति चिन्ह भेंट करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो. जी.एस. शुक्ल जी को स्मृति चिन्ह भेंट करती हुई डॉ0 मीरा पाल

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को स्मृति चिन्ह भेंट करती हुई डॉ0 मीरा पाल एवं प्रो0 जी.एस. शुक्ल

मुक्त चिन्तन

संतुलित आहार से रहें तनाव मुक्त : प्रोफेसर राजेन्द्र

मुख्य वक्ता डॉ राजेंद्र तिवारी

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित इस व्याख्यान के मुख्य वक्ता डॉ राजेंद्र तिवारी, कृषि वैज्ञानिक, आईसीएआर भारत सरकार ने व्याख्यान देते हुए कहा कि स्वस्थ एवं निरोगी रहने के लिए संतुलित आहार बहुत आवश्यक है। डॉ तिवारी ने कहा कि विभिन्न प्रकार के फलों, सब्जियों, अनाज और दालों को संतुलित मात्रा में सेवन करने से हम न केवल स्वस्थ रहते हैं बल्कि जीवन के विभिन्न प्रकार के तनाव से मुक्ति पा सकते हैं। इसके साथ ही शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता का भी विकास होता है। उन्होंने कहा कि शाकाहारी भोजन में फल और सब्जियां सर्वोत्तम हैं। हरीपत्ती वाली सब्जियों को अपने भोजन में अवश्य शामिल करना चाहिए।

मुक्त चिन्तन

चुनौतियों का सामना करने के लिए खुश रहें –प्रोफेसर सीमा सिंह

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

अध्यक्षता करते हुए माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि पोषण युक्त भोजन के साथ ही जीवन में चुनौतियों का सामना करने के लिए हमें खुश रहने का भी प्रयास करना चाहिए। योग और ध्यान से भी तनाव भगा सकते हैं। अगर हम मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ हैं तो तनाव से मुक्त रहेंगे।

मुक्त चिन्तन

धन्यवाद ज्ञापित करती हुई डॉ0 मीरा पाल

प्रयागराज, गुरुवार
सितंबर, 2022
नगर संस्करण

दैनिक जागरण

www.jagran.com

भारत जोड़ो यात्रा पर निकले राहुल गांधी 13
ट्रस की कैबिनेट में दो भारतवंशियों को जगह 14

चुनौतियों का सामना करने के लिए खुश रहें : प्रो. सीमा

जासं, प्रयागराज : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में बुधवार को तनाव एवं प्रतिरक्षा में पोषण की भूमिका विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि पोषण युक्त भोजन के साथ ही जीवन में चुनौतियों का सामना करने के लिए हमें खुश रहने का भी प्रयास करना चाहिए राष्ट्रीय पोषण सप्ताह कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित इस व्याख्यान के मुख्य वक्ता कृषि वैज्ञानिक डा. राजेंद्र तिवारी ने कहा कि स्वस्थ एवं निरोगी रहने के लिए संतुलित अहार बहुत आवश्यक है।

भव्य प्रदर्शनी का आयोजन

प्रयागराज : राविवि में बुधवार को समाज विज्ञान विद्याशाखा की ओर से भारतीय ज्ञान प्रणाली में शिक्षकों की भूमिका विषय पर भव्य

मुक्त विश्वविद्यालय में शोध छात्रों ने लगाई प्रदर्शनी

कार्यक्रम में बोलते हुए डा राजेन्द्र तिवारी।

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि प्रयागराज में बुधवार को समाज विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में शिक्षक पर्व के अनुक्रम में भारतीय ज्ञान प्रणाली में शिक्षकों की भूमिका विषय पर भव्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन विवि की कुलपति प्रो सीमा सिंह ने किया। यह प्रदर्शनी समाज विज्ञान विद्याशाखा के शोध छात्रों द्वारा लगाई गई। कुलपति प्रो सिंह ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। अवलोकन के दौरान शोध छात्रों द्वारा प्रदर्शनी के विषय में निरंतरता से बताया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे सहित विभिन्न विद्या शाखाओं के निदेशक आचार्य सह आचार्य सहायक आचार्य के साथ विश्वविद्यालय के कर्मचारी एवं शोध छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम के निदेशक प्रो एस कुमार संयोजक डॉ संजय कुमार सिंह तथा आयोजन सचिव डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सिंह का स्वागत किया। कार्यक्रम में डॉ सुनील कुमार डॉ दीपशिखा श्रीवास्तव एवं डॉ अभिषेक सिंह आदि उपस्थित रहे।

स्वस्थ्य रहकर ही कर सकते हैं चुनौतियों का सामना: डॉ. तिवारी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में बुधवार को स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में तनाव एवं प्रतिरक्षा में पोषण की भूमिका विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय पोषण सप्ताह कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित व्याख्यान के मुख्य वक्ता डॉ राजेंद्र तिवारी कृषि वैज्ञानिक आईसीएआर भारत सरकार ने व्याख्यान देते हुए कहा कि स्वस्थ एवं निरोगी रहने के लिए संतुलित आहार बहुत आवश्यक है। डॉ तिवारी ने कहा कि विभिन्न प्रकार के फलों सब्जियों अनाज और दालों को संतुलित मात्रा में सेवन करने से हम न केवल स्वस्थ रहते हैं बल्कि जीवन के विभिन्न प्रकार के तनाव से मुक्ति पा सकते हैं। इसके साथ ही शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता का भी विकास होता है। उन्होंने कहा कि शाकाहारी भोजन में फल और सब्जियां सर्वोत्तम हैं। हरीपत्ती वाली सब्जियों को अपने भोजन में अवश्य शामिल करना चाहिए। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि पोषण युक्त भोजन के साथ ही जीवन में चुनौतियों का सामना करने के लिए हमें खुश रहने का भी प्रयास करना चाहिए। योग और ध्यान से भी तनाव भगा सकते हैं। अगर हम मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ हैं तो तनाव से मुक्त रहेंगे। विशिष्ट वक्ता स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर गिरिजा शंकर शुक्ला ने दैनिक जीवन में आने वाले तनाव के नकारात्मक एवं सकारात्मक पक्षों को इंगित करते हुए बताया कि सात्विक आहार के माध्यम से हम नकारात्मक तनाव को दूर करके स्वस्थ जीवन शैली को प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने पोषण युक्त भोजन के महत्व को बताते हुए कहा कि इसके माध्यम से शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत होती है और हम एक स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। व्याख्यान का संचालन डॉ दीप्ति श्रीवास्तव एवं धन्यवाद ज्ञापन संयोजक डॉ मीरा पाल ने किया। अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक शिक्षक कर्मचारी एवं छात्र छात्राएं आदि उपस्थित रहे।

मुक्त चिन्तन

08 सितम्बर, 2022

कुलपति ने मलिन बस्ती में बच्चों को बांटी पेंसिल और किताबें

फाफामऊ की मलिन बस्ती के बच्चों को कापी, पुस्तक, रबड़, पेंसिल, नमकीन व बिस्किट प्रदान करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर कैंपस से बाहर निकला मुक्त विश्वविद्यालय

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के शिक्षा विद्याशाखा के तत्वावधान में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के उपलक्ष्य में बृहस्पतिवार को फाफामऊ की मलिन बस्ती के बच्चों एवं उनके अभिभावकों के साथ अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने की।

मुक्त चिन्तन

इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सिंह ने फाफामऊ की मलिन बस्ती के बच्चों को कापी, पुस्तक, रबड़, पेंसिल, नमकीन व बिस्किट प्रदान किया। कुलपति के हाथ से पेंसिल कॉपी पाते ही बच्चे खुशी से चहकने लगे।

फाफामऊ की मलिन बस्ती के बच्चों को कापी, पुस्तक, रबड़, पेंसिल, नमकीन व बिस्किट प्रदान करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

मुक्त चिन्तन

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने बच्चों के अभिभावकों को साक्षरता के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें पढ़ाई के महत्व के बारे में बताया और सब पढ़े सब बढ़े तथा सबको शिक्षा सबको ज्ञान का मूलमंत्र प्रदान किया।

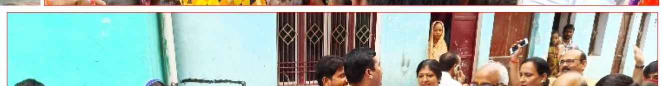

फाफामऊ की मलिन बस्ती के बच्चों से वार्ता करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह तथा साथ में विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

08 सितम्बर, 2022

मुक्त चिन्तन

मुक्त विश्वविद्यालय में शिक्षक पर्व के अंतर्गत हुआ पुस्तक पढ़ने की कला का आयोजन

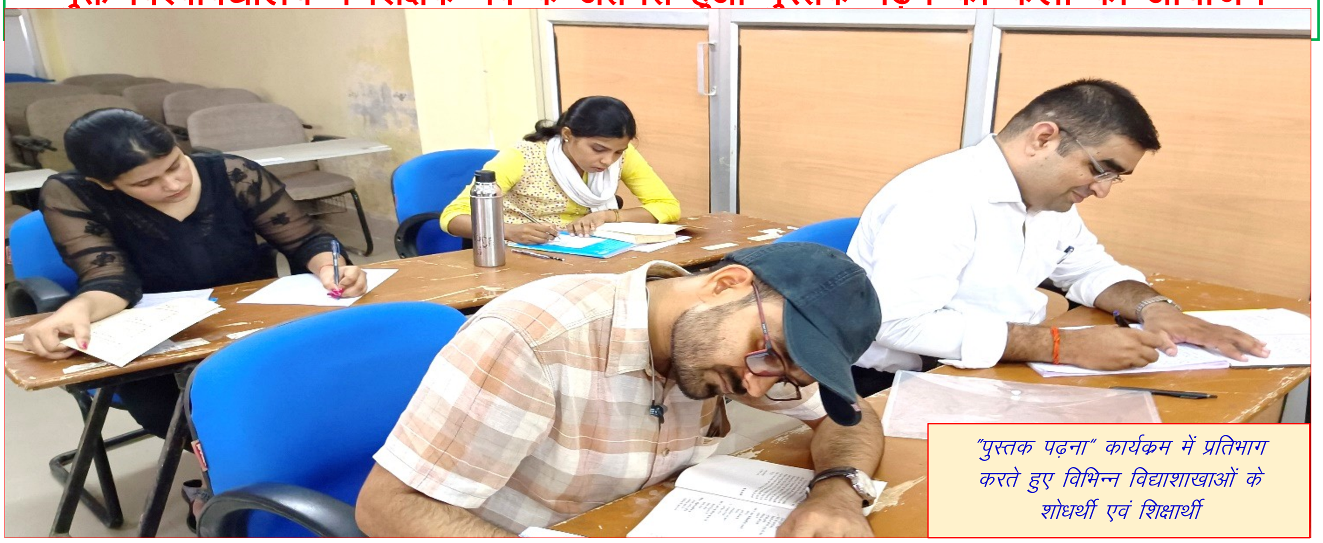

"पुस्तक पढ़ना" कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए विभिन्न विद्याशाखाओं के शोधर्थी एवं शिक्षार्थी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में वृहस्पतिवार दिनांक 08 सितम्बर, 2022 को विज्ञान विद्याशाखा व पुस्तकालय के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षक पर्व के क्रम में पुस्तक पढ़ने की कला कार्यक्रम का आयोजन केन्द्रीय पुस्तकालय में किया गया। इस कार्यक्रम में शिक्षार्थियों द्वारा अपनी पसंद की पुस्तक पढ़कर एक पृष्ठ का सारांश तैयार करना था। कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने किया।

माननीया कुलपति प्रो. सीमा सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत करते हुए विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. आशुतोष गुप्ता एवं कार्यक्रम समन्वयक प्रो. ए. के. मलिक तथा आयोजन सचिव डॉ. आर. जे. मौर्या

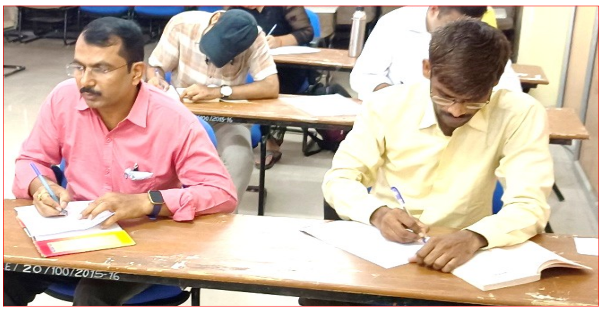

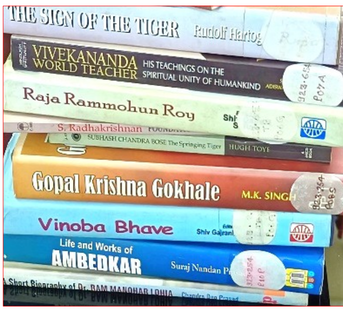

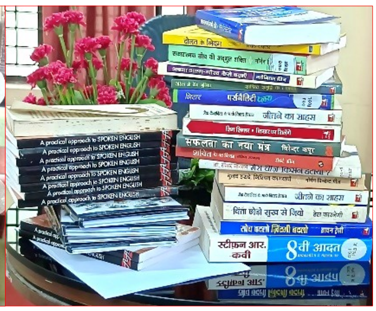

"पुस्तक पढ़ना" कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए विभिन्न विद्याशाखाओं के शोधर्थी एवं शिक्षार्थी तथा अवलोकन करती हुई माननीया कुलपति प्रो. सीमा सिंह जी

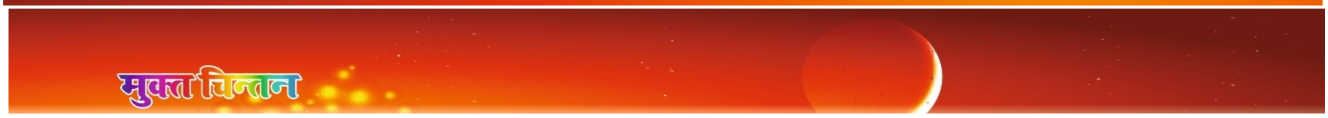

माननीया कुलपति प्रो. सीमा सिंह

माननीया कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में इस तरह के अवसर प्रदान किए जाने से छात्रों में न केवल पढ़ने लिखने में रुचि बढ़ेगी वरन उनके अंदर शोध करने की जिज्ञासा भी बलवती होगी। इसके साथ ही उनके पठन–पाठन में अभिरूचि को भी बढ़ावा मिलेगा।

मुक्त विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में ज्ञानवर्धक पुस्तकों का भंडार– कुलपति

माननीया कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि उन्होंने कहा कि इस मोबाइल क्रांति के युग में लोग पुस्तक पढ़ना भूल रहे हैं,जबकि पुस्तकों का एक अलग महत्व है। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में ज्ञानवर्धक पुस्तकों का भंडार है। विश्वविद्यालय के पंजीकृत छात्रों को पुस्तकालय में अधिक से अधिक समय व्यतीत करना चाहिए।

माननीया कुलपति प्रो. सीमा सिंह

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
मुक्त चिन्तन
08 सितम्बर, 2022

मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ साक्षरता दिवस का आयोजन

विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ द्वारा दिनांक 08 सितंबर, 2022 को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस का आयोजन किया गया। सर्व शिक्षा अभियान के तहत साक्षरता को कैसे जन जन तक जागरूक करना है, इस पर अपने विचार डॉ0 ओ.पी. मिश्रा, उप शिक्षा निदेशक , माध्यमिक शिक्षा, उ0 प्र0 लखनऊ मंडल, लखनऊ ने छात्रों के समक्ष प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया।

सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए माननीय अतिथि

डॉ0 ओ.पी. मिश्रा जी को पौधा भेंट कर स्वागत करती हुई क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ की समन्वयक डॉ0 निरांजली सिन्हा

मुक्त चिन्तन

लहरों से डर कर नौका पार नही होती कोशिश करने वालो की हार नहीं होती : डॉ0 ओ.पी. मिश्रा

डॉ0 ओ.पी. मिश्रा ने अपने सम्बोधन की शुरुआत सोहन लाल द्विवेदी की पंक्तियों से की–'लहरों से डर कर नौका पार नही होती कोशिश करने वालो की हार नहीं होती....। छात्रों को सभी को साक्षर करने हेतु संकल्प लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया। नेपोलियन बोनापार्ट का उदाहरण देते हुए समझाया कि असम्भव शब्द आपके भी शब्दकोश में नही होना चाहिये। उनके प्रेणादायक व्याख्यान से छात्र लाभान्वित हुए।

इस अवसर पर क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ की समन्वयक डॉ0 निरांजली सिन्हा ने सभी का स्वागत किया। डॉ0 अलका वर्मा, श्री संजय कुमार , सोनू ,सुनील, समस्त कर्मचारियो ने इस कार्यक्रम में प्रतिभागिता की। कार्यक्रम के आयोजक श्री अरुण कुमार व श्री अश्वनी त्रिपाठी थे।

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
मुक्त चिन्तन
08 सितम्बर, 2022

मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों की ऑनलाइन बैठक

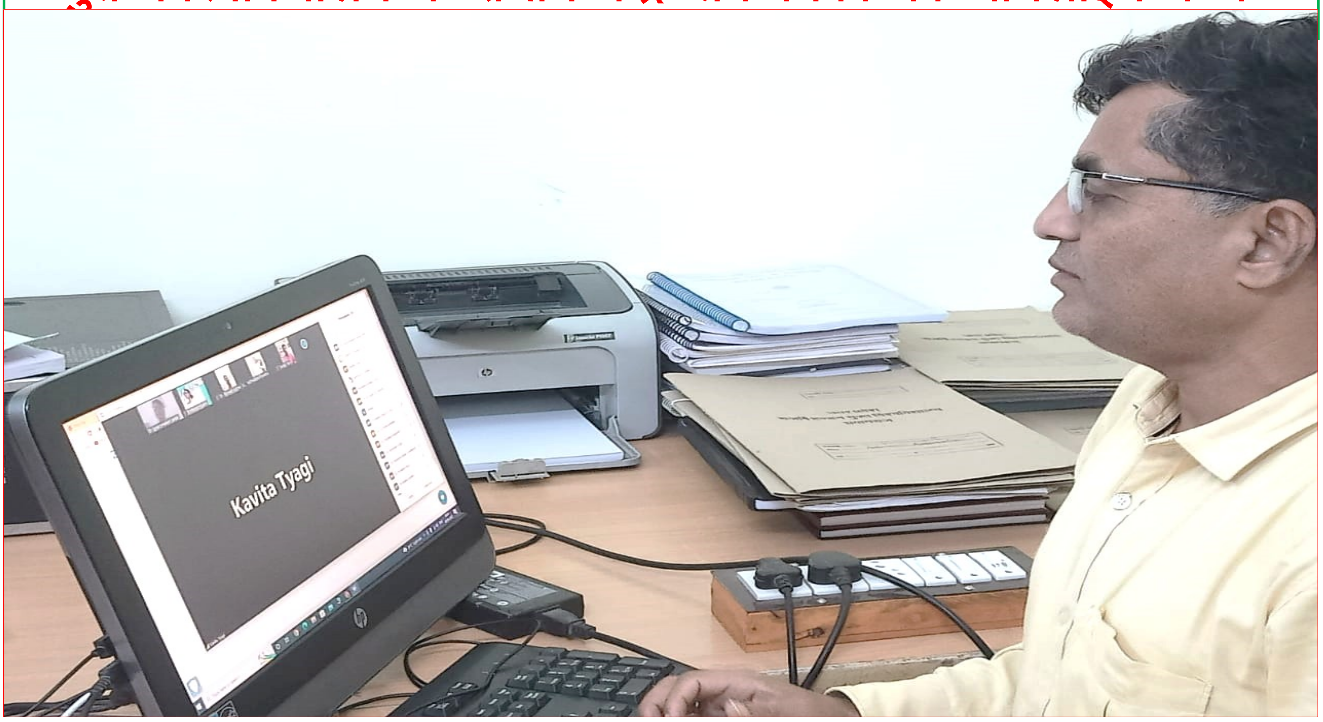

दिनांक 08 सितंबर, 2022 को विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों एवं प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव की ऑनलाइन बैठक संपन्न हुई इसमें प्रदेश के सभी 12 क्षेत्रीय केंद्र समन्वयक सम्मिलित हुए तथा प्रवेश एवं अन्य विषयों पर महत्वपूर्ण चर्चा संपन्न हुई । प्रवेश प्रभारी द्वारा सभी का स्वागत किया गया एवं सभी से अपेक्षा की गई कि वे प्रवेश की गति को और बढ़ाएंगे तथा इस सत्र में प्रवेश के नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे।इसके साथ ही क्षेत्रीय समन्वयकों ने अपनी समस्याओं से भी अवगत कराया। इसके साथ ही प्रवेश प्रभारी द्वारा यह बताया गया कि इस वर्ष भी टेबलेट वितरण का कार्य संपन्न होगा। अतः सभी अध्ययन केंद्र को निर्देशित किया जाए कि वे अपने यहां अंतिम वर्ष के छात्रों का प्रवेश संपन्न करा लें जिससे कि छात्रों को आसानी डिजि शक्ति योजना के तहत टेबलेट उपलब्ध कराया जा सके। बैठक के अंत में प्रवेश प्रभारी द्वारा सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया ।

कुलपति ने मलिन बस्ती में बच्चों को बांटी पेंसिल और किताबें

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्याशाखा के तत्वावधान में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के उपलक्ष्य में बृहस्पतिवार को फाफामऊ की मलिन बस्ती के बच्चों एवं उनके अभिभावकों के साथ अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो सीमा सिंह ने की। कुलपति प्रो सीमा सिंह ने फाफामऊ की मलिन बस्ती के बच्चों को कापी पुस्तक रबड़ पेंसिल नमकीन और बिस्किट प्रदान किया। कुलपति प्रो सीमा सिंह के हाथ से पेंसिल कॉपी पाते ही बच्चे खुश हो गए। फाफामऊ बाजार में लोगों ने कुलपति के इस कार्य की सराहना की। कुलपति प्रो सीमा सिंह ने बच्चों के अभिभावकों को साक्षरता के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें पढ़ाई के महत्व के बारे में बताया और सब पढ़े सब बढ़े तथा सबको शिक्षा सबको ज्ञान का मूलमंत्र प्रदान किया। संयोजन प्रोफेसर पी के स्टालिन निदेशक शिक्षा विद्याशाखा द्वारा किया गया। विवि के समस्त विद्याशाखा के निदेशक आचार्य सह आचार्य सहायक आचार्य कर्मचारी और अन्य सहयोगी उपस्थित थे। यह जानकारी मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने दी।

बच्चों के साथ कुलपति प्रो सीमा सिंह।

• वर्ष : 15
• अंक : 211
• प्रातः कालीन संस्करण
• लखनऊ
• शनिवार, 10 सितम्बर 2022
• पृष्ठ : 08
• मूल्य : 3 रुपए
www.tijaratnews.com

तिजारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

मुक्त विश्वविद्यालय में चॉक एंड डस्टर फ़िल्म का हुआ प्रदर्शन

▶▶ प्रेरणादाई फिल्मों से सीख लें शिक्षक: प्रो. सीमा सिंह

तिजारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में शुक्रवार को शिक्षक पर्व के अंतर्गत चाक एंड डस्टर फिल्म का प्रदर्शन किया गया। प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा की तरफ से आयोजित शिक्षक पर्व की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह ने कहा कि शिक्षकों को इस तरह की प्रेरणादाई फिल्मों से सीख लेनी चाहिए। शिक्षक समाज की मुख्य धुरी है। एक अच्छा शिक्षक ही अपने छात्रों के बीच में लोकप्रिय होता है। अच्छी फिल्में समाज को एक नई दिशा देती है। इस अवसर पर कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह का स्वागत प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा के निदेशक प्रोफ़ेसर ओम जी गुप्ता ने किया। संचालन तथा फिल्म की पृष्ठभूमि की बारे में डॉक्टर देवेश रंजन ने जानकारी दी। धन्यवाद ज्ञापन डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने किया। इस अवसर पर सभी विद्याशाखाओं के निदेशक एवं शिक्षक आदि उपस्थित रहे।

दैनिक लोकमित्र सच्चाई की जंग

वर्ष : 28 | अंक : 308
प्रतापगढ़ | शुक्रवार , 9 सितम्बर-2022
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये

संस्थापक : श्रद्धेय स्व. रामनिरंजन भगवन
प्रतिदिन की खबरों के लिए देखें www.dailylokmitra.com

मुक्त विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में ज्ञानवर्धक पुस्तकों का भंडार: कुलपति

शिक्षक पर्व के अंतर्गत हुआ पुस्तक पढ़ने की कला का आयोजन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त

कुलपति ने मलिन

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥
मुक्त चिन्तन
09 सितम्बर, 2022

शिक्षक पर्व पर मुक्त विश्वविद्यालय में चॉक एंड डस्टर का प्रदर्शन

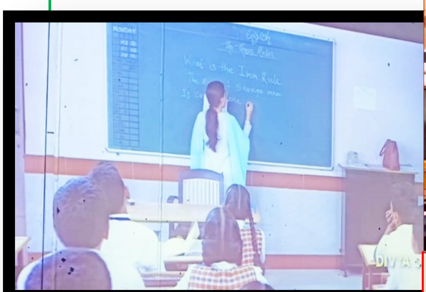

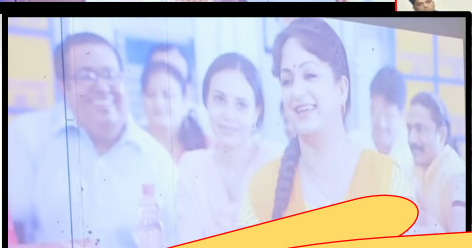

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में शुक्रवार दिनांक 09 सितम्बर, 2022 को शिक्षक पर्व के अंतर्गत चाक एंड डस्टर फिल्म का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने की।

मुक्त चिन्तन

कार्यक्रम का संचालन तथा फिल्म की पृष्ठभूमि की बारे में बतातें हुए डॉ. देवेश रंजन त्रिपाठी

चाक एंड डस्टर फिल्म देखते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

प्रेरणादाई फिल्मों से सीख लें शिक्षक– प्रोफेसर सीमा सिंह

प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा की तरफ से आयोजित शिक्षक पर्व की अध्यक्षता करते हुए माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि शिक्षकों को इस तरह की प्रेरणादाई फिल्मों से सीख लेनी चाहिए। शिक्षक समाज की मुख्य धुरी है। एक अच्छा शिक्षक ही अपने छात्रों के बीच में लोकप्रिय होता है। अच्छी फिल्में समाज को एक नई दिशा देती

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव

राष्ट्रीय सहारा

प्रेरणादायी फिल्मों से सीख लें शिक्षक : प्रो. सीमा सिंह

प्रयागराज। शिक्षक समाज की मुख्य धुरी है। एक अच्छा शिक्षक ही अपने छात्रों के बीच में लोकप्रिय होता है। अच्छी फिल्में समाज को एक नई दिशा देती है। यह बातें राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहीं। राजर्षि टंडन मुक्त विवि प्रयागराज में शुक्रवार को शिक्षक पर्व के अंतर्गत चाक एंड डस्टर फिल्म प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि शिक्षकों को इस तरह की प्रेरणादाई फिल्मों से सीख लेनी चाहिए। इस दौरान संचालन तथा फिल्म की पृष्ठभूमि की बारे में डा. देवेश रंजन ने जानकारी दी। धन्यवाद ज्ञापन डा. ज्ञान प्रकाश यादव ने किया। इस अवसर पर सभी विद्याशाखाओं के निदेशक एवं शिक्षक आदि उपस्थित रहे।

दैनिक जागरण

प्रेरणादाई फिल्मों से सीख लें शिक्षक: कुलपति

प्रयागराज: उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में शुक्रवार को शिक्षक पर्व के अंतर्गत चाक एंड डस्टर फिल्म का प्रदर्शन किया गया। प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा की तरफ से आयोजित शिक्षक पर्व की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि शिक्षकों को इस तरह की प्रेरणादायी फिल्मों से सीख लेनी चाहिए। शिक्षक समाज की मुख्य धुरी है। एक अच्छा शिक्षक ही अपने छात्रों के बीच में लोकप्रिय होता है। अच्छी फिल्में समाज को एक नई दिशा देती है। जासं

अमर उजाला
लखनऊ, शनिवार, 10 सितंबर 2022

प्रेरणादायी फिल्मों से सीख लें शिक्षक

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में शुक्रवार को शिक्षक पर्व के तहत चाक एंड डस्टर फिल्म का प्रदर्शन किया गया। प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा की तरफ से आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि शिक्षकों को इस तरह की प्रेरणादायी फिल्मों से सीख लेनी चाहिए। शिक्षक समाज की मुख्य धुरी हैं। संचालन तथा फिल्म की पृष्ठभूमि की बारे में डॉ. देवेश रंजन ने जानकारी दी। संवाद

हिन्दुस्तान
भरोसा नए हिन्दुस्तान का

प्रेरणादाई फिल्मों से सीख लें शिक्षक

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में शुक्रवार को शिक्षक पर्व के अंतर्गत चाक एंड डस्टर फिल्म का प्रदर्शन किया गया। प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा की तरफ से आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि शिक्षकों को इस तरह की प्रेरणादाई फिल्मों से सीख लेनी चाहिए। इस अवसर पर प्रो. ओम जी गुप्ता, डॉ. देवेश रंजन, डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव आदि मौजूद रहे।

दैनिक अमृत प्रभात
जनता के साथ जनता की आवाज

प्रेरणादाई फिल्मों से सीख लें शिक्षक: प्रोफेसर सीमा सिंह

शिक्षक पर्व पर मुक्त विश्वविद्यालय में चॉक एंड डस्टर का प्रदर्शन

प्रयागराज (नि.सं.)

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में शुक्रवार को शिक्षक पर्व के अंतर्गत चाक एंड डस्टर फिल्म का प्रदर्शन किया गया। प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा की तरफ से आयोजित शिक्षक पर्व की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि शिक्षकों को इस तरह की प्रेरणादाई फिल्मों से सीख लेनी चाहिए। कहा कि शिक्षक समाज की ... निदेशक प्रोफेसर ओम जी गुप्ता ने किया।

स्वतंत्र चेतना

प्रेरणादाई फिल्मों से सीख लें शिक्षक- प्रो. सीमा सिंह

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में शुक्रवार को शिक्षक पर्व के अंतर्गत चाक एंड डस्टर फिल्म का प्रदर्शन किया गया। प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा की तरफ से आयोजित

शिक्षक पर्व पर मुक्त विश्वविद्यालय में चॉक एंड डस्टर का प्रदर्शन

शिक्षक पर्व की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि शिक्षकों को इस तरह की प्रेरणादाई फिल्मों से सीख

इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह का स्वागत प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर ओम जी गुप्ता ने किया। संचालन तथा फिल्म की पृष्ठभूमि की बारे में डॉक्टर देवेश रंजन ने

प्रयाग प्रभात
वर्ष: 12 अंक: 97 आर.एन.आई.नं.- UPHIN/2009/42612 प्रयागराज, शनिवार, 10 सितम्बर, 2022 पृष्ठ : 4

प्रेरणादाई फिल्मों से सीख लें शिक्षक- प्रोफेसर सीमा सिंह

प्रयागराज।। प्रयाग प्रभात न्यूज

प्रयागराज राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में शुक्रवार को शिक्षक पर्व के अंतर्गत चाक एंड डस्टर फिल्म का प्रदर्शन किया गया। प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा की तरफ से आयोजित शिक्षक पर्व की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि शिक्षकों को इस तरह की प्रेरणादाई फिल्मों से सीख लेनी चाहिए। शिक्षक समाज की मुख्य

बिहार का नं. 1 अखबार

हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

1936

शनिवार

10 सितंबर 2022, भाद्रपद शुक्ल पक्ष पूर्णिमा, विक्रम संवत् 2079, पटना

नगर संस्करण, वर्ष 37, अंक 248, 26 पेज, मूल्य ₹6.00 • पांच प्रदेश • 21 संस्करण

हिन्दुस्तान www.livehindustan.com

अपने युवा

दूरस्थ, ऑनलाइन और पारंपरिक डिग्री समान होंगी

यूजीसी

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने शुक्रवार को कहा कि मान्यता प्राप्त संस्थानों से दूरस्थ और ऑनलाइन माध्यम से पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रमों की डिग्री को पारंपरिक डिग्री के समान माना जाएगा। देश में बड़ी संख्या में छात्र दूरस्थ या ऑनलाइन डिग्री कोर्स में दाखिला लेते हैं।

खासकर नौकरी करने वाले लोगों के लिए यह काफी सुविधाजनक होता है। पर अभी तक इसे पारंपरिक डिग्री के बराबर तवज्जो नहीं दी जाती थी।

यूजीसी सचिव रजनीश जैन ने कहा कि डिग्री विशिष्टता, 2014 पर यूजीसी की अधिसूचना के अनुरूप उच्च शिक्षण संस्थानों द्वारा मुक्त तथा दूरस्थ या ऑनलाइन माध्यम से स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर पर दी जाने वाली डिग्री और डिप्लोमा को पारंपरिक शिक्षा माध्यम की डिग्री तथा डिप्लोमा के बराबर माना जाएगा। यह फैसला यूजीसी (मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम और ऑनलाइन कार्यक्रम) नियमन के नियम 22 के अनुसार लिया गया है।

- बड़ी संख्या में छात्र दूरस्थ या ऑनलाइन डिग्री कोर्स में दाखिला लेते हैं
- खासकर नौकरी करने वाले लोगों के लिए यह सुविधाजनक होता है

सीयूईटी-यूजी के नतीजे 15 तक घोषित होंगे

नई दिल्ली। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के अध्यक्ष जगदीश कुमार ने शुक्रवार को बताया कि विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा सीयूईटी के स्नातक के परिणाम 15 सितंबर तक घोषित किए जाएंगे। स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए जरूरी सीयूईटी-यूजी की परीक्षा पहली बार जुलाई में हुई और 30 अगस्त को खत्म हुई। इसमें 60 फीसदी अभ्यर्थी शामिल हुए।

पीयू : बची सीटों पर कॉलेजों को नामांकन लेने की छूट

पटना। पटना विश्वविद्यालय में स्नातक स्तर की नामांकन प्रक्रिया समाप्त हो गई है। नए सत्र की पढ़ाई भी दो सितम्बर से शुरू हो चुकी है। कुछ विषयों में जो सीटें खाली हैं। उसके लिए कॉलेज को अधिकृत कर दिया गया है कि वे अपने स्तर से पीयूसीईटी-2022 के स्कोर के आधार पर नामांकन ले सकते हैं। सभी कॉलेजों में रेगुलर व वोकेशनल में सीटें बची हुई हैं। बीकॉम वोकेशनल कोर्स में नामांकन का मौका : पटना विश्वविद्यालय के एडमिशन कमेटी की बैठक में निर्णय हुआ था कि मगध महिला कॉलेज और वाणिज्य महाविद्यालय में चल रहे बीकॉम वोकेशनल कोर्स की बची सीटों पर उन आवेदकों को नामांकन लेने दिया जाए जिनका रेगुलर कोर्स में दाखिला नहीं हो सका। इस निर्णय के बाद बीकॉम वोकेशनल कोर्स में नामांकन लिया जा रहा है। इस नामांकन के लिए मेधा सूची नौ सितंबर को पटना विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी कर दी गयी है। जिनका नाम मेधा सूची में है।

अमर उजाला

कानपुर
सोमवार, 12 सितंबर 2022

दूरस्थ शिक्षा की डिग्री भी अब पारंपरिक के बराबर

मान्यता प्राप्त संस्थानों के ऑनलाइन डिग्री और डिप्लोमाधारकों को नौकरी देने से नहीं कर सकते मना

अमर उजाला ब्यूरो

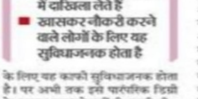

नई दिल्ली। मान्यता प्राप्त संस्थानों से दूरस्थ और ऑनलाइन शिक्षा वाली डिग्रियों की मान्यता भी अब नियमित डिग्रियों के बराबर होगी। यह घोषणा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने की है और इस संबंध में संक्षिप्त अधिसूचना भी जारी की है।

यूजीसी ने इस संबंध में राज्यों और विश्वविद्यालयों को पत्र भी लिखा है। पत्र में कहा है कि मान्यता प्राप्त संस्थानों से दूरस्थ और ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से हासिल डिग्री को पारंपरिक तरीके से प्रदान की जाने वाली डिग्री के समान ही माना जाएगा। यह निर्णय यूजीसी (ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग प्रोग्राम्स एंड ऑनलाइन प्रोग्राम्स रेगुलेशन 2020) के नियम 22 के अनुसार लिया गया है। अब कोई भी संस्थान या कंपनी ओडीएल और ऑनलाइन डिग्री माध्यम से डिग्री और डिप्लोमा धारकों को नौकरी देने से इन्कार नहीं कर सकेंगे।

यूजीसी अध्यक्ष प्रो. एम जगदीश कुमार ने बताया कि यह फैसला लाखों-करोड़ों छात्रों के लिए बड़ी राहत है। अब ओडीएल, ऑनलाइन और नियमित डिग्री को एक समान समझा जाएगा। यूजीसी ने 2020 में भी इसकी सूचना जारी की थी।

अमर उजाला

नई दिल्ली
शनिवार, 10 सितंबर 2022

दूरस्थ शिक्षा की डिग्री भी अब पारंपरिक के बराबर

नई दिल्ली। मान्यता प्राप्त संस्थानों से दूरस्थ और ऑनलाइन शिक्षा वाली डिग्रियों की मान्यता भी अब पारंपरिक यानी नियमित डिग्रियों के बराबर होगी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है।

यूजीसी ने राज्यों व विश्वविद्यालयों को लिखे पत्र में कहा है कि यह निर्णय यूजीसी-ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल) प्रोग्राम्स एंड ऑनलाइन प्रोग्राम्स रेगुलेशन 2020 के नियम 22 के अनुसार लिया गया है। अब कोई भी संस्थान या कंपनी ओडीएल और ऑनलाइन डिग्री माध्यम से डिग्री व डिप्लोमा धारकों को नौकरी देने से इन्कार नहीं कर सकेगा। यूजीसी अध्यक्ष प्रो. एम जगदीश कुमार ने बताया कि यह फैसला लाखों-करोड़ों छात्रों के लिए बड़ी राहत है। यूजीसी ने 2020 में भी इसकी सूचना जारी की थी। ब्यूरो

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

11 सितम्बर, 2022

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ उत्तर प्रदेश की काशी इकाई द्वारा सुधाकर महिला पीजी कॉलेज पांडेपूर में शिक्षक सम्मान संगोष्ठी का आयोजन

कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती प्रतिमा एवं सर्वपल्ली डॉ० राधाकृष्णन के चित्र पर पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से प्रारंभ हुआ। तत्पश्चात सुधाकर महिला महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना, स्वागत गीत एवं हर हर शंभू शिव महादेवा नामक गीत का मंचन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में सर्वप्रथम अतिथियों का माल्यार्पण एवं अंग वस्त्र तथा स्मृति चिन्ह प्रदान कर अतिथियों का स्वागत किया गया। सर्वप्रथम कार्यक्रम के प्रभारी डॉक्टर जगदीश सिंह दीक्षित द्वारा अतिथियों का परिचय करवाते हुए यह कहा गया कि शिक्षकों का सम्मान करने से सम्मान भी स्वयं को सम्मानित महसूस करता है।

विषय प्रवर्तक के रूप में विषय परिवर्तन करते हुए राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के पूर्व अध्यक्ष डॉक्टर दीनानाथ सिंह ने पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली डॉक्टर राधाकृष्णन के व्यक्तित्व की चर्चा करते हुए यह बताया कि वह हमेशा शिक्षक ही रहना चाहते थे । उस पद के आगे राष्ट्रपति का पद भी तुच्छ समझते थे । मुख्य अतिथि पद से बोलते हुए अंतर विश्वविद्यालयी अध्यापक शिक्षा केंद्र बी एच यू वाराणसी के निदेशक प्रोफेसर प्रेम नारायण सिंह ने कहा कि शिक्षक जहां रहता है वहीं अज्ञान मिटाने का कार्य करता है। भारतीय शिक्षकों से संपूर्ण विश्व को अपेक्षाएं हैं, और भारतीय शिक्षक में वह क्षमताएं हैं कि वह संपूर्ण विश्व का नेतृत्व कर सकें।

मुक्त चिन्तन

बच्चा जो बनना चाहता है उसे वह बनने दें– प्रोफेसर सीमा सिंह

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने बताया कि शिक्षक एक ऊर्जा है जो शिष्यों में निरंतर प्रवाहित होती रहती है शिक्षक हमेशा सीखता रहता है जहां सीखना समाप्त होता है वहां गुरुत्व भी समाप्त हो जाता है बच्चा जो बनना चाहता है उसे वह बनने दें। इस अवसर पर प्रो० रचना श्रीवास्तव, प्रोफेसर शीला मिश्रा, नीलम राय, शीला यादव, मधु मिश्रा, गायत्री सिंह, डॉ ब्रह्मचारी शंभू नाथ, प्रोफेसर अनिल कुमार सिंह, प्रोफेसर दुर्ग विजय सिंह, डॉ विनोद कुमार राय, डॉ विनय कुमार सिंह, डॉक्टर सत्य प्रकाश सिंह, डॉक्टर धीरेंद्र सिंह, प्रोफेसर शैलेंद्र कुमार उपाध्याय, प्रोफेसर अरुण कुमार उपाध्याय, डॉक्टर शशिनाथ नाथ सिंह, डॉक्टर दीनानाथ तिवारी, डॉक्टर वशिष्ठ यति, श्री गुलाब राम गुप्त, श्री जनता सिंह यादव, श्री राम अवध सिंह यादव, श्री जनार्दन सिंह, श्री देवेंद्र पांडे, श्री श्रीकांत पांडे, डॉ यशवंत सिंह, श्री भारतीश मिश्र, श्री प्रशांत कुमार गौड़, डॉ सुरेश चंद्र चौबे, इत्यादि शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ अशोक कुमार पांडे, डॉ मंजू त्रिपाठी ,डॉक्टर रोली, डॉक्टर मनोरमा, इत्यादि का सक्रिय सहयोग प्राप्त हुआ । कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉक्टर दीनानाथ सिंह द्वारा की गई । कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर अंजू सिंह द्वारा एवं धन्यवाद ज्ञापित अमिताभ मिश्र द्वारा किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के प्रोफेसर राजनाथ,प्रो०वी० के० निर्मल, प्रो० ओ पी चौधरी, प्रोफेसर ललिता राव, लहजू कुशवाहा, कमलेश बहादुर सिंह, प्रोफेसर नलिन कुमार मिश्र, संगीता मिश्रा, डॉ प्रमोद पांडे, प्रदीप यादव, वरुण चतुर्वेदी, विमल कुमार सिंह इत्यादि वाराणसी सहित कई जिलों के प्राथमिक संवर्ग से लेकर उच्च संवर्ग तक सैकड़ों शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रहे। अंत में वंदे मातरम का गान कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
13 सितम्बर, 2022
मुक्त चिन्तन

एमएनएनआईटी इलाहाबाद द्वारा आयोजित हिन्दी पुस्तक मेला का कुलपति ने किया विमोचन

एमएनएनआईटी इलाहाबाद के केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा हिंदी पखवाड़ा के अवसर पर हिंदी भाषा में प्रकाशित पुस्तकों की पुस्तक प्रदर्शनी **हिंदी पुस्तक मेला 2022** का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी रही तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के कार्यवाहक निदेशक प्रोफेसर मनोज माधव गोरे जी ने की।

दीप प्रज्ज्वलित कर हिंदी पुस्तक मेला 2022 का शुभारम्भ करती हुई कार्यक्रम की मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी तथा साथ में एमएनएनआईटी के कार्यवाहक निदेशक प्रोफेसर मनोज माधव गोरे जी

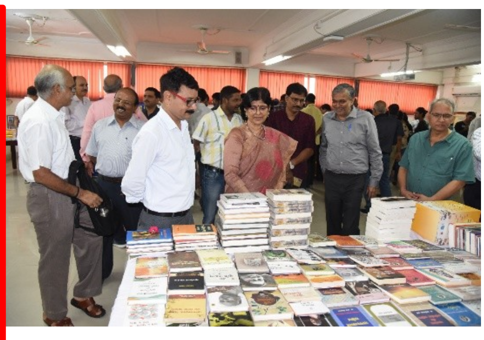

इस **हिंदी पुस्तक मेला 2022** में हिंदी भाषा में प्रकाशित विभिन्न विषयों की ज्ञानवर्धक तथा मनोरंजक पुस्तकों का प्रदर्शन किया गया। जहां एक ओर महात्मा गांधी की आत्मकथा, पंडित जवाहरलाल नेहरू की भारत एक खोज, शहीद भगत सिंह, स्वामी विवेकानंद, अटल बिहारी बाजपेई, एपीजे अब्दुल कलाम की पुस्तकें लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रही थी वहीं दूसरी ओर प्रेमचंद, शरदचंद्र, बंकिमचंद्र, राजकुमार वर्मा, महादेवी वर्मा,

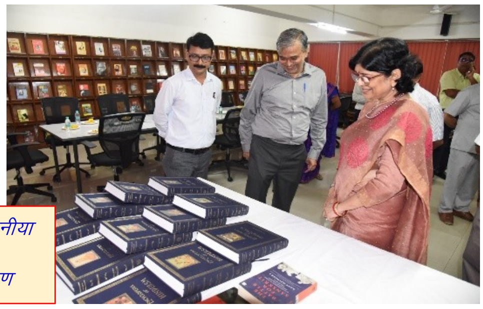

पुस्तक मेला का अवलोकन करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी एमएनएनआईटी परिवार के सदस्यगण

देश को एक सूत्र से जोड़ती है हिन्दी भाषा : प्रोफेसर सीमा सिंह

हिंदी पुस्तक मेला के विमोचन पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की माननीया कुलपति एवं कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रोफेसर सीमा सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति की अंतर्गत योग, मूल्य आधारित शिक्षा एवं पुस्तकालय विज्ञान के क्षेत्र में मुक्त विश्वविद्यालय तथा एमएनएनआईटी को साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इससे उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय तथा एमएनएनआईटी के विशेषज्ञ अपने अनुभवों को साझा कर सकेंगे। हिंदी भाषा देश को एक सूत्र से जोड़ती है। राजभाषा हिन्दी के प्रति अभिरूचि उत्पन्न करने के लिए विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं स्फूर्ति उत्पन्न करती है। उन्होंने पुस्तक मेला की सराहना करते हुए कहा कि पुस्तकें हमारी जिन्दगी में आमूलचूल परिवर्तन कर सकती हैं। इसलिए हमेशा अच्छी पुस्तकों का संग्रह अवश्य करना चाहिए। नई पीढ़ी को भी पठन–पाठन की ओर अपना रूझान बढ़ाना चाहिए।

अध्यक्ष पुस्तकालय एवं अधिगम संसाधन समिति प्रोफेसर रवि प्रकाश तिवारी ने अतिथियों का स्वागत किया तथा अपने वक्त में कहा कि हमें हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करना चाहिए। इस देश में हिंदी सर्वाधिक बोली व प्रयोग में लाई जाने वाली भाषा है। हमारा यह प्रयास है कि हम हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग के लिए सभी को प्रोत्साहित करें। उद्घाटन समारोह के अध्यक्ष एवं संस्थान के कार्यवाहक निदेशक प्रोफेसर मनोज माधव गोरे ने कहा कि हिंदी को शासकीय कार्यों में प्रयोग करने के लिए मात्र इच्छाशक्ति की आवश्यकता है। संकाय प्रभारी पुस्तकालय डॉ अनुज कुमार ने कहा कि संस्थान हिंदी के सुगम प्रयोग हेतु अपने शिक्षकों छात्रों तथा कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। पुस्तकालय अध्यक्ष श्री रितेश कुमार साहू ने बताया कि हिंदी भाषा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य केंद्रीय पुस्तकालय में हिंदी भाषा में प्रकाशित ज्ञानवर्धक पुस्तकों का **हिंदी पुस्तक मेला 2022** का आयोजन किया गया है। सहायक पुस्तकालय अध्यक्ष अरविन्द्र कान्त सिंह ने हिंदी भाषा की पुस्तकों की उपयोगिता के विषय में बताया और कहा कि राजभाषा के प्रयोग और प्रसार के लिए संकल्पित है।

इस अवसर पर प्रोफेसर रमेश पाण्डेय, इंजीनियर राजेश त्रिपाठी, सर्वेश कुमार तिवारी, कुलसचिव श्रीमती संगीतारानी, श्री श्वेतांक परिहार, श्री सत्यजीत कुमार, श्री मानस अग्रवाल, श्री अनिरुद्ध चौधरी, श्रीकांत शर्मा सहित भारी संख्या में छात्र–छात्राएं एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

मुक्त चिन्तन
॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

13 सितम्बर, 2022
मुक्त चिन्तन

महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी जतिन दास का मनाया गया शहीदी दिवस भारत को अंग्रेजों से आजादी दिलाने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों में जतिन दास का नाम महत्वपूर्ण है। वे स्वतंत्रता दिलाने के लिए लाहौर जेल में राजनीतिक बंदियों के बेहतर इलाज की मांग को लेकर लगातार 62 दिन तक भूख हड़ताल किये जिसके कारण वे 63 में दिन शहीद हो गए। उक्त बातें उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र आजमगढ़ द्वारा आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राकेश दुबे जिला अध्यक्ष विश्व हिंदू परिषद ने कही।

कार्यक्रम के संयोजक व क्षेत्रीय केंद्र आजमगढ़ के समन्वयक डॉ श्याम दुबे ने जतिन दास जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भारत के महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी व क्रांतिकारी जतिन दास जी का जन्म 27 अक्टूबर 1950 ई0 को कोलकाता में हुआ था। छोटी उम्र में ही वह आजादी की लड़ाई में शामिल हो गए सन 1925 ई0 में दक्षिणश्वर बम कांड, कोलकाता, काकोरी कांड के सिलसिले में अंग्रेज पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जांच हुई लेकिन सबूत नहीं मिला फिर अंग्रेज सरकार ने नजरबंद कर दिया। पहली बार सन 1925 में 21 दिन तक जेल में भूख हड़ताल किए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे नंद एकेडमी महिला महाविद्यालय के प्रबंधक सच्चिदानंद यादव ने बताया कि जतिन दास का वास्तविक नाम यतींद्र नाथ दास था जो हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के सदस्य थे जतिन दास भगत सिंह सुभाष चंद्र बोस महात्मा गांधी के प्रिय थे।

कार्यक्रम का संचालन श्री सूरज यादव जी ने किया कार्यक्रम में प्रमुख रूप से राकेश कुमार सिन्हा, श्रीचंद्रेश यादव, श्रीमती चंद्रा चौहान, श्रीमती अनीता यादव, पूजा शिवांगी, डॉ ब्रजेश शर्मा आदि अनेक छात्र–छात्राएं प्राध्यापक उपस्थित रहे।

दैनिक जागरण inext

आटोबायोग्राफी कर रही अट्रैक्ट

एमएनएनआईटी में हिंदी भाषा में प्रकाशित पुस्तकों की लगी प्रदर्शनी

मेले में पुस्तक को देखती यूपीआरटीओयू की वीसी.

prayagraj@inext.co.in

PRAYAGRAJ (13 Sept): हिन्दी भाषा में प्रकाशित पुस्तकों की प्रदर्शनी का शुभारंभ मंगलवार को एमएनएनआईटी में हुआ. यूपीआरटीओयू की वीसी सीता सिंह ने इसका इनॉगरेशन किया. पहले दिन प्रदर्शनी में पहुंचे लोगों के सामने महात्मा गांधी की आत्मकथा, पं. जवाहर लाल नेहरू की भारत एक खोज, शहीद भगत सिंह, स्वामी विवेकानन्द, अटल बिहारी बाजपेयी, एपीजे अब्दुल कलाम की पुस्तकें सेंटर आफ अट्रैक्शन रहीं. प्रेमचन्द्र, शरदचन्द्र, बंकिमचन्द्र, रामकुमार वर्मा, महादेवी वर्मा, तुलसी कबीर की रचनाओं पर आधारित पुस्तकें बरबस अपनी ओर ध्यान खींच रही थीं.

साथ मिलकर काम करने पर जोर

चीफ गेस्ट प्रो. सीमा सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति की अन्तर्गत योग, मूल्य आधरित शिक्षा एवं पुस्तकालय विज्ञान के क्षेत्र में विश्वविद्यालय तथा एमएनएनआईटी इलाहाबाद को साथ मिल कर काम करने की आवश्यकता पर बल दिया. कहा कि इससे यूपीआरटीओयू तथा एमएनएनआईटी के विशेषज्ञ अपने अनुभवों को साझा कर सकेगें. हिन्दी भाषा देश को एक सूत्र से जोड़ती है. प्रो. रवि प्रकाश तिवारी ने अतिथियों का स्वागत किया. अध्यक्ष एवं संस्थान के कार्यवाहक निदेशक प्रो. मनोज माधव गोरे ने कहा कि हिन्दी को शासकीय कार्यों में प्रयोग करने के लिये मात्र इच्छाशक्ति की आवश्यकता है. संकाय प्रभारी पुस्तकालय डा. अनोज कुमार ने कहा कि संस्थान हिन्दी के सुगम प्रयोग हेतु अपने शिक्षकों, छात्रों तथा कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के लिये प्रतिबद्ध है. पुस्तकालयाध्यक्ष रीतेश कुमार साहू ने बताया कि हिन्दी भाषा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से केन्द्रीय पुस्तकालय में हिन्दी भाषा में प्रकाशित ज्ञानवर्धक पुस्तकों का हिन्दी पुस्तक मेला 2022 का आयोजन किया गया है. अरविंद कांत सिंह, प्रो. आरके सिंह, प्रो एलके मिश्रा, डा संजीव राय, डा सोनी जोसेफ, प्रो. रमेश पाण्डेय, इं राजेश त्रिपाठी, डा सर्वेश कुमार तिवारी कुलसचिव, श्रीमती संगीतारानी, श्वेतांक परिहार, सत्यजीत कुमार, मानस अग्रवाल, अनिरूद्ध चौधरी, श्रीकान्त शर्मा, मो. दानिश आदि मौजूद रहे.

www.livehindustan.com
हिन्दुस्तान
भरोसा नए हिन्दुस्तान का

एमएनएनआईटी में पुस्तक मेले का शुभारंभ करतीं कुलपति प्रो. सीमा सिंह।

देश को एक सूत्र में जोड़ती है हिंदी भाषा : डॉ. सीमा सिंह

पुस्तक मेला

प्रयागराज। एमएनएनआईटी के केंद्रीय पुस्तकालय की ओर से हिंदी पखवाड़ा के तहत मंगलवार को पुस्तक मेला आयोजित किया गया। उद्घाटन मुख्य अतिथि उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा देश को एक सूत्र से जोड़ती है।

अध्यक्षता कर रहे संस्थान के कार्यवाहक निदेशक प्रो. मनोज माधव गोरे ने कहा कि हिंदी को शासकीय कार्यों में प्रयोग करने के लिये इच्छाशक्ति की जरूरत है। संकाय प्रभारी पुस्तकालय डॉ. अनोज कुमार ने विचार व्यक्त किया। स्वागत प्रो. रवि प्रकाश तिवारी ने किया। पुस्तकालयाध्यक्ष रीतेश कुमार साहू, अरविन्द्रकान्त सिंह, प्रो. आरके सिंह, प्रो. एलके मिश्रा, डॉ. संजीव राय, डॉ. सोनी जोसेफ मौजूद रहीं।

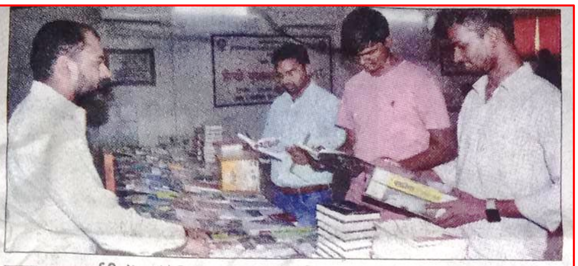

एमएनएनआईटी में आयोजित पुस्तक प्रदर्शनी का अवलोकन करते छात्र। *अमर उजाला*

देश को एकता के सूत्र में जोड़ती है हिंदी

प्रयागराज। मोती लाल नेहरू राष्ट्रीय

एमएनएनआईटी में दो

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
मुक्त चिन्तन
14 सितम्बर, 2022

हिन्दी दिवस पर मविवि में हुई निबन्ध प्रतियोगिता

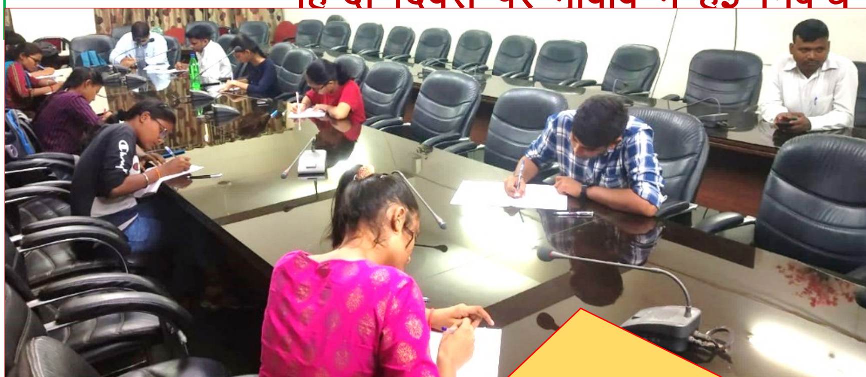

निबंध प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते हुए विश्वविद्यालय के विभिन्न विद्याशाखाओं के शोधार्थियों सहित अन्य विद्यार्थी

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में हिन्दी दिवस के अवसर पर मानविकी विद्याशाखा द्वारा दिनांक 14 सितंबर 2022 को अपराह्न 12:30 बजे **"स्वाधीनता आंदोलन में हिंदी का योगदान"** विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर के तिलक शास्त्रार्थ सभागार हुआ। इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न विद्याशाखाओं के शोधार्थियों सहित अन्य विद्यार्थी सम्मिलित हुए। प्रतियोगिता में सम्मिलित प्रतिभागियों में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त विजेताओं को

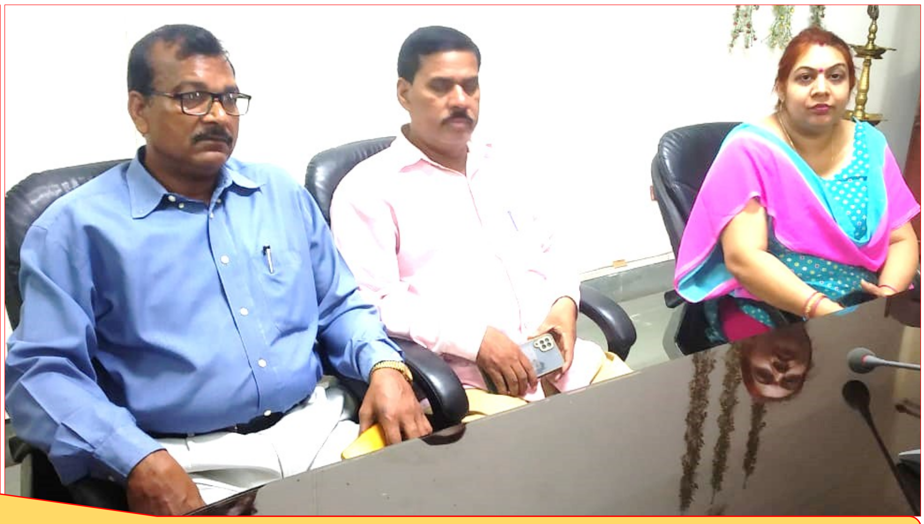

प्रतियोगिता का संचालन करते हुए डा. अतुल मिश्र

निबंध प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते हुए विश्वविद्यालय के विभिन्न विद्याशाखाओं के

मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्रों पर हिन्दी दिवस का आयोजन

क्षेत्रीय केन्द्र मेरठ

दिनांक 14 सितम्बर, 2022 को हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में उत्तर प्रदेश राजर्षी टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र मेरठ एवं इस्माइल नेशनल महिला पी जी कॉलेज के तत्वाधान में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में गोष्ठी एवं काव्य पाठ का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में क्षेत्रीय केन्द्र मेरठ की समन्वयक डॉ0 पूनम गर्ग, कर्मचारी एवं इस्माइल नेशनल महिला पी जी कॉलेज के सदस्यगण उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ

क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ में दिनांक 14 सितंबर 2022 को हिंदी दिवस मनाया गया। हिंदी भाषा की अनिवार्यता, उसके प्रसार पर प्रकाश डाला गया। क्षेत्रीय केंद्र ने हिंदी दिवस पर कुछ प्रस्तुतियां जैसे काव्य पाठ, दोहे, हिंदी के रसों से संबंधित कविता ,तत्क्षण भाषण (extempore speech) आदि निर्धारित की थी। जिसमे छात्रों द्वारा उत्साह के साथ प्रतिभागिता की गई। स्वाति बी. एस सी की छात्रा ने वीररस की कविता बुंदेले हर बोलो की हमने सुनी कहानी थी ,प्रस्तुत किया। शैल श्री ने श्रृंगार रस की कविता पाठ किया। शुभम सोनी द्वारा ओजस्वी कविता प्रस्तुत की गई चढ़ चेतक तलवार उठा, करता था भू तल पानी को, महाराणा प्रताप सिर काट काट कर करता था सफल जवानी को प्रीति द्वारा ,वीर तुम बढ़े चलो का गायन प्रस्तुत किया।

शैल सिंह ने कबीर के दोहे गए। क्षेत्रीय केंद्र की छात्रा ने भक्ति गीत गाया ऽअच्युतम केशवं कृष्ण दामोदरं .....। तत्क्षण भाषण (1मिनट समय सीमा) में मौसम, विश्वास ,कवच और श्रृंगार शब्दो पर छात्रों ने विचार रखे। कार्यक्रम में क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ की समन्वयक डॉ0 निरांजली सिन्हा, डॉ आर एम एस यादव, डॉ नीलम सिंह ,डॉ अलका वर्मा, डॉ मानस आनंद, श्री संजय कुमार, श्री अरुण कुमार, श्री अश्वनी, सोनू ,सुनील, समस्त स्टाफ ने प्रतिभागिता की।

राज्य शासनाधीन वाल्मीकि जयंती के जनपद स्तर की प्रतियोगिता संपन्न :

संस्कृत तो सैकड़ों भाषाओं और उप भाषाओं की जननी है:प्रो0 डॉ.सीमा सिंह

हर बात ब्यूरो

प्रयागराज। स्वामी नरोत्तमानंद गिरि वेद विद्यालय (परमानंद आश्रम ट्रस्ट) झूंसी प्रयागराज में उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थानं, लखनऊ (राज्याधीन) द्वारा वाल्मीकि जयंती के उपलक्ष्य में प्रतियोगिता आयोजित हुई।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कुलपति उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज प्रोफ़ेसर डॉ. सीमा सिंह ने प्रतिभागी छात्रों की प्रतिभा अवलोकन कर कहा कि 'संस्कृत तो सैकड़ो भाषाओं और उपभाषाओं की जननी है, यह अत्यंत आवश्यक है कि इसका संरक्षण किया जाए जिससे कि हमारे आध्यात्मिक ग्रंथो में उपलब्ध ज्ञान का विलोप न हो अन्यथा हमारे ज्ञान हो चुराकर विश्व के अन्य देश उनको पेटेंट कराकर हमें ही क्रय करेंगे और हम उन्हें उस रूप मे स्वीकार करने के लिए विवश होंगे। परंपरागत संस्कृत के छात्र/छात्राओं के लिए उ. प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय कर्मकांड एवं ज्योतिष का रोजगार परक पाठ्यक्रम प्रारम्भ कर रहा। संस्कृत उत्थान में संस्कृत संस्थानों को ही नहीं अपितु अन्य संस्थाओं को भी उदार ह्रदयी होने की आवश्यकता है।

उपरोक्त कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित लेखाधिकारी जिला विद्यालय निरीक्षक श्रीमती पायल सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह अत्यंत आकर्षक और मन को रमणीय लगने वाला अवसर है जब बटुकों के श्रीमुख से ओजस्वी मंत्र एवं गीत सुनने को मिल रहा है जो एक दुर्लभ थैरेपी प्रतीत हो रही है।

कार्यक्रम में अतिथि के रूप में सम्मिलित उप निरीक्षक संस्कृत पाठशालाएं रवींद्र सिंह ने कहा कि संस्कृत संवर्धन में ऐसी प्रतियोगिताओं का आयोजन समय समय पर किये जाने चाहिए।

कार्यक्रम में अतिथि के रूप सदस्य उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत परिषद लखनऊ डॉ. शालिगराम त्रिपाठी ने भी अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति दी। कार्यक्रम में जनपद संयोजक आचार्य राजेश मिश्र 'धीर' ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह प्रतियोगिता संस्कृत उत्थान में मील का पत्थर साबित होगी। वाल्मीकि जयन्ती प्रतियोगिता के गीत प्रतियोगिता में योगेश शुक्ल (श्री सच्चा अध्यात्म सं. उ. मा. विद्यालय, अरैल) को प्रथम, राघव प्रसाद द्विवेदी (श्री महंत विचारानन्द, बाघम्बरी गद्दी) को द्वितीय जबकि मुदित नारायण मिश्र (श्री सच्चा अध्यात्म) को तृतीय स्थान, श्लोकान्त्याक्षरी में प्रथम, द्वितीय, तृतीय जबकि संभाषण प्रतियोगिता में सौरभ पाण्डेय (सौदामिनी संस्कृत महाविद्यालय) प्रथम, शुभम मिश्र (सौदामिनी संस्कृत महाविद्यालय) द्वितीय जबकि प्रिंस कुमार तिवारी (वेद भवन संस्कृत महाविद्यालय) को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम में संचालन डॉ. शम्भु नाथ त्रिपाठी एवं आचार्य राजेश मिश्र 'धीर' जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्य श्री ब्रज मोहन पाण्डेय (श्री नरोत्तमानंद गिरि वेद विद्यालय, झूंसी) ने किया। कार्यक्रम में सैकड़ों प्रतिभागियों के साथ उनके विद्यालय के विद्वत आचार्य गण उपस्थित रहे।

---

www.livehindustan.com
हिन्दुस्तान
भरोसा नए हिन्दुस्तान का

भाषाओं की जननी संस्कृत का संरक्षण जरूरी

- वाल्मीकि जयंती पर हुई संस्कृत प्रतियोगिता
- परमानंद आश्रम ट्रस्ट झूंसी में हुआ आयोजन

प्रयागराज प्रमुख संवाददाता। उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थानम लखनऊ की ओर से वाल्मीकि जयंती पर जनपद स्तरीय संस्कृत प्रतियोगिता बुधवार को स्वामी नरोत्तमानंद गिरि वेद विद्यालय (परमानंद आश्रम ट्रस्ट) झूंसी में हुई। मुख्य अतिथि राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि संस्कृत सैकड़ों भाषाओं और उपभाषाओं की जननी है, इसका संरक्षण आवश्यक है जिससे हमारे आध्यात्मिक ग्रंथों में उपलब्ध ज्ञान का विलोप न हो। कहा कि परंपरागत संस्कृत के छात्र-छात्राओं के लिए मुक्त विवि कर्मकांड एवं ज्योतिष का रोजगारपरक पाठ्यक्रम प्रारंभ कर रहा।

विशिष्ट अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक की वित्त एवं लेखाधिकारी पायल सिंह ने कहा कि बटुकों के मुख से ओजस्वी मंत्र एवं गीत सुनना दुर्लभ थिरैपी की तरह है। गीत प्रतियोगिता में योगेश शुक्ल (श्री सच्चा अध्यात्म संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अरैल) को प्रथम, राघव प्रसाद द्विवेदी (श्री महंत विचारानन्द, बाघम्बरी गद्दी) को द्वितीय जबकि मुदित नारायण मिश्र (श्री सच्चा अध्यात्म) को तृतीय स्थान मिला। संभाषण में सौरभ पांडेय (सौदामिनी संस्कृत महाविद्यालय) प्रथम, शुभम मिश्र (सौदामिनी संस्कृत महाविद्यालय) द्वितीय जबकि प्रिंस कुमार तिवारी (वेद भवन संस्कृत महाविद्यालय) को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। अतिथियों का स्वागत जनपद संयोजक आचार्य राजेश मिश्र धीर ने किया। संचालन डॉ. शम्भु नाथ त्रिपाठी जबकि धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय के प्राचार्य ब्रज मोहन पांडेय ने किया। कार्यक्रम में उप निरीक्षक संस्कृत पाठशालाएं रवींद्र सिंह, माध्यमिक संस्कृत परिषद के सदस्य डॉ. शालिगराम त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।

परमानंद आश्रम ट्रस्ट झूंसी में कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने बच्चों को सम्मानित किया।

हिन्दी दैनिक लखनऊ, कानपुर प्रयागराज व आगरा से प्रकाशित
भारत कनेक्ट
प्रयागराज, शुक्रवार, 16 सितम्बर, 2022
वर्ष : 03 अंक : 161 पृष्ठ : 08 मूल्य : ₹ 2
bharat.connect100@gmail.com /livebcnews www.bharatconnect.in

मुक्त विवि में प्रवेश की तिथि 30 तक बढ़ी

भारत कनेक्ट संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सत्र जुलाई 2022- 23 के लिए प्रवेश की तिथि 30 सितंबर 2022 तक बढ़ा दी गई है। यह निर्णय विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने प्रवेश के इच्छुक छात्रों की मांग के आधार पर लिया।

कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने बताया कि भारत सरकार ने मुक्त विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों के महत्व को परिभाषित करते हुए इसे पारंपरिक विश्वविद्यालयों के समकक्ष माना है। यह देश के सभी मुक्त विश्वविद्यालयों के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। यूजीसी ने गत दिनों एक सर्कुलर जारी कर यह स्पष्ट कर दिया है कि अब मुक्त विश्वविद्यालय की डिग्री

पारंपरिक विश्वविद्यालयों के डिग्री के समान होगी। मुक्त विश्वविद्यालय के छात्रों को राहत देते हुए यूजीसी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अब मुक्त विश्वविद्यालय की डिग्री देखकर प्रतियोगी परीक्षाओं में कोई छंटनी नहीं कर पाएगा। यूजीसी के इस सर्कुलर के आने के बाद मुक्त विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले छात्रों में रुचि बढ़ी है।

मुक्त विश्वविद्यालय में इस समय ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रदेश के सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों से संबद्ध लगभग 1300 अध्ययन केंद्रों पर संचालित की जा रही है। इस बार प्रवेश प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्रवेश पोर्टल पर आवश्यक सुधार किए गए हैं, जिससे छात्रों को असुविधा न हो। ऑनलाइन फॉर्म भरने वाले शिक्षार्थी ज्यादातर साइबर कैफे से फार्म भरवाते हैं, इसलिए प्रवेश फार्म में त्रुटियां रह जाती थी। इस बार प्रवेश फार्म को त्रुटि रहित बनाने के लिए यह व्यवस्था की गई है कि प्रवेश फार्म में जब तक पूर्व की सभी प्रविष्टियां भर नहीं जाएंगी, फार्म अगले स्टेप पर नहीं जाएगा। इस तरह की व्यवस्था से प्रवेशार्थी भी सचेत रहेंगे और फॉर्म भरने में उन्हें किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी।

RNI No. - UPHIN/2015/61843
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 06
अंक : 193
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
गुरूवार, 15 सितम्बर, 2022
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
प्रातःकाल एक्सप्रेस
सच से रूबरू

मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश की तिथि 30 सितंबर तक बढ़ी

प्रातःकाल एक्सप्रेस

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सत्र जुलाई 2022– 23 के लिए प्रवेश की तिथि 30 सितंबर 2022 तक बढ़ा दी गई है। यह निर्णय विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने प्रवेश के इच्छुक छात्रों की मांग के आधार पर लिया। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने बताया कि भारत सरकार ने मुक्त विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमो के महत्व को परिभाषित करते हुए इसे पारंपरिक विश्वविद्यालयों के समकक्ष माना है। यह देश के सभी मुक्त विश्वविद्यालयों के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। यूजीसी ने गत दिनों एक सर्कुलर जारी कर यह स्पष्ट कर दिया है कि अब मुक्त विश्वविद्यालय की डिग्री पारंपरिक विश्वविद्यालयों के डिग्री के समान होगी। मुक्त विश्वविद्यालय के छात्रों को राहत देते हुए यूजीसी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अब मुक्त विश्वविद्यालय की डिग्री देखकर प्रतियोगी परीक्षाओं में कोई छंटनी नहीं कर पाएगा।

यूजीसी के इस सर्कुलर के आने के बाद मुक्त विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले छात्रों में रुचि बढ़ी है। मुक्त विश्वविद्यालय में इस समय ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रदेश के सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों से संबद्ध लगभग 1300 अध्ययन केंद्रों पर संचालित की जा रही है।

इस बार प्रवेश प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्रवेश पोर्टल पर आवश्यक सुधार किए गए हैं, जिससे छात्रों को असुविधा न हो। ऑनलाइन फॉर्म भरने वाले शिक्षार्थी ज्यादातर साइबर कैफे से फार्म भरवाते हैं, इसलिए प्रवेश फार्म में त्रुटियां रह जाती थी। इस बार प्रवेश फार्म को त्रुटि रहित बनाने के लिए यह व्यवस्था की गई है कि प्रवेश फार्म में जब तक पूर्व की सभी प्रविष्टियां भर नहीं जाएंगी, फार्म अगले स्टेप पर नहीं जाएगा।

इस तरह की व्यवस्था से प्रवेशार्थी भी सचेत रहेंगे और फॉर्म भरने में उन्हें किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी। इस व्यवस्था में सुधार से छात्रों को काफी राहत मिली है। प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय में प्रवेश के इच्छुक छात्र समस्त कार्यक्रमों के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में 30 सितंबर तक ऑनलाइन शुल्क जमा करते हुए प्रवेश ले सकते हैं।

दैनिक
पूर्वांचल स्वर

मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश की तिथि 30 सितंबर तक बढ़ी

मुख्य संवाददाता
पूर्वांचल स्वर

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सत्र जुलाई 2022- 23 के लिए प्रवेश की तिथि 30 सितंबर 2022 तक बढ़ा दी गई है। यह निर्णय विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने प्रवेश के इच्छुक छात्रों की मांग के आधार पर लिया।

कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने बताया कि भारत सरकार ने मुक्त विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों के महत्व को परिभाषित करते हुए इसे पारंपरिक विश्वविद्यालयों के समकक्ष माना है। यह देश के सभी मुक्त विश्वविद्यालयों के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। यूजीसी ने गत दिनों एक सर्कुलर जारी कर यह स्पष्ट कर दिया है कि अब मुक्त विश्वविद्यालय की डिग्री पारंपरिक विश्वविद्यालयों के डिग्री के समान होगी। मुक्त विश्वविद्यालय के छात्रों को राहत देते हुए यूजीसी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अब मुक्त विश्वविद्यालय की डिग्री देखकर प्रतियोगी परीक्षाओं में कोई छंटनी नहीं कर पाएगा। यूजीसी के इस सर्कुलर के आने के बाद मुक्त विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले छात्रों में रुचि बढ़ी है। मुक्त विश्वविद्यालय में इस समय ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रदेश के सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों से संबद्ध लगभग 1300 अध्ययन केंद्रों पर संचालित की जा रही है। इस

Voice Of Allahabad NEWS
प्रयागराज
वर्ष : 08
अंक : 297
हिन्दी दैनिक
R.N.I No. UPHIN/2014/59094
वॉइस ऑफ इलाहाबाद
खबर वही जो सच हो...
शुक्रवार 16 सितम्बर 2022
www.voiceofallahabad.com

मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश की तिथि 30 सितम्बर तक बढ़ी
मुविवि की डिग्री पारम्परिक विश्वविद्यालयों की डिग्री के समान होगी

वॉइस ऑफ इलाहाबाद

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सत्र जुलाई 2022-23 के लिए प्रवेश की तिथि 30 सितम्बर तक बढ़ा दी गई है। यह निर्णय विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने प्रवेश के इच्छुक छात्रों की मांग के आधार पर लिया है।

कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने गुरूवार को बताया कि भारत सरकार ने मुक्त विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों के महत्व को

संचालित की जा रही है। इस बार प्रवेश प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्रवेश पोर्टल पर आवश्यक सुधार किए गए हैं, जिससे छात्रों को असुविधा न हो। ऑनलाइन फॉर्म भरने वाले शिक्षार्थी ज्यादातर साइबर कैफे से फार्म भरवाते हैं, इसलिए प्रवेश फार्म में त्रुटियां रह जाती थी। इस बार प्रवेश फार्म को त्रुटि रहित बनाने के लिए यह व्यवस्था की गई है कि प्रवेश फार्म में जब तक पूर्व की सभी प्रविष्टियां भर नहीं जाएंगी, फार्म

स्वतंत्र भारत
लखनऊ, शुक्रवार 16 सितम्बर 2022

मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश की तिथि 30 तक बढ़ी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के सत्र जुलाई 2022- 23 के लिए प्रवेश की तिथि 30 सितंबर तक बढ़ा दी गई है। यह निणाय विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

दिनों एक सर्कुलर जारी कर यह स्पष्ट कर दिया है कि अब मुक्त

होगी। मुक्त विश्वविद्यालय के छात्रों को राहत देते हुए यूजीसी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अब मुक्त विश्वविद्यालय की डिग्री देखकर प्रतियोगी परीक्षाओं में कोई छंटनी नहीं कर पाएगा।

यूजीसी के इस सर्कुलर के

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

16 सितम्बर, 2022

विश्व ओजोन दिवस पर मुक्त विश्वविद्यालय में हुआ व्याख्यान

के अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी सह व्याख्यान माला का आयोजन किया गया कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रोफेसर ए आर सिद्दीकी पूर्व अध्यक्ष भूगोल विभाग इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय प्रयागराज रहे तथा विशिष्ट वक्ता प्रोफेसर गणेश पाठक जी जो पूर्व निदेशक शैक्षणिक जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय बलिया रहे। इस व्याख्यानमाला की संरक्षिका माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी रही।

कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव एवं असिस्टेंट प्रोफेसर भूगोल डॉ. अभिषेक सिंह ने किया। कार्यक्रम निदेशक एवं प्रभारी निदेशक समाज विज्ञान विद्याशाखा प्रो. संतोषा कुमार ने कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के संयोजक एवं एसोसिएट प्रोफेसर भूगोल डॉ संजय कुमार सिंह द्वारा सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापन किया।

कार्यक्रम में लगभग 375 से अधिक प्रतिभागियों ने पूरे देश से विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों से प्रतिभाग करने हेतु अपना नामांकन किया।

मुक्त चिन्तन

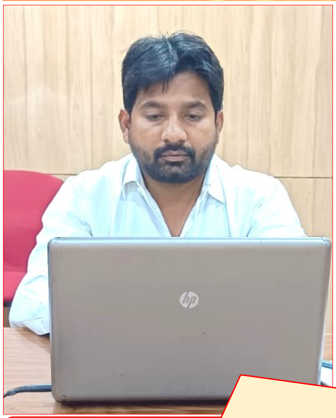

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ0 अभिषेक सिंह

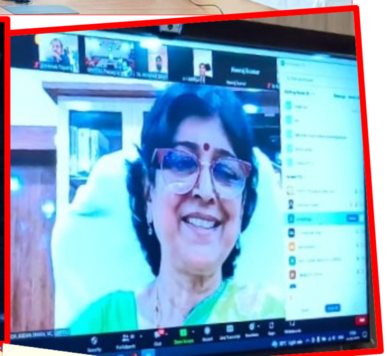

कार्यक्रम में प्रतिभाग कर रहे प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए समाज विज्ञान विद्याशाखा के प्रभारी प्रो0 सन्तोषा कुमार

ओजोन की सुरक्षा समय की मांग – प्रोफेसर सिद्दीकी

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रोफेसर ए आर सिद्दीकी, पूर्व अध्यक्ष भूगोल विभाग, इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय ने आज आईजीआई के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन पुर्तगाल से अपना ऑनलाइन उद्बोधन प्रदान किया। प्रोफेसर सिद्दीकी ने कहा कि वर्तमान परिपेक्ष्य में ओजोन की सुरक्षा, संरक्षा और परिवर्धन किया जाना समय की मांग

प्रोफेसर ए. आर. सिद्दीकी

पंच तत्वों का संरक्षण ही वास्तव में ओजोन संरक्षण है : प्रोफेसर गणेश

विशिष्ट वक्ता प्रोफेसर गणेश पाठक, पूर्व निदेशक शैक्षणिक, जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया ने संबोधित किया विशिष्ट वक्ता ने बताया कि आज ओजोन संरक्षण के कार्यक्रमों को जनमानस में प्रचारित करने की आवश्यकता है। प्रोफेसर पाठक ने अपने व्याख्यान में क्षिति जल पावक गगन समीरा जैसे पंचतत्व का उद्धरण देते हुए बताया कि इन्ही पंचतत्वों का संरक्षण ही वास्तव में ओजोन संरक्षण है। जनमानस को इसकी खूबी दिखाकर ही प्रेरित किया जा सकता है।

ओजोन संरक्षण एक चुनौती– प्रोफेसर सीमा सिंह

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने कहा कि भारत द्वारा अंटार्कटिका में स्थापित दक्षिण गंगोत्री एवं मैत्री नामक स्टेशन पर प्रतिवर्ष ओजोन क्षय का आकलन एवं परीक्षण किया जाता है वर्तमान समय में ओजोन के अध्ययन के लिए गुब्बारे ,उपग्रह आदि का उपयोग किया जा रहा है ओजोन परत का क्षय न केवल अंटार्कटिका बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी देखने को मिला है ओजोन परत के क्षय के लिए निम्नलिखित जिम्मेदार है क्लोरोफ्लोरोकार्बन, वन विनाश, नाइट्रिक ऑक्साइड एवं क्लोरीन ऑक्साइड गैस का वायुमंडल में प्रवेश होना, कल कारखानों एवं वाहनों से प्रदूषक, पर्यावरण में होने वाली रासायनिक अभिक्रियाएं, सौरमंडल में उथल–पुथल, ज्वालामुखी विस्फोट, अंतरिक्ष अनुसंधान आदि ओजोन परत को नष्ट करने में सीएफसी की सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका है। आम जनमानस में वनरोपड़ संवहनी विकास पर अपना विचार दिया और ओजोन कैसे संरक्षित हो उसका स्थायित्व बना रहे इस पर अनेक बिंदुओं पर उन्होंने प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ओजोन का संरक्षण आज हम सबके लिए एक चुनौती है।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कार्यक्रम के संयोजक एवं एसोसिएट प्रोफेसर भूगोल डॉ संजय कुमार सिंह

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
16 सितम्बर, 2022

मुक्त विश्वविद्यालय में कैरियर काउंसलिंग शिविर का आयोजन

प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान में पत्रकारिता और जनसंचार में रोजगार के अवसर एवं संभावनाएं पर कैरियर काउंसलिंग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने किया।

प्रशिक्षण एवं सेवायोजन प्रकोष्ठ के प्रभारी श्री देवेंद्र प्रताप सिंह ने सभी का स्वागत किया। कैरियर काउंसलिंग शिविर का संचालन डॉ साधना श्रीवास्तव ने एवं धन्यवाद मानविकी विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने ज्ञापित किया।

इस अवसर पर डॉ साधना श्रीवास्तव,डॉ सतीश चंद्र जैसल एवं डॉ प्रभात चंद्र मिश्र आदि ने पत्रकारिता के छात्रों को पत्रकारिता के क्षेत्र में रोजगार के विभिन्न आयामों से अवगत कराया।

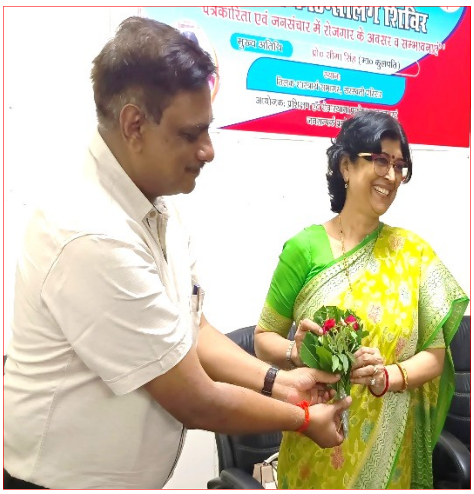

विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए प्रशिक्षण एवं सेवायोजन प्रकोष्ठ के प्रभारी श्री डी.पी. सिंह एवं मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 सत्यपाल तिवारी

कैरियर काउंसलिंग शिविर का संचालन करती हुई डॉ साधना श्रीवास्तव

श्री देवेंद्र प्रताप सिंह

प्रशिक्षण एवं सेवायोजन प्रकोष्ठ के प्रभारी श्री देवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। पत्रकारिता के छात्र ऐसी जगह कैरियर बनाने जा रहे हैं जहां अपार संभावनाएं हैं। जहां उनकी क्षमता का सही उपयोग हो सकेगा। कैरियर में सफलता के लिए सतत प्रयास करते रहना चाहिए।

मुक्त चिन्तन

काउंसलिंग लाती है जीवन में टर्निंग प्वाइंट– प्रोफेसर सीमा सिंह

पत्रकारिता में कैरियर के लिए संप्रेषण आवश्यक

कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने शिविर का उद्घाटन करते हुए कहा कि व्यक्ति की क्षमताओं को समझने में काउंसलर सहायता करते हैं। काउंसलर मनोवैज्ञानिक भी होता है। कभी–कभी व्यक्ति के जीवन में जो टर्निंग प्वाइंट आते हैं, उनका भी माध्यम काउंसलर ही होते हैं। हमें हमारी क्षमताओं से परिचय कराने का कार्य काउंसलर बेहतर ढंग से कर सकते हैं। पत्रकारिता में कैरियर बनाने के लिए संप्रेषण बहुत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मौन भी बहुत बड़ा संभाषण है। आज शिक्षण संस्थानों में कैरियर काउंसलिंग का महत्व काफी बढ़ गया है। प्रवेशार्थियों को उनकी अभिरुचि के अनुसार ही कैरियर में मार्गदर्शन देने के लिए मुक्त विश्वविद्यालय ने इस तरह के शिविर को प्रारंभ किया है जो विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट सेल द्वारा आगे भी जारी रहेगा। जिससे यहां से निकले हुए छात्र समाज में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकेंगे।

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए मानविकी विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

17 सितम्बर, 2022

मुविवि में विश्वकर्मा जयंती पर कुलपति ने की कंप्यूटर लैब में पूजा

भगवान विश्वकर्मा जी के चित्र पर माल्यार्पण करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सिंह जी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने भगवान विश्वकर्मा का ध्यान करते हुए दीप प्रज्वलन किया और पुष्प अर्पित किए। विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में आयोजित विश्वकर्मा जयंती समारोह में माननीया कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा को संसार का पहला इंजीनियर और वास्तुकार माना जाता है । भगवान विश्वकर्मा की पूजा करने से समस्याओं का समाधान तथा रुकावटें दूर होती है तथा व्यक्ति के जीवन में नई ऊर्जा का संचार होता है।

माननीया कुलपति प्रोफेसर सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत करते हुए विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. आशुतोष गुप्ता एवं कुलसचिव प्रो. पी.पी. दुबे

मुक्त चिन्तन

भगवान विश्वकर्मा का ध्यान करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सिंह जी तथा साथ में विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

माननीया कुलपति प्रोफेसर सिंह जी के साथ विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

माननीया कुलपति प्रोफेसर सिंह जी को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए विज्ञान विद्याशाखा के शिक्षकगण

इस अवसर पर भगवान विश्वकर्मा जी की पूजा के उपरांत प्रसाद प्रसाद वितरण किया गया तथा भगवान से कार्यों की सफलता की कामना की गयी। इससे पूर्व कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कंप्यूटर लैब में विभिन्न यंत्रों की पूजा की। इस अवसर पर विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता ने कुलपति प्रोफेसर सिंह का स्वागत किया। कार्यक्रम के आयोजन में समन्वयक डॉ सी.के. सिंह एवं संयोजक मनोज कुमार बलवंत ने सहयोग किया। परमानंद उपाध्याय ने मंत्र पाठ किया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. पी. पी. दुबे, प्रो. ओमजी गुप्ता, प्रो. आशुतोष गुप्ता, प्रो. जी. एस. शुक्ल, प्रो. पी. के. पांडेय, प्रो. सत्यपाल तिवारी, प्रो. एस. कुमार, प्रो. रुचि बाजपेई, प्रो. छत्रसाल सिंह, प्रो. जे. पी. यादव, प्रो. अजेंद्र कुमार मलिक तथा सभी शिक्षक एवं कर्मचारी आदि उपस्थित रहे। कुलसचिव प्रो पी पी दुबे ने आभार व्यक्त किया।

माननीया कुलपति प्रोफेसर सिंह जी के साथ ग्रुप फोटो में एम.बी.ए. छात्र एवं प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 ओमजी गुप्ता तथा शिक्षकगण

मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र झांसी पर रक्तदान शिविर का आयोजन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के क्षेत्रीय केंद्र झांसी पर दिनांक 17 सितम्बर, 2022 माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्म पर सेवा भारती एवं राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के तत्वाधान में रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ जिसमें सदर विधायक मुख्य अतिथि माननीय रवि शर्मा एवं डॉ बी.एस. गुप्ता एवं क्षेत्रीय समन्वयक डॉ रेखा त्रिपाठी उपस्थित रहे इस कार्यक्रम में लोगों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया और 26 लोगों ने रक्तदान किया जिसमें क्षेत्रीय केंद्र झांसी पर कार्यरत अतुल दुबे ने रक्तदान किया और विश्वकर्मा जी की पूजन अवसर पर आधुनिक औजार के रूप में अपने कंप्यूटर की पूजा अर्चना की श्री शिवकुमार जी और अतुल दुबे ने की।

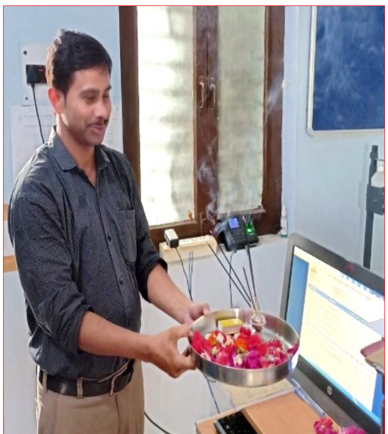

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

मुक्त चिन्तन

20 सितम्बर, 2022

मुक्त विश्वविद्यालय ने उपाधि वितरण शिविर लगा कर बांटी डिग्री

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में मंगलवार 20 सितम्बर, 2022 को उपाधि वितरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने किया। इस अवसर पर उन्होंने शिक्षार्थियों को डिग्रियां प्रदान की। आज दिनभर प्रदेश के कोने–कोने से डिग्री के लिए छात्र छात्राओं की आवाजाही लगी रही। भीड़ बढ़ने पर छात्रों को पंक्तिबद्ध करके डिग्री वितरित की गई।

परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि 16वें दीक्षांत समारोह में जिन छात्र–छात्राओं ने डिग्री के लिए रजिस्ट्रेशन कराया था, आज उनको विश्वविद्यालय में डिग्री वितरित की गई। उन्होंने बताया कि त्वरित डिग्री वितरण के लिए विश्वविद्यालय ने अपनी वेबसाइट पर 01 से 11 सितंबर तक रजिस्ट्रेशन के लिए पैनल खोला था। जिसमें 507 शिक्षार्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया। जिनमें सबसे अधिक बीएड के 191 रजिस्ट्रेशन हुए। डिग्री वितरण के लिए 20 सितंबर का दिन निर्धारित किया गया था। आज सुबह से ही डिग्री लेने के लिए दूर–दूर से आए छात्र–छात्राएं विश्वविद्यालय परिसर में इकट्ठा होने लगे। आज शाम तक 174 छात्रों को डिग्री वितरित की गयी।

प्रारंभ में डिग्री वितरण शिविर का उद्घाटन करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कई छात्र छात्राओं को अपने हाथ से डिग्री प्रदान की। कुलपति प्रोफेसर सिंह से डिग्री प्राप्त करते ही छात्र–छात्रा प्रफुल्लित हो उठे। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने सभी छात्र छात्राओं को साधुवाद देते हुए कहा कि वह सभी इस विश्वविद्यालय के ब्रांड एंबेसडर हैं। वे जीवन में ख्याति प्राप्त करेंगे तो इस मुक्त विश्वविद्यालय का नाम रोशन होगा। उन्होंने सभी छात्र छात्राओं से पुरा छात्र संगठन में रजिस्ट्रेशन कराने की अपील की। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि शीघ्र ही अन्य सभी क्षेत्रीय केंद्रों के माध्यम से भी शिविर लगाकर डिग्री का वितरण सुनिश्चित किया जाएगा।

इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक श्री डी पी सिंह ने कुलपति प्रोफेसर सिंह का आभार व्यक्त किया। डिग्री वितरण में परीक्षा विभाग के कर्मचारी तथा तकनीकी अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

शिक्षार्थियों को डिग्रियां प्रदान करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी तथा साथ में परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह

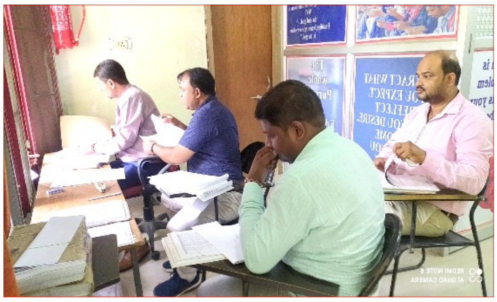

शिक्षार्थियों को डिग्रियां प्रदान करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी तथा साथ में परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

21 सितम्बर, 2022

मुक्त चिन्तन

मुविवि में महादेवी वर्मा के साहित्य में मानवीय संवेदना पर व्याख्यान का आयोजन

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए माननीय अतिथिगण

प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के मानविकी विद्याशाखा के तत्वाधान में हिन्दी विषय में दिनांक 21 सितम्बर, 2022 को **'महादेवी वर्मा के साहित्य में मानवीय संवेदना'** विषयक व्याख्यान का आयोजन किया गया। उक्त व्याख्यान की मुख्य वक्ता प्रोफेसर सरोज सिंह, अध्यक्ष, हिंदी विभाग, सी एम पी पीजी कॉलेज, प्रयागराज रही तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रबंधन अध्ययन विद्याशाखा के निदेशक प्रोफेसर ओमजी गुप्ता ने की।

प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत मानविकी विद्या शाखा के निदेशक एवं व्याख्यान के संयोजक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने किया। उन्होंने कहा कि महादेवी वर्मा का साहित्य मानवीय संवेदना से ओतप्रोत है। प्रारंभ में मुख्य वक्ता प्रोफेसर सिंह एवं अन्य मंचासीन अतिथियों ने दीप प्रज्वलन तथा मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पण किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रोफेसर सरोज सिंह, अध्यक्षता कर रहे प्रोफेसर ओमजी गुप्ता तथा कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी का अंगवस्त्रम एवं हरे पौधे युक्त गमला देकर स्वागत किया गया।

आयोजन सचिव प्रोफेसर रुचि बाजपेई ने संचालन तथा डॉ सतीश चंद्र जैसल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक, शिक्षक एवं शोध छात्र आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन करती हुई आयोजन सचिव प्रोफेसर रुचि बाजपेई

उन्होंने कहा कि महादेवी वर्मा का साहित्य मानवीय संवेदना से ओतप्रोत है : प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी

अतिथियों का स्वागत करते हुए मानविकी विद्याशाखा के निदेशक एवं व्याख्यान के संयोजक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी

सजल वेदना है महादेवी के काव्य में : प्रोफेसर सरोज सिंह

महादेवी वर्मा करुणा और वेदना की कवियत्री हैं। उनका संपूर्ण साहित्य काव्य और गद्य में विभक्त है। मानवीयता तो उनके साहित्य में कूट–कूट कर भरी है। गद्य में वह सशक्त भारतीय स्त्री का प्रतिनिधित्व करती हैं तो वहीं उनके काव्य में सजल वेदना का दर्शन होता है।

उक्त उद्‌गार प्रोफेसर सरोज सिंह, अध्यक्ष, हिंदी विभाग, सी एम पी पीजी कॉलेज ने बुधवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में व्यक्त किए। प्रोफेसर सिंह महादेवी वर्मा के साहित्य में मानवीय संवेदना विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दे रही थीं।

उन्होंने कहा कि महादेवी वर्मा छायावाद का प्रमुख स्तंभ रही हैं। उनका जीवन बौद्ध दर्शन से प्रभावित रहा। वह प्रकृति व प्रतीकों के माध्यम से अपनी भावनाओं को व्यंजित करती हैं। उनका जीवन दर्शन मनुष्य को प्रेरणा देता है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि महादेवी वर्मा अपनी रचनाओं के माध्यम से वंचितों को न्याय दिलाने की कोशिश करती हैं। नारीत्व की विविध अनुभूतियों का संचयन उनके उनके जीवन में दिखाई देता है।

अध्यक्षता करते हुए प्रबंधन अध्ययन विद्याशाखा के निदेशक प्रोफेसर ओमजी गुप्ता ने कहा कि प्रयाग महादेवी वर्मा की कर्मभूमि रही है। महादेवी वर्मा ने बहुत व्यापक अर्थ में सौंदर्य को परिभाषित किया है तथा संकेतों में गद्य का निर्माण किया है। महादेवी की काव्य रचना मानवीय संवेदना बनाए रखने के लिए समाज को नया संदेश देती है।

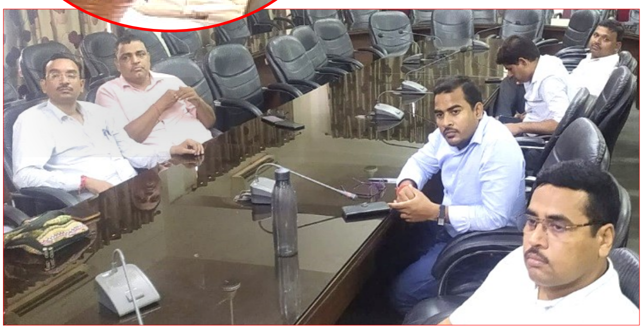

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए डॉ सतीश चंद्र जैसल

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

22 सितम्बर, 2022

मुक्त चिन्तन

कुलपति ने बुंदेलखंड में किया नए अध्ययन केंद्र का उदघाटन

जरूरतमंद छात्रों को मिलेगी रोजगार परक शिक्षा– कुलपति

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के झांसी क्षेत्रीय केंद्र के अंतर्गत बुंदेलखंड महाविद्यालय, झांसी में दिनांक 22 सितम्बर, 2022 को नए अध्ययन केंद्र का उद्घाटन माननीय कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी के कर कमलों द्वारा किया गया। इस तरह बुंदेलखंड क्षेत्र में अध्ययन केंद्रों की संख्या बढ़कर 42 हो गई।

बुंदेलखंड महाविद्यालय में स्थापित अध्ययन केंद्र का उद्घाटन करते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने कहा कि बुंदेलखंड के पिछड़े क्षेत्रों में मुक्त विश्वविद्यालय दूरस्थ शिक्षा का प्रचार प्रसार कर रहा है। इसी कड़ी में मुक्त विश्वविद्यालय का यह नया अध्ययन केंद्र आसपास के लोगों को उनकी जरूरतों के अनुसार शिक्षा प्रदान करेगा। यह अध्ययन केंद्र छात्रों को कौशल विकास पर आधारित रोजगार परक शिक्षा भी प्रदान करेगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि प्राचार्य के निर्देशन में मुक्त विश्वविद्यालय का यह अध्ययन केंद्र एक नए आयाम स्थापित करेगा।

इस अवसर पर माननीय कुलपति प्रोफेसर सिंह ने रानी लक्ष्मीबाई एवं स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. एस. के. राय ने कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह का स्वागत किया। उद्घाटन अवसर पर क्षेत्रीय केंद्र झांसी के प्रभारी निदेशक प्रो. पीके पांडेय, परीक्षा नियंत्रक श्री डी. पी. सिंह परामर्श प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ. दिनेश सिंह, प्रवेश प्रभारी डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव, सहायक लेखाकार श्री मोहितोश कुमार, क्षेत्रीय केंद्र झांसी की समन्वयक डॉ. रेखा त्रिपाठी महाविद्यालय परिवार के सदस्यगण एवं छात्र–छात्राएं आदि उपस्थित रहे।

रानी लक्ष्मीबाई एवं स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी तथा साथ में विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय परिवार के सदस्यगण

बुन्देलखण्ड महाविद्यालय, झाँसी के प्रागंण में माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 एस.के. राय

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 एस.के. राय

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी का स्वागत करती हुई एन.सी.सी. की छात्रायें

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी के साथ महाविद्यालय के परिवार के सदस्यगण

प्रो. पी.के. पाण्डेय, श्री डी. पी. सिंह, डॉ. दिनेश सिंह एवं डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो० एस.के. राय

कार्यक्रम की अन्य झलकिया

महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

22 सितम्बर, 2022

क्षेत्रीय केन्द्र झाँसी के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्यो एवं समन्वयकों की एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करती हुई माननीया कुलपति प्रो० सीमा सिंह जी

माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण करती हुई माननीया कुलपति प्रो० सीमा सिंह जी

दिनांक 22 सितम्बर, 2022 को क्षेत्रीय केंद्र झाँसा द्वारा अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्यों एवं समन्वयको की **राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के लक्ष्यों की प्राप्ति में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा अधिगम की भूमिका** विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी के हिन्दी विभाग के सभागार में आयोजित की गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने की। इस कार्यशाला में झाँसी क्षेत्रीय केन्द्र के प्रभारी निदेशक, प्रो0 पी0 के0 पाण्डेय, परीक्षा नियंत्रक श्री डी0 पी0 सिंह, परामर्श प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ0 दिनेश सिंह, प्रवेश प्रभारी डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव, वित्त विभाग से श्री मोहित कुमार, तथा झाँसी क्षेत्रीय केंद्र के अंतर्गत आने वाले 05 जिलो के 42 अध्ययन केंद्रों से पधारे अध्ययन केंद्रों के प्राचार्य एवं समन्वयको ने कार्यशाला में प्रतिभाग किया। विषय प्रवर्तन करते हुए झाँसी क्षेत्रीय केन्द्र के प्रभारी निदेशक प्रो. पी. के. पाण्डेय ने मुक्त विश्वविद्यालय की गुणवत्ता, एवं नई शिक्षा नीति–2022 में नवाचार कैसे करें के बारे में बताया। परीक्षा नियंत्रक श्री डी.पी. सिंह ने परीक्षा को और बेहतर करने और समस्याओं को हल करने की प्रतिबद्धता जताई। कार्यक्रम का संचालन झाँसी क्षेत्रीय केन्द्र की समन्वयक डॉ0 रेखा त्रिपाठी ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन परामर्श प्रभारी डॉ. दिनेश सिंह ने किया।

मंचासीन माननीय अतिथिगण एवं सभागार में उपस्थित अध्ययन केंद्रों के प्राचार्य एवं समन्वयक आदि

कार्यक्रम का संचालन करती हुई झॉसी क्षेत्रीय केन्द्र की समन्वयक डॉ0 रेखा त्रिपाठी एवं मंचासीन माननीय अतिथिगण

माननीय अतिथियों का स्वागत

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए अध्ययन केन्द्र के समन्वयक

प्रो0 पुनीत बिसारिया जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए प्रवेश प्रभारी डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव

प्रभारी निदेशक, झॉसी, प्रो0 पी0 के पाण्डेय जी एवं परीक्षा नियंत्रक श्री डी0पी0 सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकगण

विषय प्रवर्तन करते हुए झाँसी क्षेत्रीय केन्द्र के प्रभारी निदेशक प्रो. पी. के. पाण्डेय ने मुक्त विश्वविद्यालय की गुणवत्ता, एवं नई शिक्षा नीति–2022 में नवाचार कैसे करें के बारे में बताया।

परीक्षा नियंत्रक श्री डी.पी. सिंह ने परीक्षा को और बेहतर करने और समस्याओं को हल करने की प्रतिबद्धता जताई।

प्रवेश के सम्बन्ध में बोलते हुए प्रवेश प्रभारी डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव

वित्त के सम्बन्ध में बोलते हुए श्री मोहितोष

परामर्श के सम्बन्ध में बोलते हुए परामर्श प्रभारी डॉ. दिनेश सिंह

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

गुणवत्तायुक्त कार्यक्रमों के साथ जन जन तक पहुंच रहा मुक्त विश्वविद्यालय– कुलपति

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि मुक्त और दूरस्थ शिक्षा को उच्च शिक्षा से वंचित ग्रामीण अंचलों के शिक्षार्थियों के द्वार तक ले जाने में अध्ययन केंद्र बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। दूरस्थ शिक्षा द्वारा संचालित कार्यक्रमों की गुणवत्ता को बनाए रखकर जन जन तक मुक्त विश्वविद्यालय पहुंच रहा है। भारत सरकार ने मुक्त विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों के महत्व को परिभाषित करते हुए इसे पारंपरिक विश्वविद्यालयों के समकक्ष माना है। यह देश के सभी मुक्त विश्वविद्यालयों के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। यूजीसी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अब मुक्त विश्वविद्यालय की डिग्री देखकर कोई छंटनी करने की हिम्मत नहीं कर पाएगा।

कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि बुंदेलखंड के सभी क्षेत्रों में लोगों को मुक्त शिक्षा उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। कोरोना काल में मुक्त विश्वविद्यालयों द्वारा ऑनलाइन एजुकेशन के माध्यम से शिक्षार्थियों को घर बैठे गुणवत्ता युक्त शिक्षा उपलब्ध कराने के एवज में यूजीसी ने उन्हें यह ईनाम दिया है। वास्तव में कोरोना काल में ही ऑनलाइन शिक्षा के युग का सूत्रपात हुआ जब जिंदगी थम सी गई थी और लोग घरों में कैद हो गए थे। ऐसे में मुक्त विश्वविद्यालयों ने दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के माध्यम से जन जन तक ऑनलाइन शिक्षा प्रदान की। जिसे न केवल भारत सरकार ने सराहा बल्कि विगत दिनों यूजीसी ने मुक्त विश्वविद्यालय की महत्ता को स्पष्ट करते हुए इसे पारंपरिक विश्वविद्यालयों की डिग्री के समकक्ष भी करार दिया है।

उन्होंने कहा कि प्रवेशार्थियों का रुझान बढ़ने के कारण विश्वविद्यालय ने प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 30 सितंबर कर दी है। यह उत्तर प्रदेश के निवासियों के लिए एक सुनहरा मौका है। जब वह विश्वविद्यालय के लोकप्रिय कार्यक्रमों में प्रवेश लेकर अपने कैरियर को संवार सकते हैं। प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय को उत्कृष्ट बनाने के लिए अध्ययन केंद्रों की भूमिका अति महत्वपूर्ण होती है। अध्ययन केंद्र विश्वविद्यालय एवं शिक्षार्थियों के मध्य वे कड़ी होते हैं, जो विभिन्न प्रकार की समस्याओं का प्राथमिक स्तर पर त्वरित समाधान करते हैं। समन्वयकों का यह दायित्व है कि वे उच्च शिक्षा के प्रसार के साथ ही साथ शैक्षिक गुणवत्ता के सतत सुधार एवं परिमार्जन की भूमिका निभाएं। प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा चलाये जा रहे रोजगार परक डिग्री और डिप्लोमा कार्यक्रमों की लोकप्रियता सबसे अधिक है। विश्वविद्यालय ऐसे सभी कार्यक्रमों का सतत मूल्यांकन करवा रहा है। जिससे समय के साथ इसे सभी उम्र एवं वर्ग के लोगों के लिए उपयोगी बनाया जा सके।

प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में ऑनलाइन प्रवेश के साथ ही छात्र–छात्राओं के घर पर पाठ्य सामग्री भेज दी जाती है। विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों के असाइनमेंट ऑनलाइन कर दिए गए हैं । छात्र घर पर ही बैठ कर असाइनमेंट पूरा करता है और उसे अपने अध्ययन केंद्र पर जमा करता है। इसके उपरांत उसे परीक्षा में बैठने का अवसर प्रदान किया जाता है। विश्वविद्यालय की लचीली व्यवस्था के अंतर्गत परामर्श कक्षाओं में छात्र काउंसलर से अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त कर सकता है। सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में विश्वविद्यालय ने छात्रों की ऑनलाइन काउंसलिंग की भी व्यवस्था की है। इसके साथ ही विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों के वीडियो लेक्चर विश्वविद्यालय के यूट्यूब पेज पर ऑनलाइन हैं। जिन्हें देखकर प्रतियोगी छात्र भी भरपूर लाभ उठा रहे हैं।

कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं राज्यपाल के निर्देश पर विश्वविद्यालय ने गत मंगलवार को शिविर लगाकर उपाधि वितरण प्रारंभ किया। जिससे पूरे उत्तर प्रदेश के छात्रों में उत्साह है।प्रोफेसर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय ओपन एजुकेशनल रिपोजिटरी ओ. आई. आर.) की स्थापना की दिशा में प्रयास कर रहा है। जिसके अंतर्गत विद्या शाखाएं पाठ्यक्रमों की शैक्षणिक सामग्री को ऑनलाइन स्वरूप में शिक्षार्थियों को उपलब्ध कराएंगी। इसके अंतर्गत शिक्षकों को ओ. आई. आर. तैयार करने की ट्रेनिंग दी जा रही है।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि शिक्षकों को नवाचार एवं शोध कार्यों को बढ़ावा देने के लिए पॉलिसी फॉर प्रमोशन ऑफ रिसर्च के अंतर्गत वित्तीय सहायता दी जा रही है। नवाचार के अंतर्गत शिक्षार्थियों को लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम एल एम एस के माध्यम से पाठ्यक्रम परामर्श अध्ययन सामग्री इत्यादि को देने की व्यवस्था की दिशा में प्रयास किया जा रहा है। विश्वविद्यालय स्माइल योजना के अंतर्गत (स्कीम टू मार्जिनलाइज्ड इनडिवाइड्यूल फॉर लर्निंग एंड अर्निंग) कोविडकाल में अपने माता पिता को खो चुके बच्चों, किन्नरों, जेल बंदियों, देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले भारतीय सेना एवं अर्धसैनिक बलों के शहीद जवानों के आश्रितों को प्रवेश शुल्क में छूट दिए जाने का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांव की महिलाओं को प्रवेश शुल्क में 50ः की छूट प्रदान की जाएगी।

कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि ओ ई आर, एल एम एस और यूट्यूब चौनल सहित समस्त आनलाइन गतिविधियों को एक छतरी के नीचे लाने के लिए सेंटर फॉर ऑनलाइन एजुकेशन की स्थापना की गई है। जिसका उद्घाटन शीघ्र राज्यपाल द्वारा किया जाएगा। प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में गुणात्मक विस्तार की संभावनाएं अभी भी बनी हुई हैं। इसीलिए दूरस्थ शिक्षा के विकास, नवीनीकरण और उभरती चुनौतियों का सामना करने के लिए सतत अनुसंधान चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें न केवल दूरस्थ शिक्षा पद्धति को सर्व सुलभ बनाना है बल्कि दूरस्थ शिक्षा के समुपयुक्त साधनों से शिक्षार्थी केंद्रित गुणवत्तापरक मूल्य आधारित शिक्षा भी प्रदान करनी है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी के तीव्र विस्तार ने विभिन्न सांस्कृतिक और सामाजिक समूहों के शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करने की आशाएं एवं आकांक्षाएं बढ़ा दी हैं।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज नवाचार और स्टार्टअप के पोषण के लिए एक मजबूत एजुकेशनल इको सिस्टम का निर्माण कर रहा है जो सतत आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा। इससे रोजगार के नए अवसर निकलेंगे और युवाओं में आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। निर्यात को बढ़ावा मिलेगा तथा फोकल एवं लोकल की विचारधारा समृद्ध होगी। विश्वविद्यालय कानपुर क्षेत्रीय केंद्र के माध्यम से छात्रों एवं स्थानीय लोगों के समृद्ध विचारों को पोषित करेगा। साथ ही उनकी समस्याओं के समाधान का प्रयास करेगा।

कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र कानपुर हेतु कानपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जूही, कानपुर में आबंटित भूखंड पर क्षेत्रीय कार्यालय एवं अध्ययन केंद्र हेतु भवन निर्माण का कार्य द्रुत गति से अंतिम चरण में है। शीघ्र ही क्षेत्रीय कार्यालय अपने भवन से संचालित किया जाएगा। प्रोफेसर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के 12 क्षेत्रीय केंद्रों में से तीन क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज, लखनऊ तथा बरेली के भवन निर्मित किए जा चुके हैं एवं वर्तमान में अपनी पूर्ण क्षमता से कार्यरत हैं। गोरखपुर में क्षेत्रीय केन्द्र के लिए भूमि क्रय की गई है। जिसका भूमि पूजन एवं शिलान्यास इसी वर्ष 29 मई को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कर कमलों द्वारा किया जा चुका है। अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र हेतु भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया प्रगति पर है। वाराणसी क्षेत्रीय केंद्र हेतु भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को स्मृति चिन्ह भेट करती हुई झाँसी क्षेत्रीय केन्द्र की समन्वयक डॉ0 रेखा त्रिपाठी

पत्रकार बन्धुओं से वार्ता करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

कार्यक्रम की अन्य झलकिया

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

शिष्टाचार भेंट

22-09-2022

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी के माननीय कुलपति श्री मुकेश पाण्डेय जी से झांसी में शिष्टाचार भेंट की।

अन्य झलकिया

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान करते हुए बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी के माननीय कुलपति श्री मुकेश पाण्डेय जी

www.jagran.com
वर्ष - 81 अंक - 39 पृष्ठ - 20 मूल्य - 5 रुपये
झाँसी, शुक्रवार 23 सितम्बर, 2022
** नगर संस्करण

दैनिक जागरण

• दिल्ली • उत्तर प्रदेश • मध्य प्रदेश • हरियाणा • उत्तराखंड • बिहार • झारखंड • पंजाब • जम्मू कश्मीर • हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

जन-जन तक पहुँच रहा मुक्त विश्वविद्यालय : प्रो. सीमा सिंह

मुक्त विश्वविद्यालय के गोद लिए गाँव की महिलाओं को फीस में मिलेगी 50 प्रतिशत छूट

जेल में निरुद्ध बन्दी, शहीदों के आश्रित सहित कई श्रेणी में मिलेगी शुल्क राहत

झाँसी : गुरुवार को बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के गाँधी ऑडिटोरियम में उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि भारत सरकार ने मुक्त विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रम के महत्व को परिभाषित करते हुए इसे पारम्परिक विश्वविद्यालयों के समकक्ष माना है। यूजीसी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अब मुक्त विश्वविद्यालय की डिग्री देखकर कोई छँटनी करने की हिम्मत नहीं कर पाएगा। वह यहाँ पत्रकारों के साथ वार्ता कर रही थीं।

मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति ने पत्रकारों को सम्बोधित कर बताया कि झाँसी क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत जालौन, महोबा, ललितपुर, बाँदा के साथ ही झाँसी जिले में 42 अध्ययन केन्द्र संचालित हैं। संचालित विभिन्न कोर्स में प्रवेश की तिथि भी 30 सितम्बर निर्धारित कर दी गई है। संस्थान की डिग्री और डिप्लोमा कार्यक्रम की लोकप्रियता सबसे अधिक है। पत्रकार वार्ता में प्रो. पीके पाण्डेय, डीपी सिंह, डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ. दिनेश सिंह एवं क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. रेखा त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।

मुक्त विश्वविद्यालय की यह है उपलब्धि

- विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों के वीडियो लेक्चर विश्वविद्यालय के यू-ट्यूब पेज पर उपलब्ध है।
- कुलाधिपति/राज्यपाल के निर्देश पर विश्वविद्यालय ने शिविर लगाकर उपाधि वितरण प्रारम्भ किया है।
- शिक्षकों को नवाचार एवं शोध कार्यों को बढ़ावा देने के लिए पॉलिसी फॉर प्रमोशन ऑफ रिसर्च के तहत वित्तीय सहायता दी जा रही है।
- शिक्षार्थियों को लर्निंग मैनेजमेण्ट सिस्टम के माध्यम से पाठ्यक्रम परामर्श अध्ययन सामग्री देने के प्रयास किए जा रहे हैं।
- विश्वविद्यालय स्माइल योजना में कोविड काल में अपने माता-पिता को खो चुके बच्चे, किन्नर, जेल बन्दी, भारतीय सेना एवं अर्धसैनिक बलों के शहीद जवानों के आश्रितों को प्रवेश शुल्क में छूट दी जाएगी।
- विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गाँव की महिलाओं को प्रवेश शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी।
- विश्वविद्यालय कानपुर क्षेत्रीय केन्द्र के माध्यम से छात्रों एवं स्थानीय लोगों के समृद्ध विचारों को पोषित करेगा।

झाँसी : राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की पत्रकार वार्ता में जानकारी देतीं कुलपति।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज गुणवत्तायुक्त कार्यक्रमों के साथ जनजन तक पहुंच रहा मुक्तविश्वविद्यालय - कुलपति

फर्स्ट लाइन संवाददाता

गुणवत्तायुक्त कार्यक्रमों के साथ जन-जन तक पहुंच रहा मुक्त विश्वविद्यालय : कुलपति

झाँसी। भारत सरकार ने मुक्त विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों के महत्व को परिभाषित करते हुए इसे पारंपरिक विश्वविद्यालयों के समकक्ष माना है। यह देश के सभी मुक्त विश्वविद्यालयों के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। यूजीसी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अब मुक्त विश्वविद्यालय की डिग्री देखकर कोई छंटनी करने की हिम्मत नहीं कर पाएगा। उक्त जानकारी उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह दी। प्रोफेसर सीमा सिंह झांसी क्षेत्रीय केंद्र से संबंधित अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों की कार्यशाला को संबोधित किया। उन्होंने बताया की विवि में प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 30 सितंबर कर दी है। प्रोफेसर सीमा सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा चलाये जा रहे रोजगार परक डिग्री और डिप्लोमा कार्यक्रमों की लोकप्रियता सबसे अधिक है। विश्वविद्यालय ऐसे सभी कार्यक्रमों का सतत मूल्यांकन करवा रहा है। जिससे समय के साथ इसे सभी उम्र एवं वर्ग के लोगों के लिए उपयोगी बनाया जा सके। प्रेस वार्ता में प्रोफेसर पी. के. पांडेय, डी. पी. सिंह, डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ. दिनेश सिंह एवं क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. रेखा त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।

मुक्त विश्वविद्यालय की डिग्री कोई संस्थान नहीं कर सकता है अमान्य

गुणवत्तायुक्त कार्यक्रमों के साथ जन जन तक पहुंच रहा मुक्त विश्वविद्यालय : कुलपति

गुणवत्तायुक्त कार्यक्रमों के साथ जन जन तक पहुंच रहा मुक्त विश्वविद्यालयः कुलपति

झाँसी। भारत सरकार ने मुक्त विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों के महत्व को परिभाषित करते हुए इसे पारंपरिक विश्वविद्यालयों के समकक्ष माना है। यह देश के सभी मुक्त विश्वविद्यालयों के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। यूजीसी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अब मुक्त विश्वविद्यालय की डिग्री देखकर कोई छंटनी करने की हिम्मत नहीं कर पाएगा। उक्त जानकारी उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने दी।

प्रोफेसर सीमा सिंह झाँसी क्षेत्रीय केंद्र से संबंधित अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों की कार्यशाला को संबोधित किया। झांसी क्षेत्रीय केंद्र के अंतर्गत जालौन महोबा ललितपुर बांदा तथा झांसी जिले में 42 अध्ययन केंद्र संचालित हैं। बुंदेलखंड के सभी क्षेत्रों में लोगों को मुक्त शिक्षा उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। यूजीसी ने भी मुक्त विश्वविद्यालय की महत्ता को स्पष्ट करते हुए इसे पारंपरिक विश्वविद्यालयों की डिग्री के समकक्ष भी करार दिया है। उन्होंने बताया की विवि में प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 30 सितंबर कर दी है। प्रोफेसर सीमा सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा चलाये जा रहे रोजगार परक डिग्री और डिप्लोमा कार्यक्रमों की लोकप्रियता सबसे अधिक है। विश्वविद्यालय ऐसे सभी कार्यक्रमों का सतत मूल्यांकन करवा रहा है। जिससे समय के साथ इसे सभी उम्र एवं वर्ग के लोगों के लिए उपयोगी बनाया जा सके।

प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में ऑनलाइन प्रवेश के साथ ही छात्र-छात्राओं के घर पर पाठ्य सामग्री भेज दी जाती है। विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों के असाइनमेंट ऑनलाइन कर दिए गए हैं। छात्र घर पर ही बैठ कर असाइनमेंट पूरा करता है और उसे अपने अध्ययन केंद्र पर जमा करता है। इसके उपरांत उसे परीक्षा में बैठने का अवसर प्रदान किया जाता है। विश्वविद्यालय की लचीली व्यवस्था के अंतर्गत परामर्श कक्षाओं में छात्र काउंसलर से अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त कर सकता है। सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में विश्वविद्यालय ने छात्रों की ऑनलाइन काउंसलिंग की भी व्यवस्था की है। इसके साथ ही विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों के वीडियो लेक्चर विश्वविद्यालय के यूट्यूब पेज पर ऑनलाइन हैं। जिन्हें देखकर प्रतियोगी छात्र भी भरपूर लाभ उठा रहे हैं।

कुलपति प्रोफेसर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं राज्यपाल के निर्देश पर विश्वविद्यालय ने गत मंगलवार को शिविर लगाकर उपाधि वितरण प्रारंभ किया। जिससे पूरे उत्तर प्रदेश के छात्रों में उत्साह है।प्रोफेसर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय ओपन एजुकेशनल रिपोजिटरी ओ. आई. आर.) की स्थापना की दिशा में प्रयास कर रहा है। जिसके अंतर्गत विद्या शाखाएं पाठ्यक्रमों की शैक्षणिक सामग्री को ऑनलाइन स्वरूप में शिक्षार्थियों को उपलब्ध कराएंगी। इसके अंतर्गत शिक्षकों को ओ. आई. आर. तैयार करने की ट्रेनिंग दी जा रही है।

प्रोफेसर सिंह ने बताया कि शिक्षकों को नवाचार एवं शोध कार्यों को बढ़ावा देने के लिए पॉलिसी फॉर प्रमोशन ऑफ रिसर्च के अंतर्गत वित्तीय सहायता दी जा रही है। नवाचार के अंतर्गत शिक्षार्थियों को लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम एल एम एस के माध्यम से पाठ्यक्रम परामर्श अध्ययन सामग्री इत्यादि को देने की व्यवस्था की दिशा में प्रयास किया जा रहा है। विश्वविद्यालय स्माइल योजना के अंतर्गत (स्कीम टू मार्जिनलाइज्ड इनडिवाइड्यूल फॉर लर्निंग एंड अर्निंग) कोविडकाल में अपने माता पिता को खो चुके बच्चों, किन्नरों, जेल बंदियों, देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले भारतीय सेना एवं अर्धसैनिक बलों के शहीद जवानों के आश्रितों को प्रवेश शुल्क में छूट दिए जाने का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांव की महिलाओं को प्रवेश शुल्क में 50% की छूट प्रदान की जाएगी। प्रोफेसर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज नवाचार और स्टार्टअप के पोषण के लिए एक मजबूत एजुकेशनल इको सिस्टम का निर्माण कर रहा है जो सतत आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा। इससे रोजगार के नए अवसर निकलेंगे और युवाओं में आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। निर्यात को बढ़ावा मिलेगा तथा फोकल एवं लोकल की विचारधारा समृद्ध होगी। विश्वविद्यालय कानपुर क्षेत्रीय केंद्र के माध्यम से छात्रों एवं स्थानीय लोगों के समृद्ध विचारों को पोषित करेगा। साथ ही उनकी समस्याओं के समाधान का प्रयास करेगा। प्रेस वार्ता में प्रोफेसर पी. के. पांडेय, डी. पी. सिंह, डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ. दिनेश सिंह एवं क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. रेखा त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।

संस्थापक प्रधान संपादक स्व. महेश प्रसाद अग्रवाल: दैनिक भास्कर के स्वत्वाधिकारी एवं सम्पादक संजय कुमार अग्रवाल के लिये प्रकाशक, मुद्रक रमेश चन्द्र तिवारी द्वारा इम्प्रेसन्स प्रिन्टिंग एण्ड पैकेजिंग लि. 14-15, इण्डस्ट्रियल

गुणवत्तायुक्त कार्यक्रमों के साथ जन जन तक पहुंच रहा मुक्त विश्वविद्यालय : कुलपति

गुणवत्तायुक्त कार्यक्रमों के साथ जन जन तक पहुंच रहा मुक्त विश्वविद्यालय-कुलपति

(जनप्रिय संवाददाता)

गुणवत्तायुक्त कार्यक्रमों के साथ जन जन तक पहुंच रहा मुक्त विश्वविद्यालय : कुलपति

दैनिक बीपीएन टाइम्स

झाँसी। भारत सरकार ने मुक्त विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों के महत्व को परिभाषित करते हुए इसे पारंपरिक विश्वविद्यालयों के समकक्ष माना है। यह देश के सभी मुक्त विश्वविद्यालयों के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। यूजीसी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अब मुक्त विश्वविद्यालय की डिग्री देखकर कोई छंटनी करने की हिम्मत नहीं कर पाएगा। उक्त जानकारी उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने दी। प्रोफेसर सीमा सिंह झांसी क्षेत्रीय केंद्र से संबंधित अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों की कार्यशाला को संबोधित किया। झांसी क्षेत्रीय केंद्र के अंतर्गत जालौन महोबा ललितपुर बांदा तथा झांसी जिले में 42 अध्ययन केंद्र संचालित हैं। बुंदेलखंड के सभी क्षेत्रों में लोगों को मुक्त शिक्षा उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

गुणवत्तायुक्त कार्यक्रमों के साथ जन – जन तक पहुंच रहा मुक्त विश्वविद्यालय : कुलपति

स्वदेश ■ झांसी

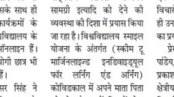

अमर उजाला
6 राज्य • 2 केंद्रशासित प्रदेश • 22 संस्करण
महानगर वर्ष 26 । अंक 85 । पृष्ठ : 14 । मूल्य : पांच रुपये

अमर उजाला

झांसी
शुक्रवार, 23 सितंबर 2022
आश्विन कृष्ण-अष्टमी
विक्रम संवत-2079

अब मुक्त विवि के छात्र पढ़ सकेंगे ई-बुक : वीसी

अमर उजाला ब्यूरो

झांसी। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के बीयूआई में राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि यूनिवर्सिटी ओपन एजुकेशनल रिपोजिटरी (ओईआर) की स्थापना की जा रही है। इसके तहत विद्या शाखाएं पाठ्यक्रमों की शैक्षणिक सामग्री को ऑनलाइन स्वरूप में छात्रों को उपलब्ध कराएंगी।

उन्होंने बताय कि नवाचार के तहत शिक्षार्थियों को लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम के जरिए पाठ्यक्रम परामर्श अध्ययन सामग्री आदि देने के प्रयास हो रहे हैं। विश्वविद्यालय स्माइल योजना के तहत कोरोना काल में माता-पिता खो चुके बच्चों, किन्नर, जेल बंदियों, शहीद जवानों के आश्रितों को प्रवेश शुल्क में छूट देने का निर्णय लिया गया है। कई कार्यक्रमों के असाइनमेंट ऑनलाइन कर दिए गए हैं। छात्रों के लिए ऑनलाइन काउंसलिंग की भी व्यवस्था की है। इस दौरान प्रो. पीके पांडेय, डीपी सिंह, डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ. दिनेश सिंह, क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. रेखा त्रिपाठी मौजूद रहीं।

अध्ययन केंद्र का शुभारंभ करतीं कुलपति प्रो. सीमा सिंह। -संवाद

अब 30 सितंबर तक होंगे प्रवेश

कुलपति ने बीयू के हिंदी विभाग में झांसी क्षेत्रीय केंद्र से संबंधित अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों की कार्यशाला को संबोधित किया। कहा कि झांसी, ललितपुर, जालौन, महोबा और बांदा में 42 अध्ययन केंद्र हैं। विश्वविद्यालय में प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 30 सितंबर कर दी गई है।

बीकेडी में मुक्त विवि का अध्ययन केंद्र शुरू

झांसी। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने बीकेडी में अध्ययन केंद्र का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप कोई भी बालक उच्च शिक्षा प्राप्त करने से वंचित न रहे, इसके लिए वैकल्पिक शिक्षा द्वारा अध्ययन को सुचारु बनाए रखने का ये सर्वोत्तम अवसर है। प्राचार्य डॉ. एसके राय ने कहा कि जो विद्यार्थी नियमित पाठ्यक्रम में प्रवेश से वंचित रह गए हों, वो मुक्त विश्वविद्यालय के स्नातक, परास्नातक, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। इस दौरान परीक्षा नियंत्रक डॉ. डीपी सिंह, डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ. पीके पांडेय, डॉ. रेखा त्रिठी, डॉ. प्रतिमा सिंह परमार, डॉ. शिल्पी शर्मा मौजूद रहे। ब्यूरो

जिला संगठन मंत्री श्री शिवम जी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद आजमगढ़ व अन्य कार्यकर्ता बन्धु

एम ए मेमोरियल डिग्री कालेज आजमगढ़ में उ. प्र.राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय का नया अध्ययन केन्द्र खुलने पर विश्वविद्यालय से सम्बन्धित जानकारी व अधिक से अधिक प्रवेश पर प्राचार्य व प्राध्यापकों के साथ चर्चा

अमर उजाला

एनसीआरटीएस के राष्ट्रीय निदेशक बने प्रो. एके मलिक

संवाद न्यूज एजेंसी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के प्रो.एके मलिक को राष्ट्रीय स्तर की संस्था नेशनल काउंसिल ऑफ रिसर्चर टीचर साइंटिस्ट इंडिया (एनसीआरटीएस) में राष्ट्रीय निदेशक का उत्तरदायित्व मिला है। प्रो. मलिक के चयन पर कुलपति प्रो.सीमा सिंह, कुलसचिव प्रो. पीपी दुबे, विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. आशुतोष गुप्ता व अन्य विद्या शाखाओं के निदेशकगण एवं शिक्षकगण सहित अनेकों संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने शुभकामनाएं दी है।

भारत सरकार की संस्था विज्ञान प्रसार की इकाई विपनेट से संबद्ध नेशनल काउंसिल ऑफ रिसर्चर टीचर साइंटिस्ट इंडिया की ओर से मुक्त विवि के प्रोफेसर एके मलिक को वर्ष 2022 के लिए राष्ट्रीय निदेशक के रूप में सेवाएं देने के लिए मनोनीत किया गया है।

डॉ. मलिक ने बताया कि वह विज्ञान लोक प्रियकरण हेतु सतत प्रयासरत हैं तथा ऐच्छिक रूप से उक्त राष्ट्रीय स्तर की संस्था को निःशुल्क सेवाएं देंगे।

प्रो.मलिक को विज्ञान एवं तकनीकी के प्रचार प्रसार एवं राष्ट्रीय स्तर पर अतुलनीय कार्य करने हेतु 1 फरवरी 2022 को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार तथा 22 दिसंबर, 2018 विपनेट-विज्ञान प्रसार, भारत सरकार के डीएसटी के तहत नेटवर्क दासा और त्रिपुरा के एस. डब्ल्यू. ए. से राष्ट्रीय गणित दिवस पर गणित लोकप्रियता के लिए श्रीनिवास रामानुजन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

प्रो मलिक ने बी. के. बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी पिलानी के गणित विभाग में पंद्रह वर्षों तक शैक्षिक योगदान दिया है।

हिन्दी दैनिक सहज स्वरूप
राष्ट्रीय एकता के प्रति पूर्ण समर्पित

मुविवि के गणित के प्रोफेसर को मिला एनसीआरटीएस में राष्ट्रीय निदेशक का उत्तरदायित्व

दैनिक अमृत प्रभात

गणित के प्रोफेसर को मिला एनसीआरटीएस में राष्ट्रीय निदेशक का उत्तरदायित्व

समय से पहले 'समय' पर नजर
न्यायाधीश
प्रयागराज, शनिवार 24 सितम्बर, 2022

मुविवि के गणित के प्रोफेसर को मिला एनसीआरटीएस में राष्ट्रीय निदेशक का उत्तरदायित्व

ट्रू टाइम्स
TRUE TIMES

मुविवि के गणित के प्रोफेसर को मिला एनसीआरटीएस में राष्ट्रीय निदेशक का उत्तरदायित्व

ट्रू टाइम्स संवाददाता

दैनिक लोकमित्र
सच्चाई की जंग
www.dailylokmitra.com

प्रोफेसर ए के मलिक को मिला एनसीआरटीएस में राष्ट्रीय निदेशक का उत्तरदायित्व

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के प्रोफेसर ए. के. मलिक को राष्ट्रीय स्तर की संस्था नेशनल काउंसिल ऑफ रिसर्चर टीचर साइंटिस्ट इंडिया एन.सी.आर.टी.एस. में राष्ट्रीय निदेशक का उत्तरदायित्व मिला है। प्रो. मलिक के चयन पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह, कुलसचिव प्रो. पी.पी. दुबे, विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. आशुतोष गुप्ता व अन्य विद्या शाखाओं के निदेशकगण एवं शिक्षकगण सहित अनेकों संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने शुभकामनाएं दी हैं।भारत सरकार की संस्था विज्ञान प्रसार की इकाई विपनेट से संबद्ध नेशनल काउंसिल ऑफ रिसर्चर टीचर साइंटिस्ट इंडिया (एन.सी.आर.टी.एस.) द्वारा उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के प्रोफेसर ए.के. मलिक को वर्ष 2022 के लिए राष्ट्रीय निदेशक के रूप में सेवाएं देने के लिए मनोनीत किया है। डॉ. मलिक ने बताया कि वह विज्ञान लोकप्रियकरण हेतु सतत प्रयासरत हैं तथा ऐच्छिक रूप से उक्त राष्ट्रीय स्तर की संस्था को निःशुल्क सेवाएं देंगे।प्रो. ए.के. मलिक को विज्ञान एवं तकनीकी के प्रचार प्रसार एवं राष्ट्रीय स्तर पर अतुलनीय कार्य करने हेतु 1 फरवरी 2022 को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार तथा 22 दिसंबर, 2018 विपनेट-विज्ञान प्रसार, भारत सरकार के डीएसटी के तहत नेटवर्क दासा और त्रिपुरा के एस. डब्ल्यू. ए. से राष्ट्रीय गणित दिवस पर गणित लोकप्रियता के लिए श्रीनिवास रामानुजन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। प्रो मलिक ने बी. के. बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी पिलानी के गणित विभाग में पंद्रह वर्षों तक शैक्षिक योगदान दिया है। इसी वर्ष जून में प्रो0 मलिक मुक्त विश्वविद्यालय में गणित के प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किये गये।

पायनियर
लखनऊ, शनिवार, 24 सितंबर, 2022

प्रो. मलिक बने एनसीआरटीएस में राष्ट्रीय निदेशक

24 सितम्बर, 2022

पूर्व संध्या पर मुक्त विश्वविद्यालय में दीनदयाल उपाध्याय जयंती समारोह का आयोजन

पं० दीनदयाल उपाध्याय जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए माननीय अतिथिगण

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ के तत्वावधान में शनिवार दिनांक 24 सितम्बर, 2022 को पूर्व संध्या पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के उच्च शिक्षा संघ वर्ग प्रमुख श्री महेंद्र कुमार जी रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के प्रबंधन अध्ययन विद्याशाखा के निदेशक प्रो. ओम जी गुप्ता जी ने की।

इसके पूर्व अतिथियों का स्वागत पं० दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के संयोजक प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल ने किया। इस अवसर पर शोध पीठ के ब्रोशर का विमोचन भी अतिथियों ने किया। समारोह का संचालन सह–संयोजक प्रो. सत्यपाल तिवारी एवं धन्यवाद ज्ञापन आयोजन सचिव डॉ संजय कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर निदेशक, शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र छात्राएं आदि उपस्थित रहे।

समारोह का संचालन करते हुए सह–संयोजक प्रो. सत्यपाल तिवारी

अतिथियों का स्वागत करते हुए पं0 दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के संयोजक प्रोफेसर गिरिजा शंकर शुक्ल

स्वागत एवं सम्मान

समारोह के मुख्य अतिथि श्री महेंद्र कुमार जी को अंगवस्त्र भेंट कर उनका सम्मान करते हुए प्रो. ओमजी गुप्ता जी एवं प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल

दीनदयाल के विचार ही दे सकते हैं दुनिया को सुख शांति– महेंद्र कुमार

श्री महेंद्र कुमार जी

समारोह के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के उच्च शिक्षा संघ वर्ग प्रमुख श्री महेंद्र कुमार जी ने कहा कि आज हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं ऐसे में हमें आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के बाद औपनिवेशिक मानसिकता से बाहर निकलना होगा। अगर हम औपनिवेशिक मानसिकता से बाहर नहीं निकल पाए तो हम भारत को श्रेष्ठ भारत नहीं बना सकेंगे। मुख्य अतिथि श्री कुमार ने कहा कि आज दीनदयाल उपाध्याय के विचारों की प्रासंगिकता बढ़ती जा रही है। दुनिया को सुख एवं शांति का विचार एकात्म मानव दर्शन ही दे सकता है। उन्होंने कहा कि भारत ही एक ऐसा देश है जो पूरी दुनिया को वसुधैव कुटुंबकम के भाव से देखता था। आज दुनिया का कोई भी देश हो वह भारत के साथ इसलिए संबंध रखना चाहता है क्योंकि हमारे यहां बहुत बड़ा बाजार है। उन्होंने कहा कि परिवार और बाजार का भाव ही सुख शांति दे सकता है।

इस विचार को और आगे बढ़ाना है। दुनिया के विकास का मॉडल भारत दे सकता है। आज पूरी दुनिया सुख शांति खोज रही है। परिवार व्यवस्था भारत से अच्छी और कोई नहीं चला सकता। उन्होंने कहा कि पारंपरिक जीवन ही दीनदयाल के विचारों में समाहित है। आज हमें फिर से भारतीय जीवन मूल्य की संकल्पना को साकार करना है। एक तरफ हमें टूटते हुए परिवारों को बचाना है और दूसरी तरफ लोगों की जो संवेदनाएं मर रही है, उसमें फिर से जान डालनी है। अनेकता में एकता के सूत्र को खोजना ही एकात्म मानववाद है। यही हमारे देश की विविधता है। उन्होंने कहा कि भारत को फिर से विश्व गुरु बनाने के लिए हमें दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को लेकर आगे बढ़ना पड़ेगा।

एकात्म मानववाद सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की बात करता है : प्रो0 ओमजी गुप्ता

प्रो0 ओमजी गुप्ता

अध्यक्षीय उद्बोधन करते हुए प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा के निदेशक प्रो0 ओमजी गुप्ता ने कहा कि पं0 दीनदयाल उपाध्याय कुशाग्र बुद्धि के थे। उनका जीवन मानवीय मूल्य एवं संवेदना से ओतप्रोत था। आज हमें इस बात के लिए सजग रहना चाहिए कि मानवीय मूल्यों का ह्रास न हो। प्रोफेसर गुप्ता ने कहा कि दीनदयाल जी ने औद्योगिकीकरण को अपनाने की बात की थी। एकात्म मानववाद सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की बात करता है। दयाल उपाध्याय विचारक, लेखक, चिंतक एवं उच्च कोटि के पत्रकार थे। पांचजन्य तथा स्वदेश उनके संपादन में निकला। अल्प जीवन काल में उनका कार्य बहुत समय तक याद किया जाएगा। राष्ट्र के प्रति उनका योगदान महत्वपूर्ण है।

पं0 दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के ब्रोशर का विमोचन

पं0 दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के ब्रोशर का विमोचन करते हुए माननीय अतिथिगण

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए आयोजन सचिव डॉ संजय कुमार सिंह

राष्ट्रगान

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
मुक्त चिन्तन
26 सितम्बर, 2022

प्रो0 सीमा सिंह, माननीया कुलपति

मान्यता बोर्ड की 24वीं बैठक आयोजित

24वीं बैठक दिनांक 26 सितम्बर, 2022 को पूर्वाह्न 11:15 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रो0 सीमा सिंह, माननीया कुलपति, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने की। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया।

बैठक में प्रो0 बी.एन. सिंह, पूर्व विभागाध्यक्ष भूगोल, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 आशुतोष गुप्ता निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 जी.एस. शुक्ल, निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 सत्य पाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 प्रशान्त कुमार स्टालिन, निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सन्तोषा कुमार, आचार्य (इतिहास), समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 आनन्दा नन्द त्रिपाठी, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 संजय कुमार सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर (भूगोल), समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 पी0पी0 दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा एवं कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज उपस्थित रहे।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए मा0 कुलपति जी एवं उपस्थित मा0सदस्यगण।

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त विश्वविद्यालय में बीएड की काउंसिलिंग शुरू

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में बीएड सत्र 2022–23 में प्रवेश के लिए काउंसिलिंग बुधवार दिनांक 27 सितम्बर, 2022 से शुरू हो गई है। पहले दिन काउंसिलिंग के लिए छात्र–छात्राएं सुबह से ही मुक्त विश्वविद्यालय परिसर में जुटे। काउंसलिंग के पहले दिन आज ओपन कैटेगरी, ओपन फीमेल कैटेगरी तथा ईडब्ल्यूएस कैटेगरी के अभ्यर्थियों की काउंसलिंग कराई गई। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने प्रवेश परीक्षा में चयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं दी।

काउंसिलिंग के पहले दिन जुटे हैं छात्र–छात्राएं : यूपी राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में काउंसिलिंग को लेकर छात्र–छात्राएं इंतजार कर रहे हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने काउंसिलिंग की तिथि घोषित कर दी थी। इसके तहत आज 27 सितंबर को बीएड की काउंसिलिंग के पहला दिन है। अभी भी काउंसिलिंग चल रही है।

कब–कब होगी बीएड की काउंसिलिंग : बता दें कि मुक्त विश्वविद्यालय में बीएड काउंसिलिंग आयोजन दो चरणों में किया जा रहा है। बीएड प्रवेश परीक्षा के संयोजक प्रो. पीके पांडेय ने बताया कि बीएड प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की पहले चरण की काउंसिलिंग 27, 28 एवं 30 सितंबर को सरस्वती परिसर में सुबह दस बजे से है। दूसरे चरण की काउंसिलिंग 11, 12 एवं 15 अक्टूबर को प्रस्तावित की गई है।

बीएड सत्र 2022–23 में प्रवेश के लिए काउंसिलिंग में चयनित अभ्यर्थियों के प्रपत्र देखती हुई मा0 कुलपति जी एवं उपस्थित मा0सदस्यगण।

News Letter
मुक्त चिन्तन
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यशाला का शुभारम्भ करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

"Best Practices of Avinashilingam Institute Fostering NAAC Assessment Criteria" विषय पर राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन

दिनांक 28 सितंबर 2022 को अविनाशिलिंगम इंस्टीट्यूट फॉर होम साइंस एंड हायर एजुकेशन फॉर विमेन, कोयंबटूर, तमिलनाडु में "Best Practices of Avinashilingam Institute Fostering NAAC Assessment Criteria" विषय पर राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश की माननीया राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी ने की। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों के माननीय कुलपति तथा नैक क्राइटेरिया के सभी अध्यक्ष संयोजकों ने प्रतिभाग किया गया।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं नैक क्राइटेरिया के सभी सदस्यों नें उक्त कार्यक्रम में आनलाइन प्रतिभाग किये।

मुक्त चिन्तन

विद्या परिषद् की 72वीं बैठक आयोजित

28 सितम्बर, 2022

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् की 72वीं बैठक दिनांक 28 सितम्बर, 2022 को अपराह्न 03:15 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता, विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति, प्रो0 सीमा सिंह जी ने की। बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

ekuuh;k dqyifr

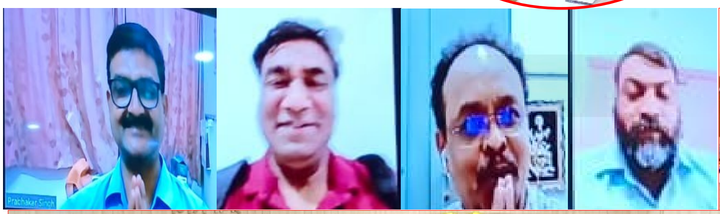

fo|k ifj"kn dh cSBd dh v/;{krk djrh gqbZ ekuuh;k dqyifr izks0 lhek flag th ,oa cSBd esa mifLFkr

मुक्त चिन्तन

मुक्त चिन्तन

News Letter

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

प्रयागराज क्षेत्रीय केंद्र के समन्वयकों की कार्यशाला आयोजित

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी तथा साथ में क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराज के प्रभारी निदेशक प्रो. जी. एस. शुक्ल

दिनांक 30 सितम्बर, 2022 को क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराज द्वारा अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्यों एवं समन्वयको की **मुक्त शिक्षा : चुनौतियॉं एवं सम्भावनाऍं** विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक सभागार में आयोजित की गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने की।

प्रारंभ में माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी का स्वागत क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराज के प्रभारी निदेशक प्रो. जी. एस. शुक्ल ने किया। अवसर पर पाठ्य सामग्री प्रभारी प्रो. एस. कुमार, प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव, सह प्रभारी परामर्श प्रकोष्ठ डॉ सतीश चंद्र जैसल, प्रोग्रामर, परीक्षा विभाग सीमा सिंह एवं लेखाकार, वित्त विभाग श्री अवनीश चंद्र आदि ने समन्वयकों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी ने संचालन तथा डॉ दिनेश सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर प्रयागराज क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध 90 अध्ययन केंद्रों के समन्वयक एवं प्राचार्य आदि उपस्थित रहे।

कार्यशाला का संचालन करते हुए प्रबन्धन अध्ययन विद्या शाखा के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ० देवेश रंजन त्रिपाठी

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी का स्वागत करते एवं मुक्त विश्वविद्यालय की गुणवत्ता के बारे में बताते हुए क्षेत्रीय केंद्र के प्रभारी निदेशक प्रो. जी. एस. शुक्ल

मुक्त चिन्तन

समन्वयकों की अपनी जिज्ञासाओं को व्यक्त करते अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकगण

मुक्त चिन्तन

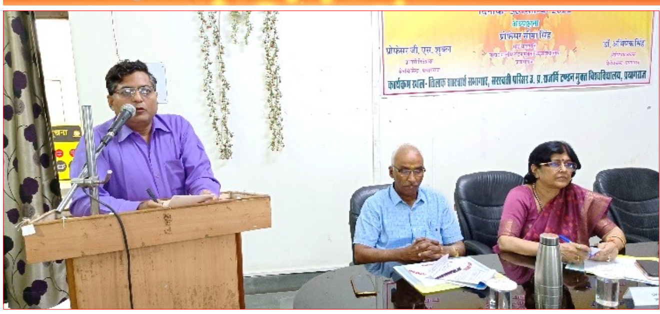

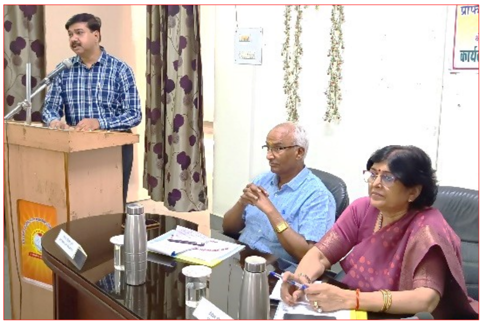

समन्वयकों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए पाठ्य सामग्री प्रभारी प्रो. एस. कुमार, प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव, सह प्रभारी परामर्श प्रकोष्ठ डॉ सतीश चंद्र जैसल, प्रोग्रामर, परीक्षा विभाग सीमा सिंह एवं लेखाकार, वित्त विभाग श्री अवनीश चंद्र एवं देवेश रंजन त्रिपाठी

मुक्त चिन्तन

अध्ययन केंद्रों के संचालन में समन्वयकों की भूमिका महत्वपूर्ण– प्रोफेसर सीमा सिंह

मुक्त और दूरस्थ शिक्षा को उच्च शिक्षा से वंचित ग्रामीण अंचलों के शिक्षार्थियों के द्वार तक ले जाने में अध्ययन केंद्र बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। दूरस्थ शिक्षा द्वारा संचालित कार्यक्रमों की गुणवत्ता को बनाए रखकर जन जन तक मुक्त विश्वविद्यालय पहुंच रहा है। भारत सरकार ने मुक्त विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों के महत्व को परिभाषित करते हुए इसे पारंपरिक विश्वविद्

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि कोरोना काल में मुक्त विश्वविद्यालयों द्वारा ऑनलाइन एजुकेशन के माध्यम से शिक्षार्थियों को घर बैठे गुणवत्ता युक्त शिक्षा उपलब्ध कराने के एवज में यूजीसी ने मुक्त विश्वविद्यालयों को नवाज़ा है। वास्तव में कोरोना काल में ही ऑनलाइन शिक्षा के युग का सूत्रपात हुआ। जब जिंदगी थम सी गई थी और लोग घरों में कैद हो गए थे। ऐसे में मुक्त विश्वविद्यालयों ने दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के माध्यम से जन जन तक ऑनलाइन शिक्षा प्रदान की। जिसे न केवल भारत सरकार ने सराहा बल्कि विगत दिनों यूजीसी ने मुक्त विश्वविद्यालय की महत्ता को स्पष्ट करते हुए इसे पारंपरिक विश्वविद्यालयों की डिग्री के समकक्ष भी करार दिया है।

प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय को उत्कृष्ट बनाने के लिए अध्ययन केंद्रों की भूमिका अति महत्वपूर्ण होती है। अध्ययन केंद्र विश्वविद्यालय एवं शिक्षार्थियों के मध्य महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं, जो विभिन्न प्रकार की समस्याओं का प्राथमिक स्तर पर त्वरित समाधान करते हैं। समन्वयकों का यह दायित्व है कि वे उच्च शिक्षा के प्रसार के साथ ही साथ शैक्षिक गुणवत्ता के सतत सुधार एवं परिमार्जन की भूमिका निभाएं।

प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा चलाये जा रहे रोजगार परक डिग्री और डिप्लोमा कार्यक्रमों की लोकप्रियता सबसे अधिक है। विश्वविद्यालय ऐसे सभी कार्यक्रमों का सतत मूल्यांकन करवा रहा है। जिससे समय के साथ इसे सभी उम्र एवं वर्ग के लोगों के लिए उपयोगी बनाया जा सके। प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि हाल के वर्षों में विश्वविद्यालय की लोकप्रियता में उछाल आया है। विश्वविद्यालय में ऑनलाइन प्रवेश के साथ ही छात्र–छात्राओं के घर पर पाठ्य सामग्री भेज दी जाती है। विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों के असाइनमेंट ऑनलाइन कर दिए गए हैं । प्रमाणपत्र डिप्लोमा एवं पीजी डिप्लोमा से असाइनमेंट समाप्त कर दिए गए हैं। स्नातक एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रम के असाइनमेंट छात्र घर पर ही बैठ कर पूरा करता है और उसे अपने अध्ययन केंद्र पर जमा करता है। इसके उपरांत उसे परीक्षा में बैठने का अवसर प्रदान किया जाता है। विश्वविद्यालय की लचीली व्यवस्था के अंतर्गत परामर्श कक्षाओं में छात्र काउंसलर से अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त कर सकता है। सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में विश्वविद्यालय ने छात्रों की ऑनलाइन काउंसलिंग की भी व्यवस्था की है। इसके साथ ही विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों के वीडियो लेक्चर विश्वविद्यालय के यूट्यूब पेज पर ऑनलाइन हैं। जिन्हें देखकर प्रतियोगी छात्र भी भरपूर लाभ उठा रहे हैं।

प्रोफेसर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय ओपन एजुकेशनल रिपोजिटरी (ओ. आई. आर.) की स्थापना की दिशा में प्रयास कर रहा है। जिसके अंतर्गत विद्याशाखाएं पाठ्यक्रमों की शैक्षणिक सामग्री को ऑनलाइन स्वरूप में शिक्षार्थियों को उपलब्ध कराएंगी। इसके अंतर्गत शिक्षकों को ओ. आई. आर. तैयार करने की ट्रेनिंग दी जा रही है।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि शिक्षकों को नवाचार एवं शोध कार्यों को बढ़ावा देने के लिए पॉलिसी फॉर प्रमोशन ऑफ रिसर्च के अंतर्गत वित्तीय सहायता दी जा रही है। नवाचार के अंतर्गत शिक्षार्थियों को लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एल.एम. एस.) के माध्यम से पाठ्यक्रम परामर्श अध्ययन सामग्री इत्यादि को देने की व्यवस्था की दिशा में प्रयास किया जा रहा है। विश्वविद्यालय स्माइल योजना के अंतर्गत (स्कीम टू मार्जिनलाइज्ड इनडिवाइड्यूल फॉर लर्निंग एंड अर्निंग) कोविड काल में अपने माता पिता को खो चुके बच्चों, किन्नरों, जेल बंदियों, देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले भारतीय सेना एवं अर्धसैनिक बलों के शहीद जवानों के आश्रितों को प्रवेश शुल्क में छूट दिए जाने का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांव की महिलाओं को प्रवेश शुल्क में 50: की छूट प्रदान की जा रही है।

कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि ओ. ई. आर., एल. एम. एस. और यूट्यूब चौनल सहित समस्त आनलाइन गतिविधियों को एक छतरी के नीचे लाने के लिए सेंटर फॉर ऑनलाइन एजुकेशन की स्थापना की गई है। जिसका उद्घाटन शीघ्र राज्यपाल द्वारा किया जाएगा।

मुक्त चिन्तन

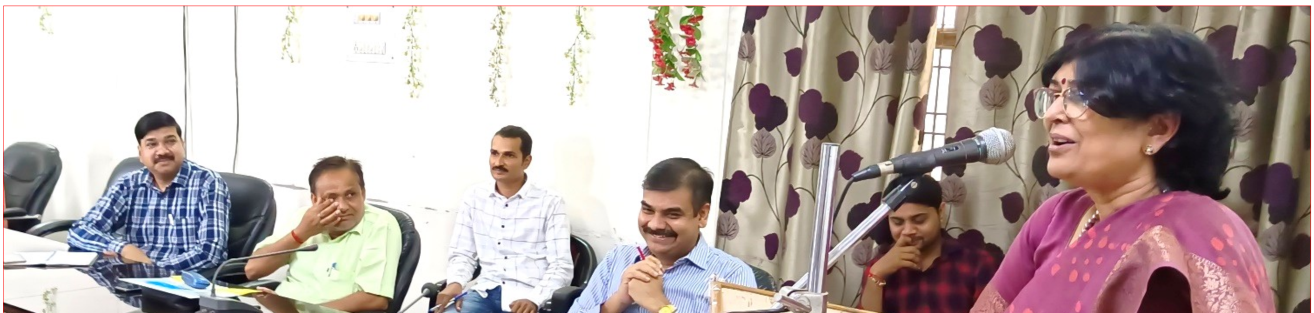

कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में गुणात्मक विस्तार की संभावनाएं अभी भी बनी हुई हैं। इसीलिए दूरस्थ शिक्षा के विकास, नवीनीकरण और उभरती चुनौतियों का सामना करने के लिए सतत अनुसंधान चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें न केवल दूरस्थ शिक्षा पद्धति को सर्व सुलभ बनाना है बल्कि दूरस्थ शिक्षा के समुपयुक्त साधनों से शिक्षार्थी केंद्रित गुणवत्तापरक मूल्य आधारित शिक्षा भी प्रदान करनी है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी के तीव्र विस्तार ने विभिन्न सांस्कृतिक और सामाजिक समूहों के शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करने की आशाएं एवं आकांक्षाएं बढ़ा दी हैं। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज नवाचार और स्टार्टअप के पोषण के लिए एक मजबूत एजुकेशनल इको सिस्टम का निर्माण कर रहा है जो सतत आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा। इससे रोजगार के नए अवसर निकलेंगे और युवाओं में आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। निर्यात को बढ़ावा मिलेगा तथा फोकल एवं लोकल की विचारधारा समृद्ध होगी। विश्वविद्यालय प्रयागराज क्षेत्रीय केंद्र के माध्यम से छात्रों एवं स्थानीय लोगों के समृद्ध विचारों को पोषित करेगा। साथ ही उनकी समस्याओं के समाधान का प्रयास करेगा।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए प्रभारी परामर्श प्रकोष्ठ डॉ0 दिनेश सिंह

राष्ट्रगान